● वर्ष-3
● अंक-97
रायपुर, शुक्रवार
01 दिसंबर 2023
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

samacharpacheesa@gmail.com

।। संगछध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› महाराष्ट्र में पर्यटन का एक ....

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, राजस्थान, मिजोरम व तेलंगाना मतदान के बाद एग्जिट पोल-2023 जारी

छत्तीसगढ़ में कड़ी टक्कर, कांग्रेस आगे

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनव को लेकर एक्जिट पोल आ गए है। छत्तीसगढ़ में दो प्रमुख राजनीतिक दल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हैं। इन्हीं दोनों दलों के बीच मुख्य मुकाबला है। छत्तीसगढ़ राज्य में 90 विधानसभा सीटें हैं। छत्तीसगढ़ एकमात्र राज्य है जहां दो चरणों में मतदान हुआ। 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव 7 नवंबर और 17 नवंबर को हुए। इस बार, मतदान प्रतिशत संतोषजनक रहा। इंडिया टुडे-एक्सिस माई इंडिया एग्जिट पोल के मुताबिक, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को 40-50 सीटें मिलने की संभावना है, जबकि बीजेपी को 36-46 सीटें मिल सकती हैं। अन्य पार्टियों को करीब 1-5 सीटें मिल सकती हैं।

इंडिया टुडे-एक्सिस माई इंडिया के मुताबिक, कांग्रेस को छत्तीसगढ़ में 42 फीसदी वोट शेयर मिलने की संभावना है। वहीं, बीजेपी को 41 फीसदी वोट मिलने की उम्मीद है। अन्य पार्टियों को 17 फीसदी वोट शेयर मिल सकता है। इंडिया टीवी-सीएनएक्स एग्जिट पोल का दावा है कि कांटे की टक्कर में बीजेपी 30-40 सीटें जीत सकती है और कांग्रेस 46-56 सीटों के साथ सत्ता बरकरार रख सकती है। जहां तक ??वोट शेयर की बात है तो बीजेपी को 41 फीसदी और कांग्रेस को 43 फीसदी वोट मिलने की संभावना है।

एबीपी-सीवोटर एग्जिट पोल के अनुसार, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को भाजपा के खिलाफ कड़ी टक्कर का सामना करना पड़ रहा है, सत्तारूढ़ पार्टी को 41 से 53 सीटों के साथ बहुमत का आंकड़ा हासिल करने का अनुमान है, वोट प्रतिशत 43न्न है। बीजेपी को 36 से 48 सीटें मिल सकती है।

न्यूज़ 24 चाणक्य के मुताबिक छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को 57, बीजेपी को 33 सीटें मिल सकती हैं। टाइम्स नाउ-ETG ने छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के लिए 34 से 36 सीटों का अनुमान जताया है। जबकि भाजपा के लिए 26 से 30 सीटें और अन्य के खाते में दो से चार सिटें जाती हुए दिखाई दे रही हैं। मैट्रिक्स के मुताबिक छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को 44 से 52 भाजपा को 34 से 42 और अन्य को दो सीटें मिल सकती हैं।

छत्तीसगढ़

	कांग्रेस	भाजपा	अन्य
2018	68	15	07
आज तक- एक्सिस माय इंडिया	40-50	36-46	1-5
इंडिया टीवी- सीएनएक्स	46-56	30-40	3-5
जन की बात	42-53	34-45	0-3
एबीपी- सी वोटर	41-53	36-48	0-4
न्यूज 24- टुडेज चाणक्या	57	33	0
रिपब्लिक- मैट्रिज	44-52	34-42	0-2
टीवी 9- पोलस्ट्रैट	40-50	35-45	0-3
टाइम्स नाउ- ईटीजी	48-56	32-40	2-4
रिपब्लिक- पी मार्क	46-54	35-42	-
दैनिक भास्कर	45-55	35-45	0-10

राजस्थान में असमंजस, मप्र में भाजपा

राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए 25 नवंबर को डाले गए वोट के एग्जिट पोल आ गए हैं। राजस्थान में 199 सीटों पर चुनाव हुए थे। दावा किया जा रहा था कि राजस्थान में भाजपा को बढ़त मिल सकती है। हालांकि, राजस्थान को लेकर जो एग्जिट पोल आए हैं उसमें कांग्रेस और भाजपा के बीच कड़ी टक्कर दिखाई दे रही है। इंडिया टुडे एक्सेस माय इंडिया के एग्जिट पोल के मुताबिक राजस्थान में कांग्रेस के लिए अच्छी खबर है। यह कांग्रेस को 86 से 106 सीटें मिल सकती हैं। वहीं भाजपा को 80 से 100 सीटें मिलेगी जबकि अन्य के खाते में 9 से 18 सिम जा सकती हैं। टाइम्स नाउ ईटीजी के मुताबिक राजस्थान में भाजपा के 108 से 128, कांग्रेस को 56 से 72 और अन्य को 13 से 21 सीटें मिल सकती हैं। राजस्थान के मंत्री और कांग्रेस नेता प्रताप खाचरियावास ने कहा कि एग्जिट पोल, सर्वेक्षण दिखा रहे हैं कि कांग्रेस राजस्थान में जीत रही है। भाजपा के लोग धोखेबाज हैं। वे केवल हिंदू-मुस्लिम करते हैं...कांग्रेस राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में सरकार बनाएगी। इंडिया टीवी-सीएनएक्स एग्जिट पोल ने राजस्थान में एक आश्चर्यजनक परिणाम का अनुमान लगाया है क्योंकि इसमें भविष्यवाणी की गई है कि कांग्रेस रिवॉल्विंग डोर ट्रेंड को पार करते हुए राज्य में सत्ता बरकरार रख सकती है। एग्जिट पोल के अनुसार, अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस को राज्य में 94-104 सीटें मिलने की संभावना है, जबकि भाजपा- 80-90 सीटें जीत सकती है।

बीजेपी सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि लोग बदलाव चाहते हैं। मुझे यकीन है कि बीजेपी राजस्थान में पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बना रही है। मुकाबला केवल एग्जिट पोल तक ही सीमित है। 3 दिसंबर को नतीजे बीजेपी के पक्ष में होंगे। कांग्रेस नेता गौरव वल्लभ ने कहा कि राजस्थान में सकारात्मक मतदान हुआ है...हमें सभी धार्मिक समुदायों से वोट मिले हैं। एग्जिट पोल से पता चलता है कि कांग्रेस सरकार बनाएगी। राजस्थान के एलओपी और बीजेपी विधायक राजेंद्र राठौड़ का कहना है, एग्जिट पोल अनुमान हैं... बीजेपी भारी जनादेश के साथ राजस्थान में सरकार बनाने जा रही है... हम मध्य प्रदेश में (सरकार) दोहराएंगे...।

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा को बड़ी खुशखबरी मिलती दिखाई दे रही है। मध्य प्रदेश की 230 सीटों वाली विधानसभा चुनाव के लिए 17 नवंबर को वोट डाले गए थे। आज उसके एग्जिट पोल आए। एग्जिट पोल में भाजपा जबरदस्त तरीके से फायदे में दिखाई दे रही है। इसके साथ ही कांग्रेस को मध्य प्रदेश में एक बार फिर से बड़ा झटका लगता हुआ दिखाई दे रहा है।

इंडिया टुडे एक्सेस माय इंडिया के मुताबिक बीजेपी मध्य प्रदेश में एकतरफा जीतती हुई दिखाई दे रही है। भाजपा के खाते में 140 से 162 सीटे जा सकती हैं। वहीं, कांग्रेस के खाते में 68 से 90 सीटें जा सकती हैं। वहीं, अन्य के खाते में शून्य से तीन सीटें जा सकती है। टाइम्स नाउ ईटीजी के मुताबिक मध्य प्रदेश में भाजपा को 105 से 117 सीटें मिल सकती है जबकि कांग्रेस के खाते में 109 से 125 सीटें जा सकती हैं। न्यूज़ 24 चाणक्य के मुताबिक मध्य प्रदेश में भाजपा को 151, कांग्रेस को 74 और अन्य को 5 सीटें मिल सकती हैं।

इंडिया टीवी-सीएनएक्स एग्जिट पोल की भविष्यवाणी के अनुसार सत्तारूढ़ पार्टी मध्य प्रदेश में 140 से 159 सीटें जीत सकती है। सत्ता विरोधी लहर के बढ़ते दावों के बीच मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के राज्य में बने रहने की संभावना है। वह पांचवीं बार मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री बन सकते हैं। राज्य में कांग्रेस को महज 70 से 90 सीटें मिलने का अनुमान है।

एग्जिट पोल पर मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मैंने कई जगहों पर कहा है कि हमारे राज्य की महिलाओं से हमें जिस तरह का समर्थन मिल रहा है, नतीजे अप्रत्याशित और अभूतपूर्व होंगे। उन्होंने कहा कि कांटे की टक्कर, कांटे की टक्कर...लाडली बहना ने सारे कांटे निकाल दिए...हम जहां भी जाते थे, राज्य की महिलाएं हमारा समर्थन करती थीं। उन्होंने कहा कि मैंने हमेशा कहा है कि मध्य प्रदेश में कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है और बीजेपी को स्पष्ट बहुमत मिलने जा रहा है। पीएम मोदी का प्यार और मार्गदर्शन, अमित शाह की रणनीतियाँ, जेपी नड्डा का नेतृत्व, हमारे कार्यकर्ताओं का प्रयास और हमारी सरकार की योजनाओं से यह स्पष्ट हो गया है कि भाजपा को राज्य में बहुमत मिल रहा है।

तेलंगाना में टाइम्स नाउ ईटीजी के सर्वे को देखे तो कांग्रेस को 60 से 70 सीटें मिल सकती है जबकि बीआरएस को 37 से 45 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। वहीं अन्य के खाते में जिसमें एआईएमआईएम और बीजेपी भी शामिल है उसे 6 से 12 सीटें मिल सकती हैं। तेलंगाना की 119 विधानसभा सीटों पर 30 नवंबर को विधानसभा के चुनाव में चुनाव संपन्न हो गए हैं। इसके साथ ही तेलंगाना को लेकर एग्जिट पोल सामने आने लगे हैं। एग्जिट पोल की मानें तो तेलंगाना में कांग्रेस को अच्छी खबर मिल सकती है। कहीं ना कहीं तेलंगाना में बीआरएस प्रमुख के चंद्रशेखर राव की राजनीति को बड़ा धक्का एग्जिट पोल के अनुमान के बाद से लगने जा रहा है। तेलंगाना विधानसभा चुनाव के नतीजे 3 दिसंबर को आएंगे। लेकिन एग्जिट पोल ने कांग्रेस को खुश होने का मौका दे दिया है। तेलंगाना में केसीआर लगातार तीसरे टर्म की उम्मीद कर रहे थे लेकिन उन्हें कांग्रेस की ओर से झटका मिल रहा है। इसके साथ ही केसीआर की राष्ट्रीय राजनीति की महत्वाकांक्षा को भी बड़ा झटका लग सकता है।

मिजोरम चुनाव को लेकर एक्जिट पोल मिला-जुला है। मिजोरम की बात करें तो यह टाइम्स नाउ ईटीजी के मुताबिक एमएनएफ को 14 से 18 सीटें, जेडपीएमको 10 से 14 सीटें और अन्य को 9 से 15 सीटें मिल सकती हैं। वही, एबीसी वोटर के मुताबिक एमएनएफ को 15 से 21 सीटें, जेडपीएम को 12 से 18 सीटें और अन्य को 0 से 10 सीटें मिल सकती हैं। जन की बात के मुताबिक के एमएनएफ को 10 से 14 सीटें, कांग्रेस को 5 से 9 सीटें, जेडपीएम को 15 से 25 सीटें और भाजपा को शून्य से दो सीटें मिल सकती हैं। इंडिया टुडे-एक्सिस माई इंडिया एग्जिट पोल ने गुरुवार को भविष्यवाणी की थी कि जोरम पीपल्स मूवमेंट मिजोरम में 40 सदस्यीय विधानसभा में 28-35 सीटों के साथ भारी जीत की उम्मीद कर रहा है। सर्वेक्षण में अनुमान लगाया गया कि मुख्यमंत्री ज़ोरमथांगा का मिज़ो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) लगभग नष्ट हो गया और उसे केवल 3 से 7 सीटें ही मिल पाएंगी। इंडिया टीवी-सीएनएक्स द्वारा किए गए नवीनतम एग्जिट पोल से पता चलता है कि ज़ोरमथांगा की मिज़ो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) मिजोरम विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरने की ओर अग्रसर है।

प्रमुख समाचार

कन्नूर यूनिवर्सिटी: सुको के फैसले पर बोले आरिफ मोहम्मद खान, सारा दबाव सीएमओ का था

नई दिल्ली। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने दावा किया है कि मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की दबाव रणनीति के कारण नवंबर 2021 में गोपीनाथ रवींद्रन को कन्नूर विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में फिर से नियुक्त किया गया। यह दावा सुप्रीम कोर्ट द्वारा रवींद्रन की पुन- नियुक्ति को रद्द करने के बाद आया है। उन्होंने कहा कि यह शिक्षा मंत्री नहीं हैं जो मेरे कार्यालय आये थे। एक ओएसडी और एक शख्स जिसने खुद को सीएम का कानूनी सलाहकार बताया। वे चांसलर के रूप में शिक्षा मंत्री का एक पत्र लेकर आए जिसमें प्रस्ताव किया गया था कि उन्हें महाधिवक्ता की राय के साथ विधिवत हस्ताक्षरित नियुक्त किया जाना चाहिए।

आरिफ ने आगे बताया कि मैंने कहा कि आप मुझसे जो करने को कह रहे हैं वह गैरकानूनी है। मैंने सीएम को पत्र लिखा कि उन्होंने मुझसे जो करवाया वह गैरकानूनी है। मैंने उनसे कहा कि मैं चांसलर पद पर बने रहना नहीं चाहता क्योंकि सीएम मुझसे फिर कुछ गैरकानूनी करने के लिए कहेंगे। यह शिक्षा मंत्री नहीं, सीएम के कानूनी सलाहकार थे जो मेरे पास आए थे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि सारा दबाव सीएमओ का था।

4 दिसंबर से शुरू हो रहा संसद का शीतकालीन सत्र, सरकार ने सूचीबद्ध किए 18 विधेयक

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र अगले सप्ताह से शुरू हो रहा है। सरकार की ओर से सत्र के दौरान 18 विधेयकों को सूचीबद्ध किया है, जिनमें जम्मू-कश्मीर और पुडुचेरी में महिला आरक्षण अधिनियम के प्रावधानों को बढ़ाने के लिए दो और

आपराधिक कानूनों को बदलने के लिए तीन विधेयक शामिल हैं। सत्र 4 दिसंबर को शुरू होगा और 22 दिसंबर को समाप्त होगा। लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी बुलेटिन के अनुसार, सरकार कश्मीरी प्रवासियों, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के विस्थापितों और अनुसूचित जनजातियों को प्रतिनिधित्व प्रदान करने के लिए जम्मू-कश्मीर विधानसभा की सदस्यों की संख्या 107 से बढ़ाकर 114 करने के लिए एक विधेयक लाने की भी योजना बना रही है। जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 जम्मू और कश्मीर विधानसभा में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित करने का प्रावधान करता है।

ज्ञानवापी: सर्वे रिपोर्ट सौंपने के लिए एएसआई को मिला 10 दिन का समय

नई दिल्ली। की एक जिला अदालत ने गुरुवार को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को ज्ञानवापी मस्जिद पर अपनी रिपोर्ट जमा करने के लिए 10 दिन का और समय दिया। एएसआई ने मस्जिद सर्वेक्षण पर अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए तीन सप्ताह का और समय

मांगा है। यह तीसरी बार था जब एएसआई ने ज्ञानवापी मामले में अपनी रिपोर्ट अदालत में पेश करने के लिए समय बढ़ाने का अनुरोध किया था। हिंदू पक्ष के वकील मदन मोहन यादव के अनुसार, जिला न्यायाधीश एके विश्वेश ने रिपोर्ट सौंपने के लिए तीन अतिरिक्त सप्ताह की मांग करने वाली एएसआई की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि एएसआई समय पर काम पूरा करेगा और अधिक समय नहीं मांगेगा। यादव ने कहा, अदालत ने मामले में सुनवाई की अगली तारीख 11 दिसंबर तय की है। अदालत मंगलवार को दायर एएसआई की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की सर्वेक्षण रिपोर्ट जमा करने के लिए तीन सप्ताह का समय और मांगा गया था.

मोदी ने 51 हजार से अधिक युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री रोजगार मेले के तहत सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त भर्तियों को 51,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश में लाखों युवाओं को भारत सरकार द्वारा नौकरी देने

का अभियान लगातार जारी है। आज 50 हजार से ज्यादा युवाओं को सरकारी नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि ये नियुक्ति पत्र आपके परिश्रम और प्रतिभा का नतीजा है।

मैं आपको और आपके परिवार को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के कर्मचारी के तौर पर आप सभी को बड़े दायित्वों को निभाना है। मोदी ने कहा कि आप जिस भी पद पर रहें, जिस भी क्षेत्र में काम करें, आपकी सर्वोच्च प्राथमिकता, देशवासियों की जीवन जीने में आसानी ही होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान के मुख्य वास्तुकार, बाबासाहेब अम्बेडकर ने एक ऐसे राष्ट्र का सपना देखा था जो सभी को सामाजिक न्याय और अवसर की समानता प्रदान करे।

97 तेजस विमान और 150 प्रचंड हेलीकॉप्टर्स की खरीद को मंजूरी

नई दिल्ली। रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने भारतीय वायु सेना के एसयू-30 लड़ाकू विमान उन्नयन कार्यक्रम को मंजूरी दे दी है। आधिकारिक सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी। डीएसी ने 97 अतिरिक्त तेजस एमके1ए और 156 प्रचंड लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टरों की आवश्यकता को स्वीकार कर लिया। जट की कुल लागत 1.10 लाख करोड़ रुपये है। आधिकारिक सूत्र ने बताया कि रक्षा

अधिग्रहण परिषद ने भारतीय वायु सेना के लिए 97 तेजस हल्के लड़ाकू विमानों के अतिरिक्त बैच की खरीद को मंजूरी दे दी। सूत्रों के मुताबिक रक्षा अधिग्रहण परिषद ने लगभग 150 'प्रचंड हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टरों' की खरीद को भी मंजूरी दी है। इसके साथ ही यह भी कहा गया है कि रक्षा अधिग्रहण परिषद ने भारतीय वायु सेना के सुखोई-30 लड़ाकू विमान उन्नयन कार्यक्रम को मंजूरी दी। यदि ऐसा होता है, तो यह भारत के इतिहास में स्वदेशी निर्माताओं को मिलने वाली सबसे बड़ी ऑर्डर बुक होगी। हालाँकि, अब जो प्रदान किया गया है, वह आवश्यकता की स्वीकृति है और उसके बाद निर्माताओं के साथ अनुबंध वार्ता होगी।

सीओपी28 में कैसी होगी भारत की भूमिका, देश के समक्ष क्या हैं चुनौतिया?

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी 28) की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। वार्षिक जलवायु शिखर सम्मेलन 30 नवंबर को शुरू होगा और 12 दिसंबर, 2023 को समाप्त होगा। ऊर्जा परिवर्तन को तेज़ करने और उत्सर्जन में कटौती करने के उद्देश्य से 70,000 से अधिक प्रतिनिधियों के सीओपी28 में भाग लेने की उम्मीद है। इज़राइल-हमास युद्ध और यूक्रेन में रूस के चल रहे विशेष सैन्य अभियान के बाद सामने आए भू-राजनीतिक जोखिमों के मद्देनजर इस वर्ष की सीओपी महत्वपूर्ण है।

एक विकासशील राष्ट्र होने के नाते, इस वर्ष सीओपी28 शिखर सम्मेलन में भारत की भूमिका महत्वपूर्ण बनी हुई है। भारत ग्रीन हाउस गैसों के शीर्ष उत्सर्जकों में से एक है। यहां दुनिया की सबसे बड़ी आबादी भी रहती है। इसलिए, देश के लिए यह महत्वपूर्ण होगा कि वह महत्वाकांक्षी (दूरदर्शी) रहे, साथ ही न्यायसंगत भी रहे। भारत के लिए, बातचीत देने और लेने के बारे में होगी। जलवायु परिवर्तन से निपटने में भारत की भूमिका पर राष्ट्रमंडल महासचिव पेट्रीसिया स्कॉटलैंड ने कहा कि भारत को अहम भूमिका निभानी है। भारत एक तकनीकी दिग्गज बन गया है और यह हमारे लिए हमारे पास मौजूद डेटा, भू-स्थानिक डेटा का उपयोग करने का एक अवसर है, जिससे हम बाहरी झटकों, विशेष रूप से जलवायु संकट, का बेहतर जवाब देने में सक्षम हो सकें। इसलिए मुझे पता है कि भारत ने कोविड के दौरान जो किया उसके लिए पूरा राष्ट्रमंडल आभारी है क्योंकि वह वितरण के मामले में कुछ समाधान पेश करने में सक्षम था।

इसके साथ ही उन्होंने आगे कहा कि हम भारत की ओर फिर से उस नेतृत्वकारी भूमिका के लिए देख रहे हैं। और हम जानते हैं कि यदि हम डेटा साझा करते हैं, यदि हम इस बारे में ज्ञान साझा करते हैं कि क्या काम करता है, क्या काम नहीं करता है, तो हम वास्तव में तेजी से वहां पहुंचेंगे। इसलिए हरित ऊर्जा महत्वपूर्ण है। भारत कई अन्य देशों के साथ आगे बढ़ रहा है, और हम वास्तव में चाहते हैं कि वह ऐसा करना जारी रखे और राष्ट्रमंडल परिवार के बाकी सदस्यों की मदद करे।

भारत में जर्मन राजदूत फिलिप एकरमैन ने कहा कि एक साथ बैठना बहुत ही महत्वपूर्ण क्षण है। हम अभी भी उन लक्ष्यों से बहुत दूर हैं जिन्हें हम हासिल करना चाहते हैं और हमें यह पता लगाने की कोशिश करनी होगी कि जलवायु परिवर्तन को कैसे कम किया जाए और उसके अनुकूल कैसे बनाया जाए। भारत एक बहुत ही महत्वपूर्ण भागीदार है। यह पृथ्वी पर सबसे अधिक आबादी वाला देश है। यह रचनात्मकता से भरपूर है, नए विचारों से भरपूर है, बहुत ही आकर्षक और प्रतिबद्ध तकनीक से भरपूर है और जब नवीकरणीय ऊर्जा की बात आती है तो राजनीति भी होती है।

सीओपी28 में भारत की चुनौतियाँ

1. भारत उच्च मीथेन उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार है, खासकर कृषि क्षेत्र से - जो देश में कई लोगों के लिए आजीविका बना हुआ है। इसलिए, भारत के लिए मीथेन उत्सर्जन में कटौती सीओपी 28 सम्मेलन में विवाद का मुद्दा हो सकता है।
2. इसके अलावा, नए सीएसई-डाउन टू अर्थ आकलन से पता चला है कि भारत ने इस साल के पहले नौ महीनों में लगभग हर दूसरे दिन एक चरम मौसम की घटना देखी। अत: देश को हानि एवं क्षति वित्त पर विशेष जोर देने की आवश्यकता है।
3. कोयले से चलने वाले बिजली संयंत्रों को तत्काल बंद करने की मांग एक और विचार है जिसे भारत अस्वीकार्य मानता है।
4. भारत को नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों को पूरा करने के लिए धन की आवश्यकता होगी। समाचार एजेंसी एएनआई ने बताया कि जबकि भारत स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों के एक बड़े हिस्से में बदलाव कर रहा है, उसे हरित ऊर्जा गलियारों के विकास और विकास का समर्थन करने के लिए एक बेहतर ग्रिड बुनियादी ढांचे के समर्थन के लिए वित्त स्रोत की आवश्यकता है।

सीओपी28 क्या है

सीओपी 28 का मतलब जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के पक्षों के सम्मेलन (सीओपी) की 28वीं बैठक है। यह हर साल होता है, और जलवायु परिवर्तन पर दुनिया का एकमात्र बहुपक्षीय निर्णय लेने वाला मंच है, जिसमें दुनिया के हर देश की लगभग पूर्ण सदस्यता है।

बैकुंठपुर पीएम आवास योजना में बड़ा घोटाला फर्जी फोटो की मदद से निकाले करोड़ों रुपये

कोरिया। बैकुंठपुर में पीएम आवास योजना में बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। शिकायत के मुताबिक सोनहत के अकलतराई में फर्जी जियो टैग फोटो का इस्तेमाल कर 1 करोड़ 13 लाख का भुगतान करा लिया गया गया। भुगतान पूरा होने के बाद ये खुलासा हुआ कि यहां पर स्वीकृत हुए 145 मकानों में से ज्यादातर मकान तो अभी अधूरे पड़े हैं। कई लाभार्थी तो ऐसे है जिनका मकान कागजों पर बन गया और वो अभी भी झोपड़े में रह रहे हैं।

फर्जी जियो टैग फोटो का इस्तेमाल किए जाने की खबर की जब पड़ताल पोर्टल पर हुई तो, पता चला कि मकान का काम अधूरा होने के बावजूद भी मकान के लिए मिलने वाली पूरी राशि निकाल ली गई है। फर्जीवाड़ा करने के लिए पोर्टल पर फर्जी फोटो और दूसरों के बैंक खातों का नंबर फीड कर धोखाधड़ी का खेल खेला गया। आरोप है कि इस पूरे खेल का मास्टरमाइंड कोई और नहीं बल्कि सचिव और उसका ठेकेदार भाई है। दोनों ने मिलकर अफसरों को भी इस गोलमाल में शामिल किया और पैसे की निकासी करा ली। अब लाभार्थी को ये तक नहीं पता कि उसके नाम पर पैसे भी निकाल लिए गए हैं। अगर भविष्य में लाभार्थी अपना मकान बनाना भी चाहे तो उसके मुश्किल है।

ग्रामीणों की शिकायत है कि ठेकेदार और सचिव ने धोखे से कागजों पर दस्तख़त करा लिए और पैसे हड़प

लिए। पीएम आवास के लाभार्थी का आरोप है कि उसके खाते में पैसे भी नहीं आए जबकी ठेकेदार ने कई जगह उससे अंगूठे लगवाए थे। पैसा भी नहीं मिला और मकान भी अब अधूरा रह गया। दूसरे ग्रामीण की शिकायत है कि खाते में पैसे आए जो ठेकेदार ने ले लिए। मकान का काम भी पूरा नहीं किया।

योजना के पोर्टल पर कैसे चल रही धांधली !

केस 1

लाभार्थी प्रभु- (रजिस्ट्रेशन नंबर सीएच 1420389) के आवास में दो अलग-अलग निर्माण की फोटो अपलोड है। पहले फोटो में फ्लाई ऐश ईंटों का इस्तेमाल हुआ है। दूसरी फोटो में लाल ईंट लगी है।

केस 2

लाभार्थी सुनीता- (सीएच 1439868) के आवास में पहले फोटो में दो खिड़की नजर आ रही है, जबकि मकान पूरा होने पर एक ही खिड़की है, साथ ही लोकेशन में भी अंतर है

केस 3

लाभार्थी ठाकुरदीन- (सीएच 1669824) और मनैजर (सीएच 1704199) के आवास में एक ही फोटो का इस्तेमाल हुआ है, ठाकुरदीन के मकान में पहली और दूसरी तस्वीर अलग है, बाउंड्रीवॉल और पेड़ मिसिंग है।

केस 4

लाभार्थी शिवप्रसाद- (सीएच 1702303) और जयराम (ष्ट॥1696841) के आवास में एक ही फोटो का इस्तेमाल हुआ है। इसमें जियो टैगिंग फोटो में फर्जीवाड़ा किया गया है।

केस 5

लाभार्थी शांति बाई- (सीएच 1685323) के आवास में पहले फोटो में फ्लाई ऐश ईंट का इस्तेमाल हुआ है, जबकि दूसरे फोटो में लाल ईंट नजर आ रही है। दरवाजा पहले दाएं ओर था जो बाद में बाई ओर हो गया।

केस 6

लाभार्थी इंद्रा मनिया- (सीएच 1156739) के आवास में पहले लाल ईंट का इस्तेमाल हुआ है, जबकि दूसरे फोटो में फ्लाई ऐश ईंट का इस्तेमाल नजर आ रहा है, दोनों फोटो में काफी अंतर है।

कवर्धा विधानसभा में सबसे ज्यादा राउंड में होगी गिनती

■ **कबीरधाम जिले में मतगणना की तैयारी पूरी**

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ विधानसभा निर्वाचन-2023 अंतर्गत 90 विधानसभा क्षेत्रों के लिए दो चरणों में हुए मतदान के बाद आगामी तीन दिसंबर को मतगणना होगी। कबीरधाम जिले के दोनों विधानसभा क्षेत्र पंडरिया व कवर्धा में सात नवंबर को मतदान हुआ था। पूरे प्रदेश में सबसे ज्यादा 411 मतदान केंद्र कवर्धा विधानसभा में है। इस कारण यहां का परिणाम भी लेट से आएगा। बीते 2018 के अधिकृत परिणाम आने में रात एक बज गया था।

जिला निर्वाचन अधिकारी जन्मजय महोबे ने बताया कि सभी मतगणना केंद्रों में प्रेक्षकों की निगरानी में होने वाली मतगणना के लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए 14 टेबल लगाए गए हैं। मतों की गिनती सुबह आठ बजे से शुरू होगी जिसमें सबसे पहले सेवा मतदाताओं के मतों की गणना होगी। सबसे पहले ईटीपीबीएस (इलेक्ट्रानिकली ट्रांसमिटेड पोस्टल बैलैट सिस्टम) से प्राप्त मतों के क्यूआर कोड की स्कैनिंग की जाएगी। उसके बाद डाक मतपत्रों की गिनती शुरू होगी। साढ़े आठ बजे के बाद सभी टेबलों पर एक साथ मतगणना शुरू होगी।

प्रदेश की 90 विधानसभा सीटों में से कवर्धा में सबसे अधिक 30 चक्रों में मतगणना होगी। कड़ी सुरक्षा के बीच मतगणना केंद्रों में होने वाली मतों की

गिनती के दौरान बिना प्राधिकार पत्र के किसी भी व्यक्ति को मतगणना कक्ष में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। मतगणना के दौरान अभ्यर्थी किसी भी टेबल पर जाकर मतगणना को देख सकेंगे जबकि अभ्यर्थी के अभिकर्ता सिर्फ निर्धारित टेबल पर ही मतगणना का निरीक्षण करेंगे। मतगणना की पूरी कार्रवाई मतगणना प्रेक्षक तथा सामान्य प्रेक्षक की उपस्थिति तथा निगरानी में होगी। इस दौरान प्रत्येक राउंड की समाप्ति पर अभ्यर्थी या उनके अभिकर्ता की उपस्थिति एवं प्रेक्षक की निगरानी में रैंडम आधार पर किसी दो कंट्रोल यूनिट की जांच की जाएगी। इसके अलावा सभी चक्रों की गणना पूर्ण होने पर पांच वीवीपेट का ड्रा के माध्यम से चयन कर मतों का सत्यापन किया जाएगा। स्ट्रांग रूम में त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे में रखा गया है। पूरी मतगणना प्रक्रिया की रिकॉर्डिंग भी रखी जाएगी। इस दौरान प्रेक्षक तथा रिटर्निंग ऑफिसर को छोड़कर मतगणना कक्ष में किसी को भी मोबाइल ले जाने की अनुमति नहीं होगी। वहीं, प्रेक्षक की उपस्थिति में दो दिसंबर को मतगणना के लिए प्रायोगिक प्रशिक्षण किया जाएगा।

एमसीबी के बरबसपुर में धान खरीदी शुरू होने से पहले ही सामने आई बड़ी गड़बड़ी

मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। छत्तीसगढ़ में 1 नवंबर से ही धान खरीदी की शुरुआत हो गई है। प्रदेश के सभी धान उपार्जन केंद्रों में किसान अपनी फसल लेकर पहुंचने लगे है। इस बीच मनेंद्रगढ़ में धान खरीदी शुरू होने से पहले ही बिचौलिए सक्रिय हो गये हैं। ताजा मामला एमसीबी जिले के धान उपार्जन केंद्र बरबसपुर का है। जहां खाद्य अधिकारियों के आकस्मिक निरीक्षण के दौरान बिना अनुमति सरकारी गोदाम में 213 क्विंटल धान रखे होने की बात सामने आ रही है। केंद्र प्रभारी से पूछताछ करने के बाद उचित जबाव नहीं मिलने पर धान को जब्त किया गया है।

एमसीबी कलेक्टर नरेन्द्र कुमार दुग्गा के निर्देश पर खाद्य अधिकारियों की टीम ने धान उपार्जन केंद्र बरबसपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय उपार्जन केंद्र प्रभारी चंद्र प्रकाश साहू मौजूद थे। इस दौरान समिति का निरीक्षण करने पर पुराने सरकारी गोदाम में 83 कट्टा वजन 33।2 क्विंटल पुराना सोनम धान और नए गोदाम में 450 कट्टा वजन 180 क्विंटल मोटा धान पाया गया। जिसे खाद्य अधिकारियों ने जब्त कर प्रभारी की सुपुर्दगी में दिया है।

धान उपार्जन केंद्र बरबसपुर के प्रभारी से पूछताछ करने पर उसने बताया कि उसके घर में फर्श रिपेयरिंग का काम चल रहा है। जिसकी वजह से उसने अपने स्वयं के धान को सरकारी गोदाम में रखा

था। उसने रिपेयरिंग होने के बाद धान को वापस अपने घर ले जाने की बात अधिकारियों को बताई। लेकिन धान उपार्जन केंद्र के प्रभारी ने शासकीय गोदाम में धान रखने के संबंध में किसी भी उच्च अधिकारियों को मौखिक या लिखित रूप से सूचना नहीं दी थी। इस साल धान उपार्जन केंद्र बरबसपुर में अभी तक किसी भी किसान का टोकन नहीं काटा गया है, जिससे धान खरीदी शुरु ही नहीं हुआ है। इस वजह से गोदाम में रखे धान को जब्त कर प्रभारी के सुपुर्द किया गया है।

खाद्य अधिकारियों की टीम में संजय कुमार ठाकुर, जिला विपणन अधिकारी विनीता चौरसे, तहसीलदार श्रीकांत पांडे, नोडल अधिकारी आनंद सिंह एवं सहायक पंजीयक बजरंग पैकरा शामिल थे। जिनके द्वारा संयुक्त रूप से धान उपार्जन केंद्र बरबसपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया।

बीजापुर में मिले प्राचीन मंदिर के अवशेष पुरातत्व विभाग से रिसर्च की उठी मांग

बीजापुर। भोपालपटनम में बड़े तालाब के पीछे श्मशान में प्राचीन शिव-मंदिर के अवशेष बिखरे पड़े हैं। साहित्यकार और स्थानीय लोगों ने पुरातत्व विभाग द्वारा इस स्थल को अपने संरक्षण में लेने की मांग की है ताकि इसके बारे में रिसर्च कर वहां के पुरातात्विक धरोहर को सामने लाया जा सके और उसे पर्यटन-स्थल के रूप में विकसित किया जा सके।

दरअसल, भोपालपटनम् में बड़े तालाब के पीछे जंगल में श्मशान के रूप में चिह्नित जमीन पर शिवलिंग, नंदी, यक्षणियों, बुद्ध, विशेष मुद्रा में देवी, कुछ मूर्तियों के खंडित शीश, अधोभाग और अन्य देवी देवताओं की प्रतिमाएं कई सालों से पड़ी हुई हैं। लोगों का मानना है कि इस स्थल पर या इसके आसपास जरूर कोई प्रचीन शिव-मंदिर या अन्य किसी देवता का भव्य मंदिर रहा होगा। कुछ मूर्तियां वहां से उठाकर गुल्लापेटा और भोपालपटनम् के शिव मंदिर में भी रखी गयी थीं, जो अब भी देखी जा सकती हैं।

बड़े तालाब की मेड़ पर एक जटाधारी शिव-प्रतिमा, जिसके एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे हाथ में डमरू है, आधी धंसी हुई है। मेड़ पर भी मंदिर की कुछ शिल्प-संरचनाएं मिट्टी में दबी हुई है। इसी क्षेत्र में भोपालपटनम् जमींदार परिवार की दो भव्य छतरियां भी हैं, जो देखरेख के अभाव में अब जीर्ण अवस्था में रखी हुई है।

साहित्यकारों की मांग है कि छत्तीसगढ़ शासन के पुरातत्व विभाग द्वारा इस स्थल को अपने संरक्षण में लिया जाए। ताकि खुदाई कर यहां दबे पुरातात्विक धरोहर को प्रकाश में लाया जा सके। इस जगह को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित भी किया जा सके। साहित्यकारों का मानना है कि इस खोज से निश्चत तौर पर भोपालपटनम् के गौरवशाली प्राचीन इतिहास के नये पन्ने खुलेंगे।

सुप्रसिद्ध साहित्यकार और जनजातीय संस्कृति के अध्येता-लेखक लक्ष्मीनारायण पयोधि इन दिनों अपने गृहनगर भोपालपटनम् के दौरे पर हैं। इस खोजी अभियान में उनके साथ जिला पंचायत सदस्य और छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण परिषद् के सदस्य बसंत राव ताटी और वरिष्ठ पत्रकार नारायण ताटी भी साथ थे।

कांकेर के दूध नदी में रेत खनन का खेल, अंधेरे में जेसीबी से खुदाई

कांकेर। शहर के बायपास मार्ग के नीचे दूध नदी में इन दिनों बेरोक टोक खनन माफिया के गुंडे अवैध खनन कर नदी का सीना छलनी कर रहे हैं। रात होते ही खनन का खेल यहां चालू हो जाता है। जेसीबी मशीनों की मदद से रेत का पहले खनन किया जाता है। खनन के बाद डंपरों में बालू को लोड कर रात के अंधेरे में उनको ठिकाने तक पहुंचाया जाता है। जिस तरह से दूधनदी पर खनन का खेल चल रहा है, उससे लगता है कि माफिया को पुलिस को कोई डर नहीं रहा।

दूध नदी पर खनन का काम जिस तेजी से रेत माफिया कर रहे हैं, उससे चंद दिनों में बालू खत्म हो सकता है और नदी में सिर्फ रह जाएंगे गड्ढे। रेत माफिया नदी के घाट पर घंटों खनन का काम कर रहे हैं। प्रशासन या खनिज विभाग को इसकी जानकारी है या नहीं या फिर वो जानबूझकर अंजान बने हैं ये सवाल अब उठने लगा है। दूधनदी से खनन कर बालू को दूसरे जिलों में बड़ी ही आसानी से भेजा भी जा रहा है। परिवहन

विभाग की नजरों से भी ये माफिया आसानी से खुद को बचा रहे हैं। शक जताया जा रहा है कि कहीं प्रशासन की मदद से तो ये खनन माफिया अपना काम नहीं कर रहे।

अवैध रेत खनन का ये कोई पहला मामला या फिर वीडियो सामने नहीं आया है। इसके पहले भी कई वीडियो और मामले सामने आ चुके हैं। पर जिस तरह से दूधनदी में माफिया अपना कारोबार फैला रहे हैं। शक हो रहा है कि पुलिस की नाक के नीचे बिना संरक्षण के खनन का काम नहीं किया जा सकता। स्थानीय लोगों की नजर रोज इस खनन के खेल पर पड़ रही है। ऐसा नहीं हो सकता है कि पुलिस या फिर खनिज विभाग की नजर इनपर नहीं पड़ रही हो।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

खाद्य विभाग की कार्रवाई से दुकानदारों में मचा हड़कंप

बलरामपुर। जिले के रामानुजगंज में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई की। रामानुजगंज के कई पान भंडार, किराना स्टोर और किराना सामानों की ट्रेडिंग एजेंसी पर छापेमारी की कार्रवाई की, और जुर्माना भी लगा दिया। नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों पर कोटपा एक्ट के तहत कार्रवाई हुई है। भारत सरकार के दिशा निर्देश के मुताबिक, तंबाकू उत्पादों जैसे गुटका, सिगरेट के पैकेट पर चित्र के साथ चेतावनी लगाना जरूरी है। बावजूद कई दुकानों पर बिना चेतावनी लगे गुटका और सिगरेट की बिक्री हो रही थी। इसकी शिकायत प्रशासन को मिली। जिसके बाद ताबड़तोड़ छापेमारी की गई। नियमों का उल्लंघन कर रहे दुकानदारों पर कोटपा एक्ट के तहत जुर्माना लगाया गया। बीएमओ डॉ हेमंत दीक्षित ने कहा पान की दुकानों में सिगरेट और गुटका के पैकेट में तंबाकू से होने वाले नुकसान के बारे में चित्र के साथ चेतावनी लगाना अनिवार्य है। नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों पर जुर्माने की कार्रवाई की गई और समझाइश भी दी गई है।

न्यूजीलैंड के स्मोक फ्री एनवायरमेंट कानून का सरगुजा और जशपुर से कनेक्शन

सरगुजा। छत्तीसगढ़ में सरगुजा जिला और जशपुर शहर को स्मोक फ्री होने का खिताब भारत सरकार की ओर से मिला है। अब इस खिताब पर जल्द ही सवालिया निशान लगने वाला है, क्योंकि न्यूजलैंड जहां स्मोक फ्री एनवायरमेंट कानून पास किया गया था, वहां पर अब ये कानून खत्म होने वाला है। कहा जा रहा है कि न्यूजीलैंड में टैक्स बढ़ोत्तरी के लिए स्मोक फ्री एनवायरमेंट कानून को खत्म किया जाएगा। भारत में भी जो स्मोक फ्री एनवायरमेंट का खिताब न्यूजीलैंड की तर्ज पर ही दिया जा रहा था। सरगुजा के डॉक्टर अब न्यूजीलैंड के इस फैसले की आलोचना कर रहे हैं। डॉक्टरों का कहना है कि इससे पर्यावरण की सुरक्षा का संकल्प खतरे में पड़ जाएगा। सरगुजा और जशपुर शहर जो कि स्मोक फ्री एनवायरमेंट के लिए जाने जाते थे, अब यहां के पर्यावरण प्रेमी और डॉक्टर दोनों परेशान हैं। डॉक्टरों का कहना है कि न्यूजीलैंड की तर्ज ही अपने यहां इस तरह का कदम उठाया गया।

परतापुर-संगम मार्ग पर नक्सलियों ने लगाया बैनर

कांकेर। परतापुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम भींगीडर के पास परतापुर-संगम मार्ग पर बीती रात नक्सलियों ने बैनर लगाया है, बैनर में लिखा गया है कि आम जनता बैनर के पास न जाये इसमें खतरा है। साथ ही लगाये गये बैनर में पर्चा चस्पा कर नक्सलियों ने 2 से 8 दिसंबर तक पीएलजीए सप्ताह मनाने की अपील की गई है। नक्सलियों द्वारा लगाये गये बैनर को गुरूवार सुबह ग्रामीणों ने देखकर इसकी सूचना पुलिस को दी। बैनर में लिखे चेतावनी से बैनर के आस-पास आईईडी लगे होने की संभावना से ग्रामीणों में भय का माहौल है।

बिश्रामपुर एसईसीएल खदान से लाखों का कबाड़ चोरी

सूरजपुर। बिश्रामपुर एसईसीएल के खदानों में कोयला उत्पादन के लिए करोड़ों की मशीन लगी हुई हैं। उसमे से कुछ मशीन बंद पड़ी हुई है। ऐसे ही बेशकीमती मशीनों पर चोर हाथ साफ कर रहे हैं। मशीनों को काटकर उनकी चोरी की जा रही है फिर उन मशीनों को लाखों रुपये में कबाड़ियों को बेचा जा रहा है। बुधवार को भी एसईसीएल के खदान से लाखों रुपये का कबाड़ चोरी का मामला सामने आया है। एसईसीएल ने इसकी शिकायत बिश्रामपुर थाने में की है। इससे पहले भी कई बार खदान से कबाड़ और कोयला चोरी की शिकायत थाने में की गई हैं। मामले में एसपी आई कल्याण एलिसेला ने बताया कि बिश्रामपुर क्षेत्र में एसईसीएल से कई बार कबाड़ चोरी की शिकायत सामने आ रही है। ऐसे कबाड़ चोरों पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही कोयला चोरों पर भी कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि बीते दिनों भी खदान से कोयला चोरी की शिकायत सामने आई थी। चोरों के हौसले इतने बुलंद है कि कई बार एसईसीएल खदान में लगे गार्ड के साथ बुरी तरह से मारपीट किया गया।

ट्रेलर की टक्कर से रायपुर जा रही कार के उड़े परखच्चे

दुर्ग/भिलाई। भिलाई स्थित न्यू खुर्सीपार के डबरापारा में देर रात बड़ा हादसा हो गया। ट्रेलर चालक ने भिलाई से रायपुर जा रही कार को टक्कर मार दी। इस हादसे में 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनका इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है। घटना बीती रात की है। कार सवार तीन लोग भिलाई से रायपुर की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर सीजी 07 बीजी 8599 ने कार को अपनी चपेट में लिया। ट्रेलर से टकराने के बाद कार पुलिया की साइड वॉल से टकरा गई और ट्रेलर और पुलिया के बीच फंस गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार के परखच्चे उड़ गए। कार में सवार तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर आने जाने वालों की भीड़ लग गई। खुर्सीपार थाना पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर मौजूद लोगों की मदद से कार सवारों को कार से बाहर निकाला गया। सभी घायलों को पास के निजी अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने कार और ट्रेलर को जब्त कर लिया है।

3 दशक बाद बलरामपुर के इलाके में पहुंचे झारखंड के 24 हाथी

■ **सरगुजा वन विभाग के छूटे पसीने**

सरगुजा। बलरामपुर जिले के चांदो क्षेत्र में हाथियों ने अपनी मौजूदगी दर्ज करा दी है। 24 हाथियों का दल झारखंड के रास्ते चांदो पहुंचा है। 30 साल बाद इस क्षेत्र में हाथियों ने दस्तक दी है। यहां पहुंचने के बाद हाथी लगातार फसलों को नुकसान पहुंचा रहा है।

फसल बर्बाद करने के साथ घर भी तोड़ा

वन विभाग के अनुसार 24 सदस्यीय हाथियों का दल झारखंड से चुनचुना पुंदाग के रास्ते छत्तीसगढ़ पहुंचा है। वर्तमान में हाथी चांदो जंगल में ही घूम रहे हैं। साथ ही धान की फसलों को भी नुकसान पहुंचा रहे है। अब तक हाथियों ने चार किसानों के धान की फसल को को नुकसान पहुंचाने के साथ ही एक घर को भी तोड़ दिया है। एक बकरी भी हाथी के पैर से दबकर घायल हो गई है। वन विभाग ने ग्रामीणों को उनके नुकसान का मुआवजा देने के लिए प्रकरण तैयार किया है।

झारखंड के हाथी पहुंचे बलरामपुर के चांदो

हाथियों का यह दल बिलकुल नया है। फिलहाल ये दल कितना खतरनाक है इसकी जानकारी भी वन विभाग के पास नहीं है। ऐसे में वन विभाग लोगों को सतर्क रहने और जंगल से दूर रहने की सलाह दे रहा है। वन विभाग की टीम लगातार हाथियों के मूवमेंट पर नजर रख रही है और लोगों को हाथियों से छेड़छाड़ नहीं करने की समझाइस दी गई है।

उप वन मंडलाधिकारी अशोक तिवारी ने कहा चांदो क्षेत्र में पहली बार हाथियों का दल पहुंचा है। पिछले तीन दशक में कभी इस क्षेत्र में हाथी नहीं आए थे। 24 हाथियों का दल झारखंड से चुनचुना पुंदाग के रास्ते पहुंचा है और वन विभाग द्वारा हाथियों के मूवमेंट पर नजर रखी जा रही है।

सरगुजा रेंज की सीमा में करीब 115 हाथी अमूमन रहते हैं। सीमा पार कर ये कभी कोरबा और अन्य वन मंडलों में चले जाते हैं। अब झारखंड से 24 हाथियों के दल के आने से इनकी संख्या सरगुजा में बढ़ चुकी है। छत्तीसगढ़ में हाथियों के इतिहास की बात की जाए तो 1989 के में पहली बार झारखंड से ही सरगुजा के रास्ते हाथी प्रदेश में पहुंचे थे और इसके बाद से ही लगातार हाथियों की संख्या बढ़ती गई। सरगुजा संभाग के ज्यादातर इलाकों में हाथियों ने अपनी मौजूदगी दर्ज करा दी है लेकिन बलरामपुर जिले का चांदो क्षेत्र पिछले तीन दशक से हाथियों से सुरक्षित था। वन विभाग के अनुसार चांदो क्षेत्र में कभी भी हाथी नहीं आए थे लेकिन अब चांदो भी हाथियों का विचरण क्षेत्र बन गया है।

हत्या-आगजनी में शामिल स्थाई वारंटी नक्सली जनताना अध्यक्ष गिरफ्तार

बीजापुर। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उनमूलन अभियान के तहत थाना कुटरू से जिला बल की टीम दरभा, केतुलनार की ओर निकली थी। अभियान के दौरान केतुलनार-दरभा मार्ग पर विस्फोटक एवं नक्सल साहित्य, पर्चा-बैनर के साथ स्थाई वारंटी नक्सलियों के जनताना अध्यक्ष दिवाड़ पोयाम निवासी केतुलनार को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नक्सली ग्रामीण की हत्या एवं वाहनों में आगजनी की घटना में शामिल था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नक्सलियों के जनताना अध्यक्ष दिवाड़ पोयाम को गिरफ्तार का उसके कब्जे से एक टिफिन बम, जिलेटिन स्टीक 6 नग, सेफ्टी फ्यूज, डेटोनेटर, नक्सली साहित्य एवं नक्सली पर्चा, बैनर आदि बरामद किया गया है। पूछताछ उसने स्वीकार किया कि जवानों को निशाना बनाने के लिये केतुलनार-दरभा मार्ग पर आईईडी लगाने की तैयारी थी। गिरफ्तार नक्सली जनताना अध्यक्ष दिवाड़ पोयाम थाना कुटरू क्षेत्र अंतर्गत 10 जनवरी 2022 को केतुलनार गढ़मेरीपारा के ग्रामीण की हत्या एवं 4 फरवरी 2022 को गिट्टी परिवहन करने वाली हाइवा वाहन में आगजनी की घटना में शामिल था। उक्त के विरूद्ध थाना कुटरू में 2 स्थाई वारंट लंबित है। थाना कुटरू में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम एवं विधि विरूद्ध क्रिया कलाप निवारण अधिनियम 1967 की सुसंगत धाराओं में कार्यवाही उपरान्त रिमाण्ड पर न्यायालय बीजापुर के समक्ष पेश किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व सांसद छाया वर्मा के पति का निधन सीएम बघेल ने जताया दुख

रायपुर। कांग्रेस की पूर्व राज्यसभा सांसद छाया वर्मा के पति का आज निधन हो गया। जानकारी के अनुसार डॉ. दयाराम वर्मा का निधन दिल का दौरा पडऩे से हुआ है। उन्होंने अंबडेकर अस्पताल में अंतिम सांसें ली। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ट्वीट कर शोक जताया है। सीएम ने लिखा- पूर्व राज्यसभा सांसद, कांग्रेस नेत्री छाया वर्मा के पति डॉ दया वर्मा का दिल का दौरा पडऩे से आकस्मिक निधन का दुखद समाचार प्राप्त हुआ है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति एवं परिवारजनों को संबल प्रदान करे। इस दुःख की घड़ी में हम सब उनके साथ हैं। बता दें कि डॉ. दया वर्मा शासकीय चिकित्सक रहे हैं। सिलयारी उपस्वास्थ्य केंद्र में लंबे समय तक पदस्थ रहे। सिलयारी के समीप ही गृहग्राम किरना में उनका अंतिम संस्कार किया जायेगा।

पीसीपीएनडीटी के अंतर्गत राज्य सलाहकार समिति की बैठक हुई

रायपुर। पीसीपीएनडीटी के अंतर्गत राज्य सलाहकार समिति की बैठक संचालक स्वास्थ्य सेवाएं के सभा कक्ष में आयोजित हुई। बैठक में पूर्व बैठक में लिए गए निर्णय के परिपालन के साथ-साथ पीसीपीएनडीटी ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन फार्म-बी में आवेदक का नाम अंकित किए जाने और पीसीपीएनडीटी पोर्टल में 06 माह प्रशिक्षण हेतु अधिसूचित संस्था एवं प्रशिक्षण प्राप्त चिकित्सकों की सूची प्रदर्शित करने हेतु विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। बैठक में संयुक्त संचालक श्री प्रशांत श्रीवास्तव, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ज्योति जायसवाल, राज्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेन्द्र सिंह, पीसीपीएनडीटी की सलाहकार डॉ. वर्षा राजपूत, डॉ. ओमकार खंडेलवाल सहित अन्य संबंधित कर्मचारी-अधिकारी उपस्थित थे।

सिविल जज के 48 पदों के लिए साक्षात्कार 5 दिसंबर से होगी शुरु

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित सिविल जज भर्ती परीक्षा के लिए साक्षात्कार 5 दिसंबर से शुरू होगी। पीएससी की ओर से साक्षात्कार से संबंधित दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। 48 पदों के लिए होने वाला साक्षात्कार 14 दिसंबर तक अलग-अलग तिथियों में होगा। इन पदों के लिए इसी वर्ष 27 जून को परीक्षा आयोजित की गई थी। इसके परिणाम 17 अगस्त को जारी हुए थे। इस आधार पर पीएससी ने 152 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया है। साक्षात्कार से एक दिन पहले पात्र अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापन होगा।

पीएससी ने प्राणीशास्त्र के सहायक प्राध्यापकों की चयन सूची जारी की

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने प्राणीशास्त्र के सहायक प्राध्यापकों की चयन सूची जारी कर दी है। उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत 125 पदों के लिए पीएससी ने जुलाई 2021 में विज्ञापन निकाले थे। इसके लिए 375 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाना था, लेकिन 278 को ही इंटरव्यू के लिए बुलाया गया। इनमें से 7 अनुपस्थित रहे तथा 20 को अयोग्य घोषित किया गया। इस प्रकार 251 का साक्षात्कार पीएससी ने लिया। इसके लिए चयन सूची पीएससी ने जारी कर दी थी। इसके बाद कुछ अभ्यर्थियों ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। जिसके बाद अब पीएससी ने चयन व अनुपूरक सूची जारी की है।

प्रणय बुरड जेसीज के सर्वोच कमल पत्र से सम्मानित

रायपुर। जेसीआई रायपुर केपिटल ने अवार्ड नाईट का आयोजन के अवसर पर जेसीआई रायपुर कैपिटल के पूर्व अध्यक्ष व रॉयल केपिटल के संस्था इंचार्ज प्रणय बुराड को जेसीज़ के सर्वोच सम्मान कमल पत्र से सम्मानित किया। प्रणय विगत 10 वर्षों से जे सी आई में अपनी सेवा प्रदान कर रहे है। उक्त जानकारी देते हुए अध्यक्ष विक्रम ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रायपुर के सभापति प्रमोद दुबे, प्रमुख वक्ता राजेश अग्रवाल थे। इस कार्यक्रम के लिए अंगुल से विशेष तौर पर जोन अध्यक्ष जेसी अमन शुक्ला पधारे थे।

स्ट्रांग रूम के सामने कार्यकर्ताओं के साथ धरने पर बैठीं लता उसेंडी

■ भाजपा नेताओं ने निर्वाचन पदाधिकारी से की मुलाकात

रायपुर। कोंडागांव में धरने पर बैठीं भाजपा प्रत्याशी लता उसेंडी की आपत्तियों के साथ मतगणना स्थल से जुड़ी समस्याओं को लेकर भाजपा नेता मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से मुलाकात करने पहुंचे। निर्वाचन आयोग पहुंचे भाजपा प्रतिनिधिमंडल में सांसद सुनील सोनी के साथ रायपुर उत्तर प्रत्याशी पुरन्दर मिश्रा और रायपुर ग्रामीण प्रत्याशी मोतीलाल साहू शामिल थे।

मुलाकात के बाद सांसद सुनील सोनी ने मीडिया से चर्चा में कहा कि कोंडागांव में हमारी प्रत्याशी लता उसेंडी धरना में बैठी हैं, जब अभिकर्ता और जिला अध्यक्ष कोंडागांव के अंदर मतगणना स्थल के निरीक्षण में गए थे, उस दौरान जिला अध्यक्ष को रोक दिया गया था। आपत्ति इस बात पर है कि कांग्रेस के तीन लोग वहां कैसे गए, जबकि वे न तो जिला अध्यक्ष थे, न प्रत्याशी और न अभिकर्ता थे। इस बात का जवाब पुलिस प्रशासन ने नहीं दिया।

सांसद ने कहा कि पुलिस-प्रशासन दोहरा मापदंड अपना रही है। इसी बात को लेकर हमारी प्रत्याशी और कार्यकर्ता धरना में बैठे हैं। 3 दिसंबर को मतगणना है। जहां मतगणना होनी है, वहां की बहुत सारी शिकायतें

मिली है। पेन-कैलकुलेटर ले जाने नहीं देने रहे हैं, भोजन के लिए वाहनों को अनुमति नहीं दे रहे हैं, हाल में पहुंचने की भी अनुमति नहीं दे रहे हैं। इन सारी बिंदुओं पर हमने बात की है।

सुनील सोनी ने कहा कि चुनाव आयोग ने हमें आश्वस्त किया है कि 10 मिनट के अंदर कोंडागांव कलेक्टर-एसपी से बात करके इसका निराकरण करेंगी। इसके साथ संबंधित लोगों पर कार्रवाई की जाएगी। हमने जो मांग की है कि पूरे 90 विधानसभा क्षेत्र में ऋ के माध्यम से सभी को पेन-कैलकुलेटर, पेपर सेट ले जाने के साथ भोजन व्यवस्था की अनुमति मिले।

सांसद सोनी ने कहा कि इसके साथ हमने एक गंभीर मांग की है कि पांचवें राउंड तक कन्फ्यूजन का वातावरण ना हो। पहले राउंड कंप्लीट होने के बाद ही दूसरा चालू होता है, उस बीच पहले राउंड का रिजल्ट आ जाए। लेट होने के कारण अनियमितता की गुंजाइश रहती है, गड़बड़ी की आशंका होती है। यह बात हमने सभी दलों के लिए कही है। सहमत होंगे, तो तेजी के साथ काम होगा, कोई आपत्ति नहीं होगी।

मतगणना के लिए भाजपा ने की समुचित व्यवस्था की मांग

भारतीय जनता पार्टी सांसद सुनील सोनी, निर्वाचन आयोग संपर्क समिति के संयोजक डॉ. विजय शंकर मिश्रा, रायपुर उत्तर विधानसभा प्रत्याशी पुरंदर मिश्रा, रायपुर ग्रामीण प्रत्याशी मोतीलाल साहू प्रदेश प्रवक्ता नलिनीश ठोकने ने आज मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर सुव्यवस्थित एवं निष्पक्ष मतगणना के लिए जरूरी आवश्यकताओं की ओर ध्यान आकृष्ट किया। भाजपा प्रतिनिधि मंडल ने कहा कि भाजपा द्वारा नियुक्त मतगणना-अभिकर्ता मतगणना दिवस 3 दिसम्बर को प्रातः 7 बजे से मतगणना स्थलों में उपस्थित हो जायेंगे जिस कारण मतगणना अभिकर्ताओं को मतगणना स्थल में मत-गणना को नोट करने हेतु प्लास्टिक के पेन की आवश्यकता है अतः प्लास्टिक के पेन ले जाने की अनुमति दी जावे। मतगणना स्थल पर मतगणना से प्राप्त वोट की एंट्री के लिए पेपर सीट की आवश्यकता है अतः पेपर सीट ले जाने की अनुमति दी जाए जिसमें कि विधानसभा के सभी बूथ का नंबर ईवीएम मशीन के सीरियल का नंबर हो। भाजपा प्रतिनिधि मंडल ने मांग की कि मतगणना स्थल पर प्राप्त वोटों को जोडऩे के लिए कैलकुलेटर ले जाने की अनुमति प्रदान की जाए। भाजपा के मतगणना अभिकर्ता प्रातः काल 7 बजे से पूर्व मतगणना स्थल पर उपस्थित हो जाएंगे अतः उनके खानपान की व्यवस्था के लिए भाजपा के कुछ सदस्यों को व्यवस्था पास दिया जाए जिससे वह खानपान इत्यादि आवश्यक व्यवस्था के लिए मतगणना स्थल में प्रवेश कर सकें। मतगणना स्थल पर सीसीटीवी लगाये जाने का प्रावधान हैं। मतगणना स्थल के सभी सीसीटीवी निर्बाध कार्य करें यह सुनिश्चित किया जाय।

ईव्हीएम मशीनों के संबंध में भ्रामक समाचार पर रिटर्निंग अधिकारी ने दी तत्थात्मक जानकारी

बीजापुर। कलेक्ट्रेट में ईव्हीएम मशीनों के उपलब्ध होने संबंधित सोसल मीडिया में प्रचारित समाचार के संबंध में बीजापुर विधानसभा के रिर्टनिंग अधिकारी के हस्ताक्षर से जारी प्रेस नोट में बताया गया है कि 28 नवंबर 2023 को जिला कार्यालय परिसर के सभाकक्ष में मतगणना पर्यवेक्षक मतगणना सहायक माइक्रो ऑब्जर्वर तथा एवं रनर सीलिंग दल का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। उक्त प्रशिक्षण हेतु सुरक्षित ईवीएम मशीनों में से कुल 3 नग कंट्रोल यूनिट एवं 3 नग व्हीव्हीपीएटी मशीनों को ट्रेनिंग हेतु सुनिश्चित वेयर हाउस से निकल गया था एवं मतगणना कार्य में संलग्न दलों के प्रशिक्षण पश्चात उक्त ईवीएम मशीनों को पुनः कलेक्टर परिसर में निर्धारित वेयर हाउस में संधारित कर दिया गया।

प्रेस नोट में बताया गया कि रामधर जुर्री के द्वारा प्रशिक्षण हेतु निकाले गए इन्हीं एक मशीनों तथा पिजन हाल ट्रे के वीडियो एवं फोटो लिए गए एवं उन्हें सोशल मीडिया में नकारात्मक रूप से प्रचारित किया गया। प्रसारित समाचार के संबंध में विशेष तथ्य यह है कि मतदान उपरांत संधारित किए गए ईव्हीएम मशीनों के स्ट्रांग रूम कलेक्टर परिसर से लगभग 2 किलोमीटर की दूरी पर सीसीटीवी सतत निगरानी एवं केंद्रीय सुरक्षा बल की अभिरक्षा में स्थित है। मतगणना प्रशिक्षण के लिए निकल गए इव्हीएम

कलेक्टर परिसर के सुनिश्चित वेयर हाउस से निकल गए हैं। प्रशिक्षण जिला कार्यालय के सभा कक्ष में दिया गया है, समस्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं अभयर्थी गणो को प्रशिक्षण एवं प्रचार प्रसार हेतु निर्धारित ईवीएम मशीनों की सूची पूर्व से ही उपलब्ध करा दी गई है एवं कलेक्टर परिसर में प्रशिक्षण दौरान पाए गए ईव्हीएम मशीनों में स्पष्ट रूप से ट्रेनिंग एवं अवेयरनेस का स्टीकर लगा हुआ है अतिरिक्त प्रचारित समाचार आधार हीन उसमें उल्लेखित फोटो एवं वीडियो भ्रामक है।

उन्होने बताया कि 28 नवंबर 2023 को मतगणना प्रशिक्षण कार्य हेतु जिला कार्यालय में उपलब्ध उक्त ईवीएम मशीनों के वीडियो एवं फोटोग्राफ्स जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के प्रत्याशी रामधर जुर्री के द्वारा ले लिया गया। रामधर जुर्री के द्वारा पूछे जाने पर उनको जानकारी दी गई की उक्त ईवीएम मशीने, प्रशिक्षण एवं प्रचार-प्रसार हेतु सुरक्षित ईवीएम मशीनों में से है एवं उनका उपयोग मतगणना कार्य में संलग्न दलों के प्रशिक्षण हेतु किया जा रहा है। प्रशिक्षण एवं व्यापक प्रचार प्रसार हेतु निकले गए ईवीएम मशीनों की सूची इस कार्यालय द्वारा पूर्व में ही समस्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई गई जिसके अभी स्वीकृति प्राप्ति में जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के प्रतिनिधि श्री गुलशन भंडारी के हस्ताक्षर है।

8 अगस्त 2023 के पृष्ठ क्रमांक 27 एवं 28 कंडिका क्रमांक 5.6(सी) अनुसार ट्रेनिंग एवं वेयरहाउस हेतु निर्धारित मशीनों को वेयरहाउस से निकलने के लिए राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को पूर्व सूचना देखने की आवश्यकता नहीं होती कार्यालय कलेक्टर निर्वाचन शाखा के भंडार कक्ष में प्राप्त भाजपा के कमल के निशान एवं कांग्रेस के हाथ के निशान के चिन्ह कतरने मतगणना कार्य में संलग्न दलों को डाक मतपत्र एवं लिफाफे गुलाबी रंग के हैं जबकि प्रचारित फोटो एवं वीडियो में भूरे तथा सफेद रंग के कागजों को दिखाया गया है, जिससे स्पष्ट है कि ये कतरने डाक मत पत्र ज़े कटे फटे टुकड़े ना होकर व्हीव्हीपीएटी के पर्चियों की गणना के लिए आवश्यक तैयार किया जा रहे है। पिजन हाल हेतु प्रतीक चिन्ह के फोटो हैं, फोटो में जो स्टील की पेटियां दिखाई गई है वह स्टील पेटियां मत पेटी ना होकर जिला निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय की स्टील पेटियां हैं।

भाजपा को सता रहा हार का डर, कांग्रेस के पक्ष में आएगा परिणाम

धान खरीदी की स्पीड 3 के बाद बढ़ जाएगी : भगत

रायपुर। तीन दिसंबर को छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के नतीजे आ जाएंगे। इसको लेकर मंत्री अमरजीत भगत ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इंतजार का दौर समाप्त हो रहा है। अब हम करीब आ गए हैं। विश्वास है कि सुखद परिणाम आएगा।

भाजपा को ऑपरेशन लोटस का डर हैं, इस सवाल पर मंत्री भगत ने कहा कि ऑपरेशन लोटस बकवास हैं। चोर की दाढ़ी के तिनका कहावत भाजपा के ऊपर फिट होता है। जीती हुई सरकार को बदलने वालों को ऐसी बात शोभा नहीं देती। कांग्रेस कभी ऐसे कृत्य नहीं करती।

सांसद सुनील सोनी गड़बड़ी की आशंका को लेकर निर्वाचन आयोग जाएंगे, इस पर अमरजीत भगत बोले, सुनील सोनी को हारने का डर सता रहा है। हारने के बाद बहाना क्या रहेगा उसकी तैयारी कर रहे हैं। समाचार छन के आ रहा है, लोग खुद कह रहे कांग्रेस का समर्थन किया है। भाजपा के लोग बहाना ढूंढ रहे हैं, पराजय के बाद बोलने के लिए।

भाजपा के सीनियर लीडर मतगणना के पहले छत्तीसगढ़ आ रहे हैं पर मंत्री भगत ने कहा, सभी नेताओं को 3 के बाद ढूंढते रह जाओगे, पाओगे नहीं, जो जहां से आया वपास लौट जाएगा। चुनावी मेला के लिए आये थे। अब मेला का ठेला खत्म हो रहा है।

आज शाम आएगा एग्जिट पोल, इस पर अमरजीत भगत ने कहा कि, हम किसी पूर्वानुमान पर भरोसा नहीं करते। हमें विश्वास हैं लोगों की मदद किये हैं, आदिवासी क्षेत्रों में काम किया, किसानों के लिए काम किया, उसका आशीर्वाद हमें मिलेगा।

धान खरीदी की गति धीमी होने पर भगत बोले, धान खरीदी की स्पीड 3 के बाद बढ़ जाएगी। सत्ता शील सरकार आने के बाद धान की सबसे ज्यादा कीमत मिलेगी। इसलिए किसान अभी नहीं बेच रहे हम धान तेजी से खरीदेंगे।

90 प्रेक्षकों की निगरानी में होगी वोटों की गिनती

■ विधानसभा सीटों पर मतगणना की तैयारियां पूरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में दो चरणों में सात और 17 नवंबर हुई वोटिंग के बाद अब रिजल्ट के लिए तीन दिसंबर का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। निर्वाचन आयोग ने इसके लिए 33 जिला मुख्यालयों में 90 सीटों की काउंटिंग के लिए पूरी तैयारी पूरी कर ली है। इसी कड़ी में निर्वाचन आयोग ने सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों में प्रेक्षकों की कि नियुक्ति की है जो कि मतगणना के दौरान मतगणना प्रक्रिया का अवलोकन करेंगे।

जानकरी के मुताबिक निर्वाचन आयोग ने कड़ी सुरक्षा के बीच काउंटिंग कराने का दावा किया है। वोटों की गिनती के दौरान बिना प्राधिकार पत्र के किसी भी व्यक्ति को मतगणना कक्ष में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। वोटों की गिनती सुबह सुबह 8 बजे से शुरू हो जाएगी। इस दौरान निर्वाचन आयोग की द्वारा नियुक्त इन प्रेक्षकों की उपस्तिथि में ही मतगणना परिणाम प्रत्येक चरण के बाद आयोग के सॉफ्टवेयर से अपडेट किए जायेंगे।

मतगणना के दौरान सबसे पहले ईटीपीबीएस (इलेक्ट्रानिकली ट्रांसमिटेड पोस्टल बैलैट सिस्टम) से प्राप्त मतों के क्यूआर कोड की स्कैनिंग होगी, जो प्रेक्षकों की निगरानी में की जाएगी। मतगणना के दौरान प्रेक्षक किसी भी टेबल पर जाकर मतगणना का निरीक्षण कर सकेंगे। प्रेक्षकों के साथ निर्वाचन के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक भी मतगणना प्रक्रिया पर नजर रखेंगे।

प्रेक्षक की उपस्थिति में हर राउंड की समाप्ति पर प्रत्याशी अथवा उनके अभिकर्ता के समक्ष रेंडम आधार पर किसी दो कंट्रोल यूनिट की जांच की जाएगी। इसके अलावा सभी चक्रों (राउंड) के पूर्ण होने पर पांच वोटर वेरिफाएबल पेपर आडिट ट्रेल (व्हीव्हीपेट) का ड्रॉ के माध्यम से चयन कर मतों का सत्यापन किया जाएगा। निर्वाचन आयोग के अलावा राजनीतिक पार्टियां भी 3 दिसंबर को होने वाली मतगणना लिए अपने कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित कर रही है। आज कांग्रेस के मतगणना अभिकर्ता कार्यक्रम का अंतिम दिन है। कांग्रेस राज्य के सभी 33 जिला मुख्यालयों में मतगणना अभिकर्ताओं को प्रशिक्षण दे रही है, इसके लिए बकायदा प्रदेश के मास्टर ट्रेनरों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कृषि विवि को मिला देश का सर्वश्रेष्ठ केन्द्र का पुरस्कार

रायपुर। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा संचालित मुल्लार्प परियोजना के तहत इंदिरा गांधी कृषि विश्वाविद्यालय रायपुर केन्द्र को देश के सर्वश्रेष्ठ केंद्र का पुरस्कार प्राप्त हुआ है. कृषि विश्वद्यालय के कुलपति डा गिरीश चंदेल ने परियोजना से जुड़े सभी कृषि वैज्ञानिकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा वर्ष 1995 से इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में मूल्लार्प परियोजना संचालित की जा रही है। इस परियोजना के अंतर्गत छः दलहनी फसलों जैसे- मूंग, उड़द, मसूर, तिवड़ा, राजमा एवं मटर पर अनुसंधान एवं विस्तार कार्य किया जा रहा है, जिसके फलस्वरूप राज्य में दलहनी फसलों की उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि हुई है। इस परियोजना के अंतर्गत अब तक ग्यारह किस्मों का विकास किया गया है जिसमें मूंग-2, उड़द-1, मसूर-1, तिवड़ा-2, मटर-4 एवं लोबिया-1 प्रमुख है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के समीक्षा दल द्वारा पूरे देश में दलहनी फसलों के अनुसंधान पर पंचवर्षीय समीक्षा (2016-2020) की गई तथा मूल्यांकन किया गया है। जिसमें मूल्यांकन के आधार पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर की मूल्लार्प परियोजना को देश में सर्वश्रेष्ठ केन्द्रों की श्रेणी में चयनित किया है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर की मूल्लार्प परियोजना के द्वारा गत पांच वर्षो में दलहनी फसलों की कुल तीन किस्में (उड़द की इंदिरा उड़द प्रथम, मटर की इंदिरा मटर-1 एवं मसूर की छ.ग. मसूर-1) विकसित की गई है। साथ ही कुल 23 सस्य तकनीकों का विकास किया गया है। इसके अलावा मूंग, उड़द, मटर, तिवड़ा एवं मसूर फसलों की लगभग 750 क्विंटल प्रजनक बीज का उत्पादन किया गया। कृषकों के प्रक्षेत्र पर उन्नत तकनीकी के अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन किये गये, जिसमें प्रदेश के कृषक लाभान्वित हुए है। कृषकों को दलहनी फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीकी का भी प्रशिक्षण दिया गया।

रायपुर में आज भारत और ऑस्ट्रेलिया का मैच, जारी हुआ रूट चार्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी 20 मैच खेला जाएगा। यह मैच कल एक दिसंबर को खेला जाएगा। बीते दिनों बुधवार को दोनों टीमें रायपुर पहुंच चुकी है। आज दोपहर में अभ्यास करने के लिए खिलाड़ी क्रिकेट स्टेडियम में पहुंचेंगे। रायपुर मरण होने वाले इस टी 20 मैच को देखने के लिए प्रदेशभर के अलग-अलग जिलों से क्रिकेट प्रेमी आएंगे। इसके लिए रूट चार्ट जारी कर दिया गया है

शुक्रवार को होने वाले क्रिकेट मैच के लिए रायपुर यातायात पुलिस ने ट्राफिक सुरक्षा को देखते हुए दो पहिया और चार पहिया वाहनों के लिए रूट प्लान और पार्किंग प्लान जारी किया है। प्रदेश के चारों दिशाओं से क्रिकेट प्रेमी मैच देखने के लिए आएंगे। इसके लिए हर दिशाओं से आने वाले फैंस के लिए अलग-अलग रूट प्लान जरी किया गया है।

रायपुर शहर से होकर क्रिकेट स्टेडियम जाने का रास्ता

रायपुर के क्रिकेट फैंस शहर से होकर क्रिकेट स्टेडियम पहुंचने के लिए तेलीबांधा थाना तिराहा

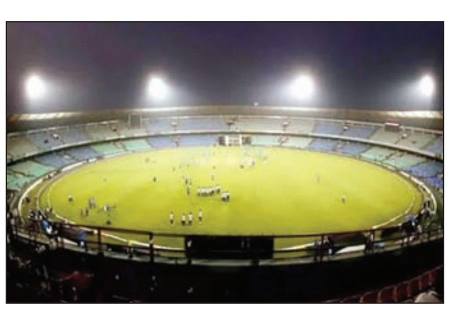

नेशनल हाइवे 53 से होकर सेरीखेड़ी ओवरब्रिज से नया रायपुर मार्ग होते हुए स्टेडियम तिराहा से सांई अस्पताल रोड होकर सांई अस्पताल पार्किंग और सेंध तालाब गाड़ी को पार्क करना होगा। इसके बाद यहां से पैदल स्टेडियम जाना होगा।

बिलासपुर-सिमगा से स्टेडियम का रास्ता

बिलासपुर-रायपुर मार्ग से होकर धनेली नाला से रिंग रोड नंबर-3 से होकर विधानसभा चौक जाना होगा। इसके बाद यहां से राजू ढाबा रिंग रोड नंबर-3 जंक्शन से होकर नेशनल हाइवे क्रमांक 53 से मंदिर हसौद होकर नवागांव से स्टेडियम टर्निंग से स्टेडियम के पूर्व दिशा में परसदा पार्किंग और कोसा पार्किंग में गाड़ी पार्किंग करना होगा। इसके बाद यहाँ से पैदल स्टेडियम पहुचेंगे।

बलौदाबाजार-खरोरा से स्टेडियम का रास्ता

बलौदा बाजार-खरोरा मार्ग से होकर स्टेडियम आने वाले दर्शक बलौदाबाजार-रायपुर मार्ग में विधानसभा ओवरब्रिज चौक से रिंग रोड नंबर 3 होकर विधानसभा चौक पहुंचकर राजू ढाबा रिंग रोड नंबर 3 जंक्शन होकर नेशनल हाइवे क्रमांक 53 से मंदिर हसौद होकर नवागांव से स्टेडियम टर्निंग से पूर्व दिशा में परसदा पार्किंग और कोसा पार्किंग गाड़ी पार्क कर पैदल स्टेडियम पहुचेंगे।

धमतरी से स्टेडियम का रास्ता

धमतरी-जगदलपुर की ओर से आने वाले दर्शक अभनपुर से केंद्री, उपरवारा, मंत्रायल चौक, कोटराभाठा, सेंध तालाब होकर सांई अस्पताल पार्किंग और सेंध तालाब पार्किंग में गाड़ी पार्क कर स्टेडियम पैदल पहुंचेंगे।

दुर्ग-राजनांदगांव से जाने का रास्ता

दुर्ग और राजनांदगांव की ओर से आने वाले दर्शक टाटीबांध से रिंग रोड से होकर पचपेढ़ीनाका-लालपुर-माना-तूता से नया रायपुर मार्ग होकर सत्यसांई अस्पताल पार्किंग और सेंध तालाब पार्किंग में गाड़ी पार्क कर स्टेडियम पैदल पहुंचेंगे।

महासमुंद-सरायपाली से स्टेडियम का रास्ता

महासमुंद-सरायपाली की ओर से आने वाले दर्शकों के लिए आरंग से सीधे स्टेडियम टर्निंग से पूर्व दिशा में परसदा पार्किंग और कोसा पार्किंग में गाड़ी पार्क कर स्टेडियम पैदल पहुंचेंगे।

पासधारी वाहन जिन्हें पार्किंग ए,बी,सी,डी,ई और रिजर्व का पास जारी हुआ है। वे सेरीखेड़ी ओवरब्रिज होकर नया रायपुर मार्ग से स्टेडियम टर्निंग, डॉ खूबचंद बघेल चौक, कयाबांधा चौक (सेक्टर 15/21) कोटराभांठा चौक (सेक्टर-17/20) से ग्राम सेंध सेक्टर-04/10 से होकर स्टेडियम पार्किंग ए,बी,सी,डी,ई और रिजर्व में गाड़ी पार्क करेंगे।

मध्यम और भारी माल वाहनों का आवागमन प्रतिबंध

दिनांक 01.12.2023 को भारत बनाम आस्ट्रेलिया टी-20 क्रिकेट मैच आयोजन के दौरान सुगम सुरक्षित यातायात व्यवस्था हेतु नया रायपुर के सभी प्रवेश मार्गो पर मध्यम/भारी मालवाहक वाहनों का प्रवेश शाम चार बजे से रात 12 बजे तक पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। असुविधा से बचने हेतु इस मार्ग स्थान पर वैकल्पिक मार्गो का प्रयोग कर सकते है।

क्रिकेट मैच के टिकटों का कालाबाजारी 13 टिकट के साथ चार गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर के हीद वीरनारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में एक दिसंबर को होने वाले भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच के टिकटों की कालाबाजारी का मामला सामने आया है। कम दाम के टिकट को ज्यादा पैसे में बेच रहे थे। स्टूडेंट्स को मिल रहा एक हजार के टिकट को ज्यादा पैसे में बेच रहे थे। मामले का शिकायत कोतवाली थाना पुलिस को मिला। इसके बाद पुलिस ने 13 टिकट के साथ चार लोगों पर कार्रवाई किया गया है।

मैच की टिकट का कालाबाजारी के मामला सांब आने के बाद एसएसपी प्रशांत अग्रवाल ने सभी राजपत्रित अधिकारी और थाना प्रभारियों को समेत एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट को अवैध टिकट बिक्री पर कार्रवाई करने का निर्देश दिए। इस पर एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट ने कोतवाली थाना क्षेत्र में छानबीन करने लगे। इस दौरान पुलिस को उसी इलाके में टिकट का कालाबाजारी करने वाले आरोपियों का पता चला।

इसके बाद पुलिस ने टिकटों की कालाबाजारी करते तुलसी बाराडेरा, मंदिर हसौद निवासी अनिल जांगड़े, आकाश कुमार धीवर, सिविल लाइन निवासी बबलू नायक और आशीष मिश्रा को पकड़कर उनके कब्जे से 13 नग टिकट जब्त किया गया। उनके खिलाफ थाना में कानूनी कार्रवाई किया गया है। रायपुर पुलिस ने टिकटों की कालाबाजारी करने वालों पर पैनी नजर रखीं जा रहीं है, टिकटों की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सिलक्यारा सुरंग की घटना से सबक

ललित गर्ग

दृढ़ इच्छाशक्ति, लगन, उम्मीद, सकारात्मकता और हौसले की ताकत ने मिलकर आखिर प्रकृति के साथ लड़ी 17 दिन की जंग में जिन्दगी को विजयी बना दिया। सिलक्यारा सुरंग में आठ राज्यों के 41 मजदूरों को सकुशल जिन्दा निकाल लेने के 400 घंटों तक चले संघर्ष में जीत इंसान के चट्टानी हौसले के नाम दर्ज हुई। उत्तरकाशी टनल में फंसे इन सभी मजदूरों को जब मंगलवार रात सुरक्षित निकाला गया, तो देश ने राहत की सांस ली और दीपावली मनाई। यह बचाव अभियान प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय बना है। जिसमें विज्ञान में विश्वास एवं आस्था ने मनोबल दिया। दीपावली के दिन से टनल में फंसे मजदूरों का सुरक्षित बाहर आना किसी चमत्कार से कम नहीं माना जा सकता। बचाव अभियान में हर मोड़ पर आती बाधाओं से बार-बार निराशा एवं नाउम्मीदी के बादल छाए जरूर, लेकिन बचाव दल के अथक प्रयास आखिर में रंग ले ही आए। बजाव कार्य में जुटे जाम्बाज राहत कर्मियों का भरोसा, केन्द्र एवं राज्य सरकार की पूरी ताकत एवं पूरे देश की प्रार्थनाओं का ही असर था जो डर, निराशा और दुश्चिंताओं को दूर करने का हौसला बराबर देता रहा। 17 दिन तक संकटकालीन स्थितियों में मजदूरों को जीवित रखने की चुनौती वाकई बहुत बड़ी थी, जिस पर पूरी दुनिया की नजरें लगी थीं। मजदूरों तक ऑक्सीजन और भोजन पानी पहुंचाना भी आसान नहीं था। तरह-तरह की बाधाओं एवं तकलीफों के बीच जिन्दगी बचाने की मुहिम निश्चित ही एक रोशनी बनी। इसमें सुरंग में फंसे मजबूरों ने जहां हर तरह से जिजीविषा एवं बहादूरी का परिचय दिया, वहीं बचाव कार्य में जुटे वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों, तकनीकी जानकारों एवं कर्मियों ने दिन-रात एक करके एक उदाहरण प्रस्तुत किया। यह बचाव अभियान एवं इसकी सफलता ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय उदाहरण बनकर प्रस्तुत हुआ है। दुविधा एवं मौत की सुरंग में कैद हुए मजदूरों को संकट से आजादी मिली, लेकिन सिलक्यारा की इस घटना ने अनेक सवाल भी खड़े किए हैं। सवाल यह है कि एक प्लान के विफल होने पर दूसरा और आगे के विफल होने पर ही तीसरा, चौथा, पांचवां प्लान क्यों बना? क्या पांच प्लान पहले ही तैयार नहीं हो सकते थे? बीते दो दशकों में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क-क्रांति ने विकास की नई इबारत लिखी है, चारधाम सड़क परियोजना, पहाड़ी क्षेत्रों एवं दुर्गम्य स्थलों में भी यातायात सुगम करने के लिए पहाड़ खोदकर टनल बनाए जा रहे हैं, जिनमें दुर्घटनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता। प्रश्न है कि संभावित दुर्घटनाओं से बचने के आवश्यक उपकरण क्यों नहीं जुटाये गये? मलबा हटाने के लिए अमेरिका से क्यों मशीन मंगवानी पड़ी, भारत में ऐसी मशीनों की उपलब्धता क्यों नहीं है? ऐसी विपत्तियों एवं संकटों से उबरने की हमारी तैयारी आत्म-निर्भर एवं स्वावलम्बी क्यों नहीं बनायी जाती? क्यों नहीं अपने देश में जगह-जगह बढ़ती सुरंग परियोजना को देखते हुए एक ऐसे राष्ट्रीय संस्थान खड़ा किया जाता जो बिना भ्रष्टाचार एवं कोताही में लिप्त हुए निर्माणाधीन परियोजनाओं का हर वर्ष तकनीकी ऑडिट करे, जैसा कि सरकारी संस्थानों में वित्तीय ऑडिट होता है। तब हम ऐसे हादसों को रोक पाएंगे। हिमालय जैसे पहाड़ी क्षेत्रों में ऐसी बड़ी सड़क परियोजनाओं एवं अन्य निर्माण कार्यों की इजाजत देने से पहले उस पर व्यापक मंथन-अनुसंधान-जांच एवं शोध की अपेक्षा है। किस तरह के निर्माण कार्यों की इजाजत दी जाए और किस तरह के काम को नहीं, यह भी समझना एवं एक रोडमैप बनाना होगा। पर्यावरणविद और भूविज्ञानी ऐसे निर्माण कार्यों को पर्यावरण के लिये गंभीर खतरा मानते रहे हैं, ऐसे लोग लंबे समय से कहते आ रहे हैं कि हिमालय एक कच्चा पहाड़ है, वहां बड़ी परियोजनाओं को अनुमति देने से पहले सब तरह की जांच कर लेनी चाहिए। संभावित खतरों पर संवेदनशीलता से चिन्तन करना चाहिए। उत्तरकाशी के सिलक्यारा में बन रही सुरंग में भी यह बात सामने आई है कि इस जगह के आसपास दो स्थानीय फॉल्टों की उत्तर से दक्षिण तक कटान है। क्या इस सुरंग को बनाने से पहले इसका अध्ययन नहीं किया गया था? बचाव कार्य के लिए यहां आए विदेशी सुरंग विशेषज्ञों ने शेयर जोन की बात कही। शेयर जोन उसे कहते हैं, जिसके आसपास से दो नदियां एक-दूसरे को क्रॉस करती हैं। भूकंप जोन होने से भी ऐसे इलाकों में भू-धंसान की समस्या आती है। खुदाई करने वाले कई मजदूरों ने भी इस बात को रेखांकित किया एवं चेताया कि सुरंग से बार-बार धसकते मलबे की समस्या है, मगर उस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया।

जी-20 : कई देशों को मिली आवाज

नरेन्द्र मोदी

भारत द्वारा जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण करने के आज 365 दिन पूरे हो गए हैं। यह 'वसुधैव कुटुंबकम', 'वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर' की भावना को प्रतिबिंबित करने, इसके लिए पुन: प्रतिबद्ध होने और इसे जीवंत बनाने का क्षण है। जब पिछले वर्ष भारत को यह जिम्मेदारी मिली थी, तब विश्व विभिन्न चुनौतियों से जूझ रहा था। कोविड-19 महामारी से उबरने का प्रयास, बढ़ते जलवायु खतरे, वित्तीय अस्थिरता और विकासशील देशों में ऋण संकट जैसी चुनौतियां दुनिया के सामने थीं। इसके अलावा कमजोर होता मल्टीलैटरलिज्म यानी बहुपक्षवाद इन चुनौतियों को और गंभीर बना रहा था। बढ़ते हुए संघर्ष और प्रतिस्पर्धा के बीच, विभिन्न देशों में परस्पर सहयोग की भावना में कमी आई और इसका प्रभाव वैश्विक प्रगति पर पड़ा।

जी-20 का अध्यक्ष बनने के बाद भारत ने दुनिया के सामने जीडीपी केंद्रित सोच से आगे बढ़कर मानव-केंद्रित प्रगति का विजन प्रस्तुत किया। भारत ने दुनिया को यह याद दिलाने प्रयास किया कि कौन सी चीजें हमें जोड़ती हैं। हमारा फोकस इस बात पर नहीं था कि कौन सी चीजें हमें विभाजित करती हैं। अंतत: भारत के इन प्रयासों का परिणाम आया। वैश्विक संवाद आगे बढ़ा और कुछ देशों के सीमित हितों के ऊपर कई देशों की आकांक्षाओं को महत्व दिया गया। जैसा कि हम जानते हैं, इसके लिए बहुपक्षवाद में मूलभूत सुधार की आवश्यकता थी।

समावेशी, महत्वाकांक्षी, कार्रवाई-उन्मुख और निर्णायक- ये चार शब्द जी-20 के अध्यक्ष के रूप में भारत के दृष्टिकोण को परिभाषित करते हैं। नई दिल्ली लीडर्स डिक्लेरेशन, जिसे सभी जी-20 सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से अपनाया गया है, इन सिद्धांतों पर कार्य करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। समावेश की भावना हमारी अध्यक्षता के केंद्र में रही है। जी-20 के स्थायी सदस्य के रूप में अफ्रीकी संघ (एयू) को शामिल करने से 55 अफ्रीकी देशों को इस समूह में जगह मिली है, जिससे इसका विस्तार वैश्विक आबादी के 80 फीसदी तक पहुंच गया है। इस सक्रिय कदम से वैश्विक चुनौतियों और अवसरों पर जी-20 में विस्तार से बातचीत को बढ़ावा मिला है। भारत द्वारा अपनी तरह की पहली बैठक 'वॉयस ऑफ द ग्लोबल साउथ समिट' ने बहुपक्षवाद की एक नई शुरुआत की। इस बैठक के दो संस्करणों में भारत अंतरराष्ट्रीय विमर्श में ग्लोबल साउथ के देशों की चिंताओं को मुख्यधारा में लाने में सफल रहा। इससे एक ऐसा युग शुरू हुआ है, जहां विकासशील देशों को ग्लोबल नैरेटिव की दिशा तय करने का उचित अवसर मिलेगा।

समावेशिता की वजह से ही जी-20 में भारत के घरेलू दृष्टिकोण का भी प्रभाव दिखा। इस आयोजन ने लोक अध्यक्षता का स्वरूप ले लिया, जो दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने की दृष्टि से बिल्कुल सही था। 'जनभागीदारी' कार्यक्रमों के जरिए जी-20, 1.4 बिलियन नागरिकों तक पहुंचा और इस प्रक्रिया में सभी राज्यों एवं केंद्र-शासित प्रदेशों को भागीदार के रूप में शामिल किया गया। भारत ने यह सुनिश्चित किया कि मुख्य विषयों पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान जी-20 के दायित्वों के अनुरूप विकास के व्यापक लक्ष्यों की ओर हो। 2030 के एजेंडे को ध्यान में रखते हुए भारत ने सतत विकास लक्ष्य में तेजी लाने के लिए जी-20 का 2023 एक्शन प्लान पेश किया। इसके लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, लैंगिक समानता, पर्यावरणीय स्थिरता सहित परस्पर जुड़े मुद्दों पर एक व्यापक एक्शन ओरिएंटेड दृष्टिकोण अपनाया गया। इस प्रगति को संचालित करने वाला एक प्रमुख क्षेत्र मजबूत डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) है। इस मामले में आधार, यूपीआई और डिजिलॉकर जैसे डिजिटल इनोवेशन के क्रांतिकारी प्रभाव को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव करने वाले भारत ने निर्णायक सिफारिशें दीं। जी-20 के जरिए हमने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर रिपॉजिटरी को सफलतापूर्वक पूरा किया, जो वैश्विक तकनीकी सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति है। कुल 16 देशों के 50 से अधिक डीपीआई को शामिल करने वाली यह रिपॉजिटरी, समावेशी विकास की शक्ति का लाभ उठाने के लिए ग्लोबल साउथ को डीपीआई का निर्माण करने, उसे अपनाने और व्यापक बनाने में मदद करेगी।

वन अर्थ की भावना के तहत, हमने तात्कालिक, स्थायी और न्यायसंगत बदलाव लाने के महत्वाकांक्षी एवं समावेशी लक्ष्य पेश किए। घोषणा का 'ग्रीन डिवेलपमेंट पैक्ट' एक व्यापक रोडमैप की रूपरेखा तैयार करके भुखमरी से निपटने और पृथ्वी की रक्षा के बीच चुनाव करने की चुनौतियों का समाधान करता है। इस रोडमैप में रोजगार और इकोसिस्टम एक-दूसरे के पूरक हैं, उपभोग जलवायु परिवर्तन के प्रति सचेत है और उत्पादन पृथ्वी के अनुकूल है। साथ ही, जी-20 घोषणा में 2030 तक रिन्यूबल एनर्जी की वैश्विक क्षमता को तीन गुना करने का महत्वाकांक्षी आह्वान किया गया है। ग्लोबल बायोफ्यूल्स अलायंस की स्थापना और ग्रीन हाइड्रोजन को अपनाने की दिशा में एक ठोस प्रयास के साथ एक स्वच्छ एवं हरित दुनिया बनाने संबंधी जी-20 की महत्वाकांक्षाएं निर्विवाद हैं। यह हमेशा से भारत का मूल्य रहा है और सतत विकास के लिए जीवनशैली के माध्यम से दुनिया हमारी सदियों पुरानी परंपराओं से लाभान्वित हो सकती है।

इसके अलावा घोषणापत्र में जलवायु न्याय और समानता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया है, जिसके लिए ग्लोबल नॉर्थ से पर्याप्त वित्तीय और तकनीकी सहायता देने का अनुरोध किया गया है। पहली बार विकास के वित्तपोषण से जुड़ी कुल राशि में भारी बढ़ोतरी की जरूरत को स्वीकार किया गया, जो अरबों से बढ़कर खरबों डॉलर हो गई है। जी-20 ने यह माना कि विकासशील देशों को 2030 तक अपने 'राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान' को पूरा करने के लिए 5.9 ट्रिलियन डॉलर की आवश्यकता है। इतने ज्यादा संसाधन की आवश्यकता को देखते हुए जी-20 ने बेहतर, ज्यादा बड़े और अधिक प्रभावकारी मल्टीलैटरल डिवेलपमेंट बैंक के महत्व पर विशेष जोर दिया। इसके साथ-साथ भारत यूएन में सुधारों को लागू करने, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद जैसे प्रमुख संस्थानों के पुनर्गठन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, जिससे और भी अधिक न्यायसंगत वैश्विक व्यवस्था सुनिश्चित होगी।

नई दिल्ली घोषणापत्र में महिला-पुरुष समानता को केंद्र में रखा गया, जिसकी परिणति अगले वर्ष महिलाओं के सशक्तिकरण पर एक विशेष वर्किंग ग्रुप के गठन के रूप में होगी। भारत का महिला आरक्षण विधेयक 2023, जिसमें लोकसभा और राज्य विधानसभा की एक तिहाई सीटों को महिलाओं के लिए आरक्षित किया गया है, महिलाओं के नेतृत्व में विकास के प्रति हमारी वचनबद्धता का प्रतीक है। नई दिल्ली घोषणापत्र इन प्रमुख प्राथमिकताओं में सहयोग सुनिश्चित करने की एक नई भावना का प्रतीक है, जो नीतिगत स्पष्टता, विश्वसनीय व्यापार और महत्वाकांक्षी जलवायु कार्रवाई पर केंद्रित है। यह बड़े गर्व की बात है कि हमारी अध्यक्षता के दौरान जी-20 ने 87 परिणाम हासिल किए और 118 दस्तावेज अपनाए, जो अतीत की तुलना में उल्लेखनीय रूप से काफी अधिक है। जी-20 की हमारी अध्यक्षता के दौरान भारत ने जियो-पॉलिटिकल मुद्दों और आर्थिक प्रगति एवं विकास पर उनके प्रभावों पर व्यापक विचार-विमर्श की अगुआई की। आतंकवाद और नागरिकों की हत्या पूरी तरह से अस्वीकार्य है, और हमें जीरो-टॉलरेंस की नीति अपनाकर इससे निपटना चाहिए। हमें शत्रुता से परे जाकर मानवतावाद को अपनाना होगा और यह दोहराना होगा कि यह युद्ध का युग नहीं है।

मुझे अत्यंत खुशी है कि हमारी अध्यक्षता के दौरान भारत ने असाधारण उपलब्धियां हासिल कीं। इसने बहुपक्षवाद में नई जान फूंकी, ग्लोबल साउथ की आवाज बुलंद की, विकास की हिमायत की, और हर जगह महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए लड़ाई लड़ी। अब जबकि हम जी-20 की अध्यक्षता ब्राजील को सौंप रहे हैं, तो हम इस विश्वास के साथ ऐसा कर रहे हैं कि समस्?त लोगों, धरती, शांति और समृद्धि के लिए हमारे सामूहिक कदमों की गूंज आने वाले वर्षों में निरंतर सुनाई देती रहेगी।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

यागचूडामण्युपनिषद्

यह उपनिषद् सामवेदीय परम्परा से सम्बद्ध है। योग साधना द्वारा आत्मशक्ति जागरण की प्रक्रिया का इसमें समग्र मार्गदर्शन है। सर्वप्रथम योग के छ: अंगों (आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि) का उल्लेख हुआ है। तदुपरान्त योग की सिद्धि के लिए आवश्यक देहतत्त्व का ज्ञान, मूलाधार आदि चक्रों का ज्ञान, योनिस्थान (कुण्डलिनी) में परम ज्योति के दर्शन, नाड़ीचक्र, नाड़ी स्थान, नाड़ियों में संचरित प्राणवायु और उनकी क्रियाएँ, प्राणों के साथ जीव की गतिमयता, अजपा गायत्री का अनुसन्धान, कुण्डलिनी द्वारा मोक्ष द्वार का भेदन, तीन बन्ध (मूलबन्ध, जालन्धरबन्ध तथा उड्डियानबन्ध), खेचरी मुद्रा, वज्रोली आदि (विशेष योगसाधना) के लक्षण, महामुद्रा का स्वरूप, प्रणव (कार) जप की विशेष प्रक्रिया, प्रणव एवं ब्रह्म की एकरूपता, प्रणव (?) के अवयव (अ, उ, म) का अर्थ, तुरीयोङ्कार द्वारा अग्रब्रह्म की साधना, प्रणव एवं हंस साधना, कैवल्यबोध- आत्मज्ञान का प्रकाशक प्रणव जप, प्रणव मन्त्रानुष्ठान के साधक के लिए प्राणजय आवश्यक, नाडीशुद्धि से प्राणायामसिद्धि, मात्रा नियमपूर्वक प्राणायाम, योगांगों में से प्रत्येक के अलग-अलग फल और उनकी तारतम्यता, मुखी मुद्रा के अभ्यास से नादाभिव्यक्ति, प्राणायाम का अभ्यास, सर्वरोग निवारक, प्राण के निरोधाभ्यास में इन्द्रियों का प्रत्याहार आवश्यक इत्यादि अनेकविध विषयों का बड़ा विशद विवेचन प्रस्तुत किया गया है। नि:सन्देह इस उपनिषद् के अनुसार साधना करने वाला व्यक्ति योग के क्षेत्र में चूड़ामणि (मुकुट) स्तर का बन सकता है। योगपरक उपनिषदों में इस चूड़ामणि उपनिषद् का बड़ा महत्त्वपूर्ण स्थान है। योग चूड़ामणि उपनिषद् को योगियों के हित की कामना से वर्णन करता हूँ, जो योगवेत्ताओं के द्वारा सेवन किया जाने वाला परम गूढ़ तथा कैवल्य (मोक्ष) सिद्धि देने वाला है। **क्रमश: ...**

विश्व एड्स दिवस

सूर्या मिश्रा

हर साल दिसम्बर का पहला दिन एड्स दिवस के रूप में मनाया जाता है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनियाभर में 37.9 लोग एड्स जैसी भयावह बीमारी से पीड़ित हैं। एड्स दिवस का आयोजन लोगों को इस खतरनाक बीमारी से जागरूक रखने के लिए किया जाता है। भारत में भी इस बीमारी से बहुत से लोग संक्रमित हैं। हमारे देश में एड्स के कुल मरीजों की संख्या करीब 2.35 मिलियन है। एड्स दिवस के माध्यम से यह सन्देश दिया जाता है कि एड्स के मरीजों का सामाजिक बहिष्कार नहीं होना चाहिए बल्कि उनकी सहायता की जानी चाहिए।

एड्स के मरीजों की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर हो जाती है, जिससे यह वायरस आसानी से शरीर में फैलने लगता है। यदि शुरुआती स्टेज में इसका इलाज ना किया जाए, तो व्यक्ति को अपनी जान गंवानी पड़ सकती है। सामान्यत: यह बीमारी एड्स मरीजों के इस्तेमाल किये हुए इंजेक्शन से या एड्स संक्रमित व्यक्ति का खून डोनेट करने से अथवा असुरक्षित यौन संबंध बनाने होती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 1 दिसंबर 1988 को एड्स दिवस मनाने की घोषणा की थी। तबसे प्रति वर्ष 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। प्रतिवर्ष एड्स दिवस पर केंद्र सरकार व राज्य सरकारें लोगों को जागरूक करने के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन करती हैं। एड्स के संक्रमण का पहला मामला साल 1981 में सामने आया और इसका संक्रमण तेजी से फैला और लगभग 33 मिलियन लोग इसके चपेट में आ गए। प्रारंभ में विश्व एड्स दिवस को सिर्फ बच्चों और युवाओं से ही जोड़कर देखा जाता था परन्तु बाद में पता चला कि एचआईवी संक्रमण किसी भी उम्र के व्यक्ति को प्रभावित कर सकता है। इसके बाद साल 1996 में एचआईवी एड्स पर संयुक्त राष्ट्र ने वैश्विक स्तर पर इसके प्रचार और प्रसार का काम संभालते हुए साल 1997 में विश्व एड्स अभियान के तहत संचार, रोकथाम और शिक्षा पर कार्य करना शुरू किया।

इस बीमारी का पूरा नाम एक्वार्ड इम्यून डेफिशिएंसी सिंड्रोम है, यह बॉडी की इम्यून पावर को पूरी तरह से खत्म कर देता है। एड्स से पीड़ित व्यक्ति एक के बाद एक बीमारियों की गिरफ्त में आसानी से आ जाता है। अगर समय रहते इलाज कराया जाये तो बीमारी से बचा जा सकता है। लेकिन बहुत देर होने पर इलाज सम्भव नहीं है। विकसित देशों के पास भी इस बीमारी का कोई इलाज नहीं है। ऐसे में सतर्कता और जागरूकता ही इसका उपचार है। इस बीमारी के वायरस का असर शरीर में प्रवेश करने के कुछ समय बाद देखने को मिलता है। शुरुआत में थकान होना, शरीर पर गांठे पड़ना, लगातार खुजली, उल्टी- दस्त, आसानी से किसी भी बीमारी की चपेट में आ जाना आदि लक्षण होते हैं।

पाक के भीतर बिखराव का बढ़ता संकट

राजेश बादल

एक बार फिर पाकिस्तान बिखराव के मुहाने पर है। कमोबेश सारे सूबों में यह लहर है। बलूचिस्तान हो अथवा पाक अधिकृत कश्मीर, पख्तूनिस्तान हो या सिंध, पंजाब को छोड़कर सारे प्रांतों में बिखराव के घने बादल मंडरा रहे हैं। ऐसे में पाकिस्तानी हुकूमत आंखें मूंदकर एक बार फिर अमेरिका की गोद में बैठने की कोशिश कर रही है।

उसे अवाम के असंतोष की परवाह नहीं है। चीन की तरह अब पाकिस्तान भी अपने सारे पड़ोसियों से बैर ठान बैठा है चाहे हिंदुस्तान हो या अफगानिस्तान, ईरान हो या फिर चीन हालांकि चीन के अभी भी कुछ कारोबारी हित जुड़े हैं और पाकिस्तान उसके कर्ज-जाल में फंसा हुआ है इसलिए वह समय-समय पर गुर्राता तो रहता है, लेकिन स्थायी तौर पर नाता नहीं तोड़ पाता। इसकी बड़ी वजह भारत भी है।

मगर चीन पाकिस्तान के अमेरिकी झुकाव को लेकर बहुत प्रसन्न नहीं है। सवाल है कि भारत के इस जिद्दी पड़ोसी ने हम नहीं सुधरेंगे की तर्ज पर ऐसी कसम क्यों खा रखी है, जो उसे विनाश की ओर ले जा रही है। इस कथन के पीछे औसत भारतीय की पाकिस्तान विरोधी भावना मत समझिए. यह हकीकत की पथरीली जमीन पर उग रहे तथ्यों की फसल पर आधारित है।

बलूचिस्तान से आ रही खबरें सरकार की चिंता बढ़ाने का पर्याप्त आधार हैं। इस प्रांत को पृथक देश बनाने के लिए पाकिस्तान के जन्म से ही आंदोलन चल रहा है। लगभग आधा दर्जन अलगाववादी संगठन इन दिनों अपने स्तर पर पाकिस्तान सरकार से मोर्चा ले रहे हैं। इनमें खास हैं -बलोच लिबरेशन फ्रंट, बलोच लिबरेशन आर्मी, यूनाइटेड बलोच आर्मी, बलोच रिपब्लिकन गार्ड, बलोच लिबरेशन टाइगर्स और बलोच नेशनलिस्ट आर्मी इनके अलावा छोटे-छोटे समूह हैं, जो स्थानीय प्रशासन की किरकिरी बन गए हैं।

इन समूहों में एकता की बातें चल रही हैं, जिससे निर्णायक संघर्ष छेड़ा जा सके। सबसे बड़े दो संगठनों बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट और बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी तो आपस में विलय का फैसला कर चुके हैं। अब निर्णय दो बातों पर बाकी है। एक तो यह कि नेतृत्व का ढांचा किस तरह का होगा और क्या उस संघर्ष में बाहरी देशों की सहायता भी ली जाएगी। इसके अलावा अन्य चार अलगाववादी संगठनों के भी विलय के बाद उनकी भागीदारी का फॉर्मूला क्या होगा।

सूत्रों का कहना है कि सभी गुटों के एकीकरण के बाद हमलों की संख्या और तीव्रता कई गुना बढ़ जाएगी। प्रसंग के तौर पर बता दें कि पाकिस्तान के अस्तित्व में आने के बाद सबसे बड़ी आक्रामक कार्रवाई बलूचिस्तान को कब्जे में करने की थी। बलूचिस्तान को भारत विभाजन के दौरान अंग्रेजों ने पाकिस्तान को नहीं सौंपा था।

बलूचिस्तान के साथ अंग्रेजों की रक्षा, विदेश नीति और व्यापार की संधि थी। गोरे गए तो यह संधि खत्म हो गई और पाकिस्तान ने बलूचिस्तान को धोखे से हड़प लिया. तब से वहां के सबसे बड़े सियासी बुग्ती परिवार की अगुआई में बलोच आजादी का आंदोलन चलाते रहे हैं। इंदिरा गांधी बलोचों के बीच सर्वाधिक लोकप्रिय थीं। जब बांग्लादेश बना तो बलोचों की आशाएं भारत से जगी थीं. पाकिस्तान बांग्लादेश के अलग होने के दर्द से दुखी था तो बलूचिस्तान में खुशियां मनाई जा रही थीं।

इंदिरा गांधी और जनरल मानेक शॉ के पोस्टर लेकर जिंदाबाद के नारे लगाते हुए नागरिक रैलियां निकाल रहे थे। इसके बाद जनरल परवेज मुशर्रफ के कार्यकाल में बुग्ती खानदान के सबसे बड़े नेता नवाब अकबर बुग्ती को सेना ने मार डाला था। तब से बलूचिस्तान अशांत है। यदि अलगाववादी समूच एकजुट होकर संघर्ष करेंगे तो पाकिस्तान के लिए बड़ा सिरदर्द बन जाएगा।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के भी बुरे हाल हैं। वहां करीब एक महीने पहले पाकिस्तान सरकार के खिलाफ अवाम ने खुलकर विद्रोह कर दिया है। लोग रोज सड़कों पर आकर प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनों की शुरुआत फौज के विरोध और वहां चल रहे आतंकवादी कैम्पों के विरोध से हुई थी। इसके अलावा बेरोजगारी, महंगाई, भेदभाव और मानव अधिकारों के हनन के बढ़ते मामलों ने गुस्से को बढ़ा दिया है।

यहां के निवासियों का कहना है कि पाकिस्तान दिवालिया होने के कगार पर है और मुल्क दाने-दाने के लिए तरस रहा है। ऐसे में पाकिस्तानी सेना तथा सरकार कश्मीर में दहशतगर्दी को बढ़ावा देने के लिए आतंकवादी कैंप चला रहे हैं। मुजफ्फराबाद, डायमर, चिनारी, कोटली, नीलम और गिलगित के लोग इन प्रशिक्षण शिविरों से परेशान हैं।

अनेक स्थानों पर तो इन प्रदर्शनों में मांग की जाती है कि पाकिस्तान इन नागरिकों की उपेक्षा कर रहा है इसलिए वे मांग करते हैं कि उन्हें निर्णय लेने का हक दिया जाए क्योंकि वे हिंदुस्तान के साथ मिलना चाहते हैं।

हालिया दौर में पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर और समूचे पख्तूनिस्तान में हिंसक वारदातें बढ़ गई हैं। लगातार आत्मघाती हमले हो रहे हैं। सिंध में सरकार विरोधी आंदोलन पहले से ही चल रहे हैं। इससे अंतरराष्ट्रीय कंपनियां घबराई हुई हैं। तेल, गैस और प्राकृतिक संसाधनों की तलाश करने वाली दस से अधिक बहुराष्ट्रीय कम्पनियां दुकान बंद करके अपने ठिकानों पर लौट गई हैं। इससे देश के तेल उत्पादन में पचास फीसदी की कमी आई है।

अंतरराष्ट्रीय जानकार कहते हैं कि असल में पाकिस्तान ऐसा मुल्क है, जिसे परदेसी भीख पर जिंदा रहने की लत लग गई है। वह अपने देश के नागरिकों के लिए कार्य संस्कृति नहीं बना सका है। कदम-कदम पर उसे इसी वजह से समस्या आ रही है। यह एक ऐसी समस्या है, जिसका कोई इलाज नहीं है। यानी पाकिस्तान के लिए शनै: शनै: बिखरना ही नियति बनकर रह गया है।

आज का इतिहास

1952 एडॉल्फो रूइज़ कॉरटिन ने मेक्सिको के राष्ट्रपति के रूप में पदभार संभाला।

1955 अफ्रीकी-अमेरिकी नागरिक अधिकार आंदोलन में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में, मॉन्टगोमरी बसबायकोट को उगलते हुए, मॉन्टगोमरी, अलबामा में एक सार्वजनिक बस्टो पर एक सफेद आदमी को अपनी सीट छोड़ने से इनकार करने के लिए रोजा पार्क्स को गिरफ्तार किया गया था।

1958 शिकागो में हमारी लेडी ऑफ एंजल्स स्कूल ग्रेड स्कूल में आग लगने से 90 बच्चों की मौत हो गई। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि स्कूल में बिना छिड़काव के आग लगने की स्थिति में ठीक से तैयार नहीं किया गया था और कोई आग नहीं लगी थी।

1959 संयुक्त राज्य अमेरिका सहित 12 देशों की विधानसभाओं द्वारा एक संधि पर हस्ताक्षर किए गए हैं। संधि के अनुसार, अंटार्कटिका को एक वैज्ञानिक रिजर्व के रूप में स्वीकार किया गया है जो किसी भी प्रकार की सैन्य गतिविधि से मुक्त होगा।

1970 लुइस एकेवेरिया मेक्सिको के राष्ट्रपति बने।

1973 इजरायल के संस्थापक और पहले प्रधानमंत्री डेविड बेन गुरियन का 87 साल की उम्र में निधन हुआ।

1976 बांग्लादेश में जनरल जियाउर रहमान खुद को राष्ट्रपति घोषित किया।

1977 सबसे पहला बच्चों के लिए केबल चैनल द पिनविइल नेटवर्क (जिसे बाद में निकेलोडियन कहा गया) शुरू किया गया है।

1985 फोर्ड टॉरस और बुध सिबल को जनता के लिए बिक्री के लिए जारी किया गया।

1988 विश्व एड्स दिवस की शुरुआत हुई।

1990 यूनाइटेड किंगडम और फ्रांस के चैनल टनल कर्मी इंग्लिश चैनल सीबेड के नीचे 40 मीटर (131 फीट) मिले।

1991 24 अगस्त को यूक्रेनी संसद द्वारा घोषित के रूप में 92ल से अधिक यूक्रेनी मतदाताओं ने अपने देश की निर्भरता को मंजूरी दी।

1994 अर्नेस्टो ज़ेडिलो मेक्सिको के राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभाला।

2002 91 डेविस कप- रूस ने पेरिस में फ्रांस को 3-2 से हराया।

2005 5 साल में पहली बार 2.0ल से 2.25ल तक ब्याज दरों में वृद्धि की गई है। यूरोपीय सेंट्रल बैंक ने यह निर्णय लिया।

महाराष्ट्र में 26 सीटों पर चुनाव लड़ेगी भाजपा!

हरीश गुप्ता

महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ भाजपा का चेहरा और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस एक कुशल शिल्पकार भी हैं। हाल ही में, उन्होंने स्थिति को भांपने और लोगों की प्रतिक्रिया जानने के उद्देश्य से कहा कि लोकसभा चुनावों के लिए सहयोगियों के साथ सीटों का बंटवारा हो चुका है और भाजपा 48 में से 26 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। जाहिर है, शेष 22 सीटें शिवसेना के शिंदे गुट और एनसीपी के अजित पवार गुट के खाते में जाएंगी। लेकिन हंगामा तब मचा जब सहयोगियों ने संकेत दिया कि ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया गया है। यह भी दावा किया गया कि ऐसी कोई चर्चा भी नहीं हुई। माहौल को भांपते हुए फड़नवीस ने गुस्से को शांत करने की कोशिश की। लेकिन तथ्य यह है कि एनडीए के साझेदार इस समझ पर पहुंच गए थे कि गठबंधन के सभी मौजूदा लोकसभा सांसदों की सीटें संबंधित पार्टियों को मिलेंगी। भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनावों में 23 सीटें हासिल की थीं और एक सीट निर्दलीय उम्मीदवार को समर्थन देकर हासिल की थी।

एनडीए के अन्य दो गुट इस फॉर्मूले के आधार पर 11-11 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। फडणवीस की सार्वजनिक टिप्पणियों ने शायद इस मुद्दे को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। लेकिन भाजपा 2024 में 26 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। लोकसभा चुनाव भले ही अभी 6 महीने दूर हों लेकिन भाजपा नेतृत्व पांच राज्यों के चुनाव के साथ-साथ जिताऊ उम्मीदवारों के चयन में भी व्यस्त है। भाजपा मुख्यालय से आ रही रिपोर्टों से पता चलता है कि वह फिल्म उद्योग से लोकसभा चुनाव में उतारे जाने वाले नए चेहरों की तलाश कर रही है।

हेमा मालिनी पहले ही 75 साल की उम्र सीमा पार कर चुकी हैं, हो सकता है कि उन्हें इस बार मथुरा से मैदान में न उतारा जाए। सनी देओल ने भी चुनाव लड़ने की अनिच्छा जाहिर कर दी है और भाजपा को गुरदासपुर में नया चेहरा ढूंढ़ना होगा। भाजपा पहले से ही पंजाब में बिना किसी सहयोगी के कड़ी चुनौती का सामना कर रही है और नए चेहरे की तलाश कर रही है। इसी तरह किरण खेर की भी तबीयत पिछले कुछ समय से ठीक नहीं चल रही है और भाजपा को चंडीगढ़ में नए चेहरे की जरूरत होगी। इस सिलसिले में हिंदी सिने जगत के लोकप्रिय सितारे अक्षय कुमार, कंगना रनौत और माधुरी दीक्षित का नाम सामने आ रहा है। अक्षय कुमार प्रधानमंत्री मोदी के करीबी रहे हैं और 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले पीएम का इंटरव्यू लेने के लिए एंकर भी बने थे। कहा जा रहा है कि उन्हें दिल्ली की चांदनी चौक सीट से मैदान में उतारा जा सकता है।

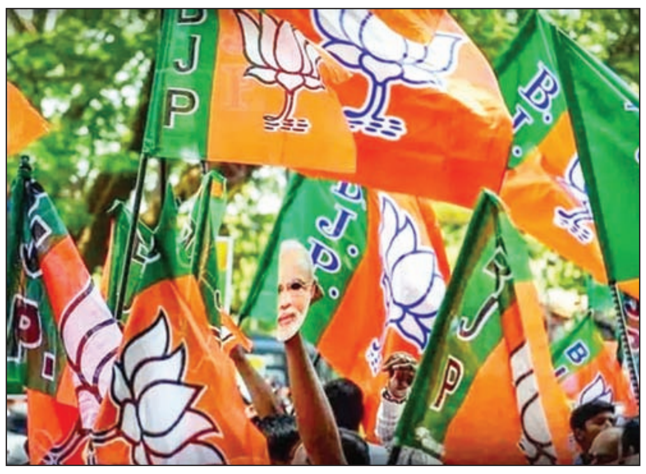

कंगना रनौत पहले ही राजनीति में आने की इच्छा जता चुकी हैं और उन्हें मंडी लोकसभा सीट से कांग्रेस की प्रतिभा सिंह के खिलाफ खड़ा किया जा सकता है। माधुरी दीक्षित को भी मुंबई उत्तर या मथुरा से मैदान में उतारा जा सकता है।

लॉकेट चटर्जी (पश्चिम बंगाल) और कन्नड़ फिल्म स्टार सुमन लता (कर्नाटक) के अलावा तीन भोजपुरी अभिनेता; मनोज तिवारी, रवि किशन और दिनेश लाल यादव पहले से ही भाजपा सांसद हैं। भाजपा दक्षिण के कुछ फिल्मी सितारों को भी चाहती है। हरियाणा से लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए क्रिकेट स्टार वीरेंद्र सहवाग का नाम भी चर्चा में है।

वरिष्ठ नेताओं का शक्तिप्रदर्शन !

भाजपा नेतृत्व को कठिन समय का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि पार्टी में पुराने नेता जगह छोड़ने के इच्छुक नहीं हैं। उनके लिए कर्नाटक के ताकतवर लिंगायत नेता बीएस येदियुरप्पा आदर्श हैं। जिस तरह से येदियुरप्पा यह सुनिश्चित करने में सफल रहे कि उनके बेटे बीवाई विजयेंद्र को कर्नाटक में भाजपा अध्यक्ष के रूप में स्थापित किया जाए। उसने अन्य राज्यों में शिवराज सिंह चौहान, वसुंधराराजे सिंधिया जैसे नेताओं को प्रेरित किया है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी।एल। संतोष, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी सहित कुछ अन्य वरिष्ठ नेता उस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए, जहां बी।एस। येदियुरप्पा के बेटे ने कार्यभार संभाला, जिससे यह संकेत गया कि राज्यों में खाई चौड़ी हो रही है।

येदियुरप्पा ने यह भी सुनिश्चित किया कि उनके वफादार आर।अशोक को विधानसभा में विपक्ष का नेता बनाया जाए। लेकिन जनता दल (एस) के एच।डी। देवेगौड़ा के साथ हुए गठबंधन से बहुत से लोग खुश नहीं हैं। हालांकि, येदियुरप्पा को बता दिया गया कि यह गठबंधन केवल लोकसभा चुनाव के लिए है और उन्हें ज्यादा चिंता नहीं करनी चाहिए।

भाजपा के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि कई वरिष्ठ नेता, खासकर दो साल पहले केंद्रीय मंत्रिमंडल से हटाए गए नेता, पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों के नतीजों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यदि भाजपा इन चुनावों में अच्छा प्रदर्शन नहीं करती है, तो आलाकमान को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है और बढ़ते असंतोष को रोकने के लिए उन्हें मनाने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

अपने आप में सिमटे नीतीश

पिछले महीने राज्य विधानसभा और विधान परिषद में महिलाओं को लेकर अपने विवादास्पद संबोधन के बाद, नीतीश कुमार को माफी मांगने के लिए मजबूर होना पड़ा। तब से वह वस्तुत: अपने आप में सिमट गए हैं। यहां तक कि पार्टी में और उसके बाहर भी उनके कट्टर वफादार इस बात से हैरान हैं कि उनके जैसे चतुर नेता के साथ क्या गलत हुआ।

बिहार में अजीबोगरीब कहानियां सुनने को मिल रही हैं कि कैसे अन्यमनस्क रहने वाले नीतीश कुमार एक कप चाय के लिए एक कैबिनेट मंत्री के घर दो बार चले गए। कुछ घूंट पीने के बाद वे चले गए और कुछ देर बाद वापस आकर चाय मांगी। कई लोग कहते हैं कि उनकी शैली और तौर-तरीकों में जबरदस्त बदलाव आया है और कभी-कभी अचानक आने वाला गुस्सा बढ़ गया है।

एक समय मीडिया के प्रिय रहे नीतीश कुमार ने अपने जनता दरबार और अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में पत्रकारों को आमंत्रित करना बंद कर दिया है और उनका कार्यालय अब उनके दैनिक कार्यक्रम के बारे में जानकारी नहीं देता है। हाल ही में उन्होंने इंतजार कर रहे पत्रकारों को हाथ जोड़कर और झुककर आगे चले जाने का इशारा किया। जद (यू) के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि नीतीश पांच विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद ही कुछ बोलेंगे। ओबीसी जनगणना पर उनके फैसले ने पहले ही भाजपा को बैकफुट पर ला दिया है। साफ है कि ओबीसी जनगणना का मुद्दा तेजी से तूल पकड़ रहा है और पीएम मोदी को इससे निपटने का रास्ता ढूंढना होगा।

मालवा-निमाड़ की इन सीटों पर क्यों बढ़ी भाजपा-कांग्रेस की बेचैनी

राहुल संपाल

मध्यप्रदेश में कहा जाता है कि मालवा-निमाड़ में जिस पार्टी की जीत होती है, राज्य में उसी की सरकार बनती है। प्रदेश में 17 नवंबर को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हो गया है। अब सबकी निगाहें 30 नवंबर को आने वाले एग्जिट पोल और 3 दिसंबर की मतगणना पर लगी हुई हैं। इसी बीच राजनीतिक दलों ने अपनी समीक्षा के बाद अपने-अपने जीत के दावे करना शुरू कर दिया है। राज्य में इस बार दोनों पार्टियों का फोकस आदिवासी मतदाताओं पर था। मालवा-निमाड़ का आदिवासी वोटर किसके पक्ष में गया है, इसे लेकर संशय बना हुआ है। कई सीटों पर भाजपा-कांग्रेस के बीच कांटे का मुकाबला देखने को मिल रहा है। जबकि कुछ सीटों पर आदिवासी संगठन जयस का गहरा प्रभाव है। मालवा-निमाड़ की अधिकांश सीटों पर जयस के मैदान में उतरने से मुकाबला रोचक बना हुआ है। एमपी में आदिवासियों के लिए 47 सीटें आरक्षित हैं। 47 में से 22 सीटें मालवा-निमाड़ क्षेत्र से आती हैं। करीब 10 विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जहां जयस ने पूरी ताकत से चुनाव लड़ा है। इन सीटों पर उसका मुकाबला भाजपा-कांग्रेस के साथ था। करीब ऐसी 10 ऐसी विधानसभा सीटे हैं, जिनके परिणाम को लेकर भाजपा और कांग्रेस की बेचैनी बढ़ी हुई है। दोनों ही पार्टी के नेता इस बात को लेकर आश्वस्त हैं कि आखिर आदिवासी वोट किसके साथ गया है।

इन सीटों पर बिगड़ सकता है खेल

हरसूद- इस विधानसभा सीट से भाजपा ने वन मंत्री विजय शाह को मैदान में उतारा है। वहीं, कांग्रेस के टिकट पर सुखराम साल्वे ने चुनाव लड़ा है। यहां से जयस ने भी अपना उम्मीदवार खड़ा किया। जयस ने महेंद्र बड़ाई को टिकट दिया। फिलहाल इस सीट पर कांटे की लड़ाई है। **झाबुआ-** आदिवासी बाहुल्य झाबुआ विधानसभा सीट से कांग्रेस ने पार्टी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया के बेटे विक्रांत भूरिया को उम्मीदवार बनाया। वहीं, भाजपा ने भी यहां से भानू भूरिया को उतारा है। जयस ने यहां से अमर सिंह भाभर को टिकट दिया। इस सीट पर भी सभी की निगाहें हैं। **थांदला-** थांदला विधानसभा सीट से कल सिंह भाभर को भाजपा ने उम्मीदवार बनाया, तो वीर सिंह भूरिया को कांग्रेस ने टिकट दिया। यहां से जयस ने माजू सिंह डामौर को उतारा है। **पेटलावद-** इस सीट पर भाजपा-कांग्रेस में मुख्य मुकाबला है। बीजेपी ने निर्मला भूरिया और कांग्रेस ने वेलसिंह मेड़ा को उतारा है। हालांकि जयस उम्मीदवार ने यहां लड़ाई को रोचक बना दिया है। जयस से बालू सिंह गामड़ उम्मीदवार हैं। **पानसेमल-** इस विधानसभा सीट से जयस ने जिला पंचायत सदस्य रमेश चौहान का उम्मीदवार बनाया है। भाजपा से श्याम बर्डे उम्मीदवार हैं तो कांग्रेस की तरफ से चंद्रभागा किरोड़े मैदान में हैं। **जोबट-** जोबट से भाजपा ने विशाल रावत और कांग्रेस ने सेना पटेल को उम्मीदवार बनाया है। वहीं, जयस ने रिंकू बाला डावर को टिकट दिया है। रिंकू बाला डावर जिला पंचायत और जनपद का भी चुनाव जीत चुकी हैं। **कुक्षी-** इस सीट से कांग्रेस के दिग्गज नेता हनी बघेल चुनाव लड़ते हैं। हनी बघेल, कमलनाथ कैबिनेट में मंत्री रह चुके हैं। भाजपा ने जयदीप पटेल को टिकट दिया है। जयस ने यहां से आदिवासी नेता बोंदल सिंह मुजाल्दा को उम्मीदवार बनाया है। **अलीराजपुर-** इस विधानसभा सीट से कांग्रेस ने मुकेश पटेल को टिकट दिया है। वहीं, भाजपा ने नागर सिंह चौहान को उम्मीदवार बनाया है। यहां से जयस ने नवल सिंह मंडलोई को टिकट दिया है। **सैलाना-** इस सीट पर सबसे ज्यादा वोटिंग हुई है। यहां मतदाताओं ने 90 फीसदी वोटिंग की है। भाजपा से संगीता चारेला मैदान में हैं, तो कांग्रेस से हर्ष विजय गहलोत उम्मीदवार हैं। जयस ने यहां से कमलेश्वर डोडियार को टिकट दिया है। कमलेश्वर के बारे में कहा जाता है कि आदिवासी वोट बैंक में इनकी अच्छी पकड़ है। **बागली-** इस सीट से भाजपा ने मुरली भंवरा और कांग्रेस ने गोपाल भोंसले को उम्मीदवार बनाया है। जयस ने यहां से युवा नेता सूरज डावर को उम्मीदवार बनाकर मुकाबले को रोचक कर दिया है।

लोकसभा चुनाव की तैयारी, 5 साल के लिए बढ़ी मुफ्त राशन योजना

अंकित सिंह

केंद्र की मोदी सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को 1 जनवरी 2024 से अगले 5 वर्षों के लिए बढ़ाने का फैसला किया है। 2024 चुनाव से पहले केंद्र की भाजपा नेतृत्व वाली सरकार का यह बड़ा फैसला है। इस फैसले से 81 करोड लोगों को मुफ्त में अनाज अगले 5 सालों तक मिलती रहेगी और कहीं ना कहीं इसका चुनाव पर भी एक बड़ा असर पड़ेगा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने इस बात की जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को अगले 5 साल के लिए बढ़ाने का फैसला किया गया है...इससे 81 करोड़ लोगों को लाभ मिलेगा...इसमें 11 लाख 80 हजार करोड़ रुपए का खर्च भारत सरकार करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ की एक रैली में इस योजना को आगे बढ़ाने को लेकर एक संकेत दिया था। उन्होंने दुर्ग जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए देश की जनता से वादा किया कि कोविड-19 के दौरान शुरू की गई प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को अगले पांच वर्ष के लिए बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा था कि जब कोरोना का संकट आया तब गरीब की सबसे बड़ी चिंता थी कि वह अपने बच्चों को खाना क्या खिलाएंगे...तब मैंने तय किया किसी गरीब को मैं भूखे नहीं सोने दूंगा इसलिए भाजपा सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना शुरू की.. यह योजना दिसंबर में पूरी हो रही है ...देश के गरीब भाई बहनों को दुर्ग की धरती से बताना चाहता हूं कि मैंने निश्चय कर लिया है कि देश के 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन देने वाली योजना को भाजपा सरकार अगले पांच साल के लिए और बढ़ाएगी। वर्तमान में देखें तो पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव का माहौल है। मिजोरम, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में मतदान समाप्त हो चुके हैं जबकि तेलंगाना में 30 नवंबर को वोट डाला गया। इन्हीं चुनाव प्रचार के दौरान पीएम मोदी ने अलग-अलग राज्यों में मुफ्त राशन योजना को अगले 5 साल बढ़ाने का ऐलान किया था। कहीं ना कहीं इससे भाजपा को चुनावी राज्यों में लाभ मिलने की उम्मीद है। आज जब सरकार की ओर से इसे आधिकारिक तौर पर बताया गया है तो उसके ठीक अगले दिन तेलंगाना में वोट डाले जाने हैं। ऐसे में कहीं ना कहीं तेलंगाना चुनाव को ध्यान में रखते हुए ही मुफ्त राशन योजना को अगले 5 साल तक बढ़ाने की घोषणा की गई है। हालांकि, राजनीतिक विश्लेषक इसे भाजपा के बड़े कदम के तौर पर देख रहे हैं। उनका मानना है कि भले भाजपा ने इसे विधानसभा चुनाव के दौरान बढ़ाने की घोषणा की है लेकिन उसका असली मकसद लोकसभा चुनाव 2024 में जीत हासिल करना है।

इस दिन पड़ी थी अखिलेश-स्टालिन की जुगलबंदी की नींव!

आशीष तिवारी

अखिलेश यादव और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की वीपी सिंह की मूर्ति के अनावरण पर हुई मुलाकात से देश की सियासत में बड़ी हलचल मचनी शुरू हो गई है। सियासी गलियारों में कयास यही लगाए जा रहे हैं कि एमके स्टालिन और अखिलेश के साथ अब एक तीसरे बड़े गठबंधन का भी उदय हो सकता है। लेकिन हकीकत यही है कि जिस जुगलबंदी के आधार पर सियासत में ये हलचल मचनी शुरू हुई है, उसकी नींव कुछ महीने पहले तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के जन्मदिन पर ही पड़ चुकी है। सियासी गलियारों में कयास तभी से लगाए जाने लगे थे कि लोकसभा चुनावों से पहले की सियासत में एमके स्टालिन और अखिलेश की जोड़ी के साथ जुड़ने वाले कई सियासी दल एक समानांतर मजबूत गठबंधन बनाने की ओर आगे बढ़ सकते हैं।

इंडिया गठबंधन के प्रमुख दलों में शामिल समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव और उनके स्टालिन की जुगलबंदी से सियासी गलियारों में तमाम तरह के कयास लगाए जाने लगे हैं। कहा यही जा रहा है कि पिछड़ों की राजनीति को आगे करने के लिए वीपी सिंह की मूर्ति के अनावरण के मौके पर जब अखिलेश यादव और एमके स्टालिन चेन्नई में मिले, तो इंडिया गठबंधन में शामिल कई सियासी दलों में एक उम्मीद भी जगी है। राजनीतिक जानकार और वरिष्ठ पत्रकार धीरेन बनर्जी कहते हैं कि विपक्षी दलों के गठबंधन में शामिल नेताओं में अखिलेश यादव और एमके स्टालिन की जुगलबंदी सिर्फ वीपी सिंह की मूर्ति के अनावरण के समय ही मजबूत नहीं हुई है। वह कहते हैं कि अगर कुछ सियासी पन्ने पलटे जाएंगे, तो इसी साल के शुरुआत में एमके स्टालिन के जन्मदिन पर आयोजित किया गया कार्यक्रम इस जुगलबंदी में मजबूती का शुरुआती नींव का पत्थर था। उसके बाद से जो भी गठबंधन में नेताओं की जो जुगलबंदी होती रही, उनमें अखिलेश और स्टालिन के रिश्ते

और प्रगाढ़ ही होते रहे।

सियासी जानकारों का कहना है कि जिस तरीके से बीते कुछ समय से इंडिया गठबंधन की निष्क्रियता सामने आई है, उसमें स्टालिन और अखिलेश यादव की जुगलबंदी के साथ विपक्षी धड़े के कुछ राजनीतिक दलों को एक और नई उम्मीद दिखनी शुरू हुई है। वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषण जटाशंकर सिंह कहते हैं कि विपक्षी दलों के गठबंधन में अखिलेश यादव की सिर्फ एमके स्टालिन के साथ ही मजबूत पटरी नहीं खाती है, बल्कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अखिलेश यादव की जुगलबंदी भी देश की सियासत में एक अलग स्थान रखती है। वह कहते हैं कि समाजवादी पार्टी की पश्चिम बंगाल में आयोजित कार्यकारिणी की अहम बैठक से इस बात की पुष्टि हो चुकी है कि अखिलेश यादव पश्चिम बंगाल में खासतौर से ममता बनर्जी के साथ मिलकर सियासत में आगे की योजनाएं बना रहे हैं।

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि वैसे तो सियासी गठबंधन इंडिया में अभी तक की अगुवाई बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कर रहे थे। बीते कुछ समय में गठबंधन में निष्क्रियता पर नीतीश कुमार ने भी खुले मंच से निशाना साधा है। राजनीतिक विश्लेषक देवाशीष बनर्जी कहते हैं कि वैसे तो विपक्षी दलों के सभी प्रमुख सियासी दलों को एक मंच पर लाने के लिए नीतीश कुमार ने मेहनत की है। लेकिन अभी भी इन सब में अखिलेश यादव एक ऐसे कॉमन नेता हैं, जो विपक्षी दलों के कई अहम राजनीतिक दलों के नेताओं में सबको अलग-अलग तरह से एकजुट भी कर रहे हैं। उनका तर्क है कि अखिलेश यादव इससे पहले कांग्रेस के साथ गठबंधन कर चुके हैं। वह स्टालिन के जन्मदिन पर कांग्रेस के बड़े नेताओं के साथ मंच साझा कर चुके हैं। अब वह वीपी सिंह की मूर्ति के अनावरण के मौके पर विशेष अतिथि के तौर पर चेन्नई के प्रेसीडेंसी कॉलेज में मौजूद रहते हैं। इसके अलावा अखिलेश यादव की बिहार में नितीश कुमार गठबंधन के साथ चल रही आरजेडी के नेताओं के साथ ही अच्छी पकड़ है। पारिवारिक नातेदारी के चलते अखिलेश यादव लालू यादव के बीच रिश्ते भी बेहतर हैं। केसीआर पहले ही अखिलेश यादव और ममता बनर्जी के साथ मिलकर बड़े गठबंधन की ओर चलने का इशारा कर चुके हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है इंडिया गठबंधन से पहले की सियासत को अगर बारीकी से समझा जाए, तो पता चलता है कि इस साल की शुरुआत में केसीआर की रैली में अरविंद केजरीवाल शामिल होते हैं। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव भी शामिल होते हैं। फिर अखिलेश यादव तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन के साथ जन्मदिन पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में शामिल होते हैं। इसमें केजरीवाल तो नहीं शामिल हुए, लेकिन फारूक अब्दुल्ला से लेकर मल्लिकार्जुन खरगे तक शामिल होते हैं। सियासी जानकारों का कहना है कि माना यही जा रहा है कि अगर इंडिया गठबंधन में किसी भी तरीके की टूट होती है, तो एक नए मोर्चे के गठन के भी कयास लगाए जा सकते हैं।

हालांकि वीपी सिंह की मूर्ति के अनावरण के दौरान हुई अखिलेश और स्टालिन की मुलाकात के बाद इंडिया गठबंधन में शामिल सियासी दलों और बड़े नेताओं ने ठप पड़ी गठबंधन की राहों को तेजी देने की योजनाएं बननी शुरू हुईं हैं। गठबंधन में शामिल एक प्रमुख दल के नेता बताते हैं कि 3 दिसंबर को परिणाम आने के बाद विपक्षी दलों के गठबंधनों की पहले से तय बैठकों के दौर शुरू होंगे और आगे की सियासी रणनीति भी तय की जानी है।

राजस्थानी राजनीति के अपरिहार्य चेहरे हैं गहलोत और वसुंधरा राजे

उमेश चतुर्वेदी

संसदीय लोकतंत्र में सत्ता की कमान जिन्हें मिलती है, उनका सबसे बड़ा आधार राजनीतिक दल हैं। दिलचस्प यह है कि जिस लोकप्रतिनिधित्व कानून के जरिए देश में चुनाव होते हैं, उनमें राजनीतिक दल का जिक्र तो है, लेकिन राजनीतिक दलों की बात संविधान में कहीं नहीं है। संसदीय राजनीति के केंद्र बिंदु बने राजनीतिक दलों के लिए तय है कि उनमें अंदरूनी लोकतंत्र रहे और चुनाव होते रहें। लेकिन देश के तकरीबन सभी दलों में अंदरूनी लोकतंत्र की सिर्फ रस्म निभाई जाती है। अव्वल तो हर दल में अपना-अपना शक्तिशाली केंद्रीय नेतृत्व उभर चुका है। केंद्रीय नेतृत्व की ही मर्जी पर राज्यों के क्षत्रपों का नाम राजनीतिक दल तय करते हैं। केंद्रीय नेतृत्व की आंख से उतरा नहीं कि स्थानीय नेतृत्व किनारा हो जाता है।

लेकिन अपने देश में एक राज्य ऐसा भी है, जहां इस परिपाटी को चुनौती मिल रही है। इस राज्य में प्रमुख रूप से देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी का ही दबदबा है। लेकिन दोनों ही दलों के पास इस राज्य में एक ऐसा स्थानीय नेतृत्व है, जो अपने-अपने दलों के शक्तिशाली केंद्रीय नेतृत्व को परोक्ष रूप से चुनौती दे रहा है। अव्वल तो दूसरा कोई होता तो दोनों ही दल अपने इन नेताओं को किनारे लगा चुके होते। लेकनि इनकी स्थानीय स्तर पर ताकत ऐसी है कि मौजूदा विधानसभा चुनावों में दोनों ही दलों को अपने स्थानीय ताकतवर नेतृत्व को नकार पाना संभव नहीं रहा।

आपके मन में सवाल होगा कि आखिर वह कौन-सा राज्य है, जहां दोनों दलों में ऐसा स्थानीय नेतृत्व है, जिसे अपने केंद्रीय नेतृत्व की परवाह नहीं है। कुछ लोग अनुमान लगा भी रहे हैं। जी हां, आपने ठीक फरमाया, वह राज्य राजस्थान है। और यहां के दोनों दलों के स्थानीय क्षत्रप इतने ताकतवर हैं कि उनके बिना दोनों ही दल अपनी स्थानीय राजनीति की कल्पना नहीं कर सकते। एक तरफ हैं कांग्रेसी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तो दूसरी तरफ हैं भाजपा की नेता और दो बार मुख्यमंत्री रह चुकीं वसुंधरा राजे सिंधिया। दोनों नेताओं की अपने-अपने समर्थक आधार पर पकड़ ही है कि दोनों ही दल अपने इन नेताओं को नकारने की हिम्मत नहीं दिखा सके। अशोक गहलोत से उनके पूर्व अध्यक्ष और कांग्रेस के सुपर आलाकमान राहुल गांधी की नाराजगी की खबरें दिल्ली से लेकर जयपुर तक के सियासी वायुमंडल में फैली हुई हैं। राजस्थान के चुनाव प्रचार में इसका असर दिखा भी। राज्य में चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद राहुल गांधी महज चार घंटे के लिए राजस्थान पहुंचे और तीन जनसभाओं को संबोधित किया।

जिन्हें पता है कि कांग्रेस के सुपर आलाकमान इंदिरा परिवार की क्या ताकत होती है, वे जानते हैं कि अगर गहलोत की ताकत नहीं होती तो अब तक उन्हें आलाकमान घुटनों के बल ला चुका होता। लेकिन आलाकमान ऐसा नहीं कर पा रहा है। याद कीजिए, सचिन पायलट के विद्रोह को। उनके विद्रोह के वक्त कांग्रेस आलाकमान चाहता था कि अशोक इस्तीफा दें। आलाकमान का संदेश लेकर कांग्रेस के दो दूत मल्लिकार्जुन खरगे और अजय माकन जयपुर पहुंचे, लेकिन गहलोत ने ना सिर्फ इससे इनकार कर दिया, बल्कि शांति धारीवाल की अगुआई में विधायकों ने

अशोक नहीं तो कोई नहीं जैसा समानांतर बगावत कर दी। अशोक गहलोत नहीं माने और अपने दम पर सचिन पायलट का विद्रोह थामने में कामयाब रहे।

उसके बाद कांग्रेस आलाकमान ने अशोक गहलोत को पार्टी का अध्यक्ष बनाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। उनकी जगह पर वे खड़गे अध्यक्ष बनाए गए, जो कभी उनके खिलाफ हुई बगावत को थामने के लिए आलाकमान के दूत बनकर जयपुर पहुंचे थे। कांग्रेस आलाकमान शांति धारीवाल को टिकट नहीं देना चाहता था, लेकिन गहलोत उन्हें टिकट दिलाने में कामयाब रहे। आलाकमान रोक नहीं पाया। जिन्हें सोनिया गांधी की राजनीति पता है, उन्हें पता है कि अपने विरोधियों को वे माफ नहीं करतीं। राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे तो उस दौर में एक घोटाले को लेकर संसद में केरल के नेता केपी उन्नीकृष्णन ने सवाल उठाया था। उस दौर में उनके नाम से मिलते-जुलते नाम वाले एक और नेता थे, पी उपेंद्र। पी उपेंद्र बाद में वीपी सरकार में सूचना और प्रसारण मंत्री बने। उपेंद्र तेलुगू देशम के सांसद थे। सोनिया घोटाला उठाने को लेकर केपी उन्नीकृष्णन से खफा थीं, लेकिन वह उपेंद्र और उन्नीकृष्णन में फर्क नहीं कर पाईं। आंध्र के एक दौरे से पति राजीव के साथ लौटते वक्त उन्हें उपेंद्र दिख गए और उन्हें उन्होंने सार्वजनिक रूप से हड़का दिया था। शांति धारीवाल ने बगावत के दिनों में प्रेस से यहां तक कह दिया था कि कौन हैं सोनिया गांधी। माना जा रहा था कि शांति धारीवाल के राजनीति के दिन लद गए, लेकिन अपने इस वफादार को अशोक गहलोत टिकट दिलाने में कामयाब रहे या दूसरे शब्दों में कहें तो टिकट उन्होंने दिया, यह जानते हुए भी उनका सुपर आलाकमान उनसे नाराज है।

अब बात करते हैं वसुंधरा की। राजस्थान में वसुंधरा खुद को बीजेपी की सर्वोच्च नेता मानती रही हैं। वे सिर्फ अटल और आडवाणी के सामने झुकती रही हैं। अन्यथा वे किसी के सामने नहीं झुकतीं। याद कीजिए 16 मई 2014 की तारीख को, जब भाजपा इतिहास बनाने जा रही थी। पहली बार केंद्र में अपने दम पर सरकार बना रही भाजपा की क्षत्रप वसुंधरा नाराज होकर राजस्थान की सभी 25 सीटों से जीते भाजपा सांसदों को लेकर दिल्ली के राजस्थान हाउस चली गई थीं। इसके पहले केंद्रीय नेतृत्व के आदेश के बावजूद उन्होंने नेता प्रतिपक्ष पद से इस्तीफा देने से इंकार कर दिया था। राजस्थान में इस बार माना जा रहा था कि वसुंधरा पहले की तुलना में कमजोर हुई हैं, इसलिए वे अपनी उपेक्षा से बगावत कर सकती हैं। लेकिन वसुंधरा ने खुलकर तेवर नहीं दिखाए। लेकिन पर्दे के पीछे वे सक्रिय रहीं।

राजस्थान में कहा जा रहा है कि भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व को लगा कि अगर वसुंधरा को नहीं साधा गया और वे कुछ ऐसा-वैसा कदम उठा लेंगी तो राजस्थान में उसकी सत्ता की उम्मीदें धूमिल पड़ जाएंगीं। इसलिए उन्हें मनाने की कोशिशें पर्दे के पीछे से चलीं। वसुंधरा ने तेवर नहीं दिखाए। कहा जा रहा है कि पार्टी उन्हें राजस्थान के लिए अपरिहार्य मानने को मजबूर हुई। राजस्थान में तो यहां तक कहा जा रहा है कि पार्टी ने करीब तीस फीसद टिकट उनके ही समर्थकों को दिए हैं। वैसे उनके कई समर्थक बागी बनकर मैदान में ना सिर्फ डटे रहे, बल्कि भाजपा के लिए परेशानी का सबब बनते रहे। चाहे बात अशोक की हो या वसुंधरा की, दोनों ने साबित किया है कि वे अपनी-अपनी पार्टियों के लिए राजस्थान में अपरिहार्य हैं। अशोक गहलोत वैसे तो बेहद विनम्र हैं, लिहाजा उनके तेवर में भी विनम्रता रहती है। राजस्थान की कांग्रेसी राजनीति में वे तेवर में हैं। लेकिन उन्होंने विनम्रता नहीं खोई है। इसलिए उनके तेवर को सामान्य नजरों से नहीं देखा जा रहा है। लेकिन असलियत में वे अपने आलाकमान के खिलाफ तेवर में ही हैं। वसुंधरा का स्वभाव तेवर वाला रहा है, लेकिन इस बार उन्होंने तेवर ना दिखाकर विनम्रता का दामन थाम लिया है। हालांकि उनके कदमों से उनके तेवर की छाप दिखती रही है। राजस्थान में कहा जाता है कि अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे भले ही दो विपरीत वैचारिक धाराओं वाली पार्टी के अगुआ हों, लेकिन दोनों में अंदरखाने में दोस्ती है। दोनों एक-दूसरे का लिहाज करते हैं। जिस तरह अपनी-अपनी पार्टियों में ये अपरिहार्य बने हैं और तेवर दिखा रहे हैं, उससे क्या यह मान लिया जाए कि उनकी रणनीति में उनकी दोस्ती भी दिख रही है? इस सवाल का जवाब हमें वक्त पर छोड़ देना चाहिए।

भारत के स्कॉटलैंड की खूबसूरती देख भूल जाएंगे विदेशी नजारे

प्रकृति प्रेमियों के लिए जन्नत है ये जगह

विदेश घूमने की चाहत के बीच कई बार पैसा, पासपोर्ट या वीजा आदि की दिक्कतें आ जाती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आप भारत के स्कॉटलैंड में घूम कर विदेश यात्रा का आनंद उठा सकते हैं। यहां के नजारे आपको मंत्रमुग्ध कर देंगे। अक्सर हमारे दिल में यह चाहत होती है कि विदेश यात्रा की जाए। लेकिन पैसे, पासपोर्ट या वीजा के कारण कई बार हमारी यह इच्छा अधूरी रह जाती है। अगर आपका भी विदेश घूमने का सपना सिर्फ ख्वाब बनकर रह गया है। तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आपको बता दें कि भारत में कई ऐसी जगहें हैं जो विदेशी जगहों को टक्कर देती हैं। भारत में खूबसूरत पहाड़ों के अलावा आपको शानदार समुद्र के किनारे भी देखने को मिलेंगे।

पेरिस, स्कॉटलैंड और स्विट्जरलैंड घूमने का सपना देखने वाले लोग अपने देश में विदेशी नजारों की तरह कुछ जगहें हैं। ऐसे में अगर आप भी स्कॉटलैंड जाने का ख्वाब देख रहे हैं। तो भारत के स्कॉटलैंड की सैर कर सकते हैं। भारत के स्कॉटलैंड को घूमने के लिए आपको अधिक खर्चा भी करने की जरूरत नहीं है। साथ ही यहां पर घूमने के लिए पासपोर्ट और वीजा की भी जरूरत नहीं हैं। आइए जानते हैं भारत के स्कॉटलैंड के बारे में, जो आपको विदेश यात्रा का अनुभव करवाएंगी।

जानिए किसे कहते हैं भारत का स्कॉटलैंड

कर्नाटक राज्य में एक खूबसूरत हिल स्टेशन मौजूद है। जिसे भारत का स्कॉटलैंड कहा जाता है। बता दें कि समुद्र तल से 900 मीटर से अधिक ऊंचाई पर स्थित इस खूबसूरत हिल स्टेशन के नजारे देख आपका दिल खुश हो जाएगा। इस खूबसूरत जगह का नाम कुर्ग हिल स्टेशन है। यहां पर घूमने के लिहाज से बहुत सुंदर जगह है। यहां पर मौजूद कई पर्यटन स्थल हैं, जो आपके सफर को और भी खूबसूरत बना देंगे।

कुर्ग के पर्यटन स्थल

कुर्ग के आसपास घूमने के लिए कई बेहतरीन जगहें हैं। कुर्ग में आप ईरपु फॉल्स, नालबंद पैलेस, राजा की गुंबद, अब्बे फॉल्स और मदिकेरी किले घूम सकते हैं। इसके अलावा यहां पर आप ओंकारेश्वर मंदिर,नामद्रोलिंग मठ और मंडलपट्टी व्यू पॉइंट में भी घूमने का आनंद ले सकते हैं।

ऐसे पहुंचें कुर्ग

कुर्ग के लिए आप एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन दोनों ही सुविधाएं मिलेंगी। अगर आप फ्लाइट से कुर्ग जाने का प्लान कर रहे हैं तो मैंगलोर इंटरनेशनल एयरपोर्ट नजदीक है।

महाबलेश्वर क्षेत्र कृष्णा नदी का स्रोत है जो पूर्व में महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश से होते हुए बंगाल की खाड़ी की ओर बहती है। कृष्णा की तीन सहायक नदियों- कोयना, वेन्ना (वेनी) और गायत्री का स्रोत भी महाबलेश्वर क्षेत्र में है।

महाराष्ट्र में पर्यटन का एक प्रमुख स्थान है महाबलेश्वर

महाबलेश्वर महाराष्ट्र के सतारा जिले में एक छोटा-सा शहर है। यह हिंदुओं का तीर्थ स्थान है क्योंकि कृष्णा नदी का उद्गम यहीं है। ब्रिटिश औपनिवेशिक शासकों ने इस शहर को एक हिल स्टेशन के रूप में विकसित किया और इसे ब्रिटिश राज के दौरान बॉम्बे प्रेसीडेंसी की ग्रीष्मकालीन राजधानी बनाया था। महाबलेश्वर पश्चिमी घाट की पहाड़ी सह्याद्रि श्रृंखला पर स्थित है जो भारत के पश्चिमी तट के साथ उत्तर से दक्षिण तक फैली हुई है। यह शहर पुणे से लगभग 122 किमी दक्षिण पश्चिम और मुंबई से 285 किमी दूर है।

महाबलेश्वर क्षेत्र कृष्णा नदी का स्रोत है जो पूर्व में महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश से होते हुए बंगाल की खाड़ी की ओर बहती है। कृष्णा की तीन सहायक नदियों- कोयना, वेन्ना (वेनी) और गायत्री का स्रोत भी महाबलेश्वर क्षेत्र में है। चौथी नदी सावित्री का स्रोत भी इसी क्षेत्र में है, लेकिन यह महाड से होते हुए पश्चिम की ओर अरब सागर में बहती है। इस क्षेत्र की जलवायु स्ट्रॉबेरी की खेती के लिए उपयुक्त है। देश में कुल स्ट्रॉबेरी उत्पादन में महाबलेश्वर का योगदान लगभग 85 प्रतिशत है।

किंवदंती है कि 13वीं शताब्दी के एक यादव शासक ने कृष्णा नदी के स्रोत पर एक छोटा मंदिर और पानी का टैंक बनवाया था। महाबलेश्वर के आसपास के क्षेत्र, जिसे जवाली की घाटी कहा जाता है, पर मोरे (कबीले) का शासन था जो बीजापुर के आदिलशाही सल्तनत के जागीरदार थे। 1656 में, मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी ने राजनीतिक परिस्थितियों के कारण जावली के वली के तत्कालीन शासक चंद्रराव मोरे की हत्या कर दी और उस क्षेत्र पर कब्ज़ा कर लिया। उसी समय के आसपास शिवाजी ने महाबलेश्वर के पास एक पहाड़ी किला भी बनवाया, जिसे प्रतापगढ़ किला कहा जाता है।

महाबलेश्वर महाराष्ट्र में पर्यटन का एक प्रमुख स्थान है। यहां के आकर्षणों में बॉम्बे पॉइंट, आर्थर सीट, केट्स पॉइंट, लॉडविक-विल्सन पॉइंट और एल्फिन्स्टन पॉइंट जैसे आसपास की पहाड़ियों, घाटियों और जंगलों के दृश्यों के साथ कई पहाड़ी किनारे के लुक आउट पॉइंट शामिल हैं। विल्सन पॉइंट महाबलेश्वर का एकमात्र स्थान है जहाँ सूर्योदय और सूर्यास्त दोनों देखे जा सकते हैं। शहर में ब्रिटिश काल की एक मानव निर्मित झील भी है जिसे वेन्ना झील कहा जाता है। झील नौकायन के लिए लोकप्रिय है। यह एक बाजार और खाद्य स्टालों से घिरा हुआ है जो पर्यटकों के बीच लोकप्रिय हैं। अन्य आकर्षणों में लिंगमाला झरना शामिल है। पुराना महाबलेश्वर अपने महादेव मंदिर के साथ एक तीर्थ स्थान है। अपेक्षाकृत ठंडी जगह होने के कारण, महाबलेश्वर और आसपास की पहाड़ियों में कई समशीतोष्ण क्षेत्र की फसलें जैसे स्ट्रॉबेरी, रसभरी और शहतूत उगाई जाती हैं।

छत्रपति शिवाजी द्वारा निर्मित प्रतापगढ़ का ऐतिहासिक किला घूमने के लिए एक लोकप्रिय स्थान है। यह शिवाजी महाराज और बीजापुर के सेनापति अफजल खान के बीच मुठभेड़ का स्थल है, जहां छत्रपति शिवाजी महाराज ने अफजल खान को हराया और मार डाला था। यहां छोटी-छोटी दुकानें, रेस्तरां और एक हस्तशिल्प की दुकान है। कई स्कूल किले में शैक्षिक यात्राओं का भी आयोजन करते हैं।

सिर्फ 3 दिन में घूमना चाहते हैं कश्मीर तो इन हसीन वादियों को करें एक्सप्लोर, यादगार होगा ट्रिप

अनन्या मिश्रा

कश्मीर घूमने के लिए ना सिर्फ भारतीय बल्कि विदेशों से भी लोग आते हैं। यहां पर कई ऐसे आकर्षक पर्यटन स्थल हैं, जो पर्यटकों का मन मोह लेते हैं। कश्मीर की सारी जगहें काफी फेमस हैं। यहां पर कई ऐसे आकर्षक पर्यटन स्थल हैं, जो पर्यटकों का मन मोह लेते हैं। अक्सर घूमने के शौकीन लोग समय मिलते ही घूमने का प्लान बना लेते हैं। धरती का स्वर्ग कहे जाने वाला कश्मीर बेहद खूबसूरत है। कश्मीर अपनी हसीन वादियों, आकर्षक नजारों, पहाड़ों और झीलों तक के लिए काफी ज्यादा फेमस है। कश्मीर घूमने के लिए ना सिर्फ भारतीय बल्कि विदेशों से भी लोग आते हैं। यहां पर कई ऐसे आकर्षक पर्यटन स्थल हैं, जो पर्यटकों का मन मोह लेते हैं। कश्मीर की सारी जगहें काफी फेमस हैं। ऐसे में अगर आप भी सिर्फ 3 दिन में कश्मीर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो बता दें कि यह आर्टिकल आपके लिए हैं। हम आपको कश्मीर की कुछ बेहद फेमस जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको आप अपने ट्रिप के दौरान एक्सप्लोर कर सकते हैं।

पहला दिन

वैसे तो कश्मीर में घूमने के लिए कई फेमस जगहे हैं। लेकिन आप अपने सफर के पहले दिन की शुरूआत कश्मीर की राजधानी से कर सकते हैं। ट्रिप के दौरान आप श्रीनगर और उसके आसपास की फेमस जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। इसके अलावा आप डल झील में शिकारा की सैर करने का लुत्फ लेना ना भूलें। साथ ही श्रीनगर में वुलर झील, बारामूला, अनंतनाग, मुगल गार्डन और शंकराचार्य मंदिर भी घूम सकते हैं।

दूसरा दिन

श्रीनगर में पहला दिन बिताने के बाद आप दूसरे दिन सोनमर्ग जा सकते हैं। श्रीनगर से सोनमर्ग की दूरी 80 किमी है। सोनमर्ग जाने में आपको करीब ढाई घंटे का समय लगेगा। सोनमर्ग में आप बालतल, विशनसर झील, थजिवास ग्लेशियर, कृष्णसार और गद्सर झील एक्सप्लोर कर सकते हैं।

तीसरा दिन

ट्रिप के तीसरे दिन और आखिरी दिन आप पहलगाम को एक्सप्लोर कर सकते हैं। पहलगाम में आप सुंदर घाटी, घने जंगल और झीलों को देख सकते हैं। वहीं अगर आप एडवेंचर के शौकीन हैं, तो पहलगाम घूमने के बाद आप गुलमर्ग जा सकते हैं। यहां पर आपको स्की ड्राइविंग करने का मौका मिलेगा। आपको बता दें कि गुलमर्ग की स्की ड्राइविंग दुनियाभर में फेमस है। स्की ड्राइविंग के अलावा आप यहां पर स्ट्रॉबेरी की घाटी, सबसे लंबा गोल्फ कोर्स और एप्पेर झील आदि को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

इन देशों में कार-बाइक की जगह नावों में घूमते हैं लोग

पानी पर बसे हैं ये शहर

जब हॉलिडे मनाने की बात आती है तो हम अनोखी डेस्टिनेशन पर जाना चाहते हैं। आपको बता दें कि दुनिया के इन शहरों में आपको कुछ नया एक्सपीरियंस करने को मिलेगा। बता दें कि इन जगहों पर सड़क नहीं है। बल्कि यहां पर लोग नाव से इधर-उधर जाते हैं।

हनीमून पर जाना हो, या हॉलिडे मनाना हो, हर कोई चाहता है कि उनकी डेस्टिनेशन सुंदर और अनोखी होनी चाहिए। अगर आप भी किसी ऐसी जगह की तलाश में हैं, तो दुनिया भर में कई खूबसूरत शहर और कस्बे मौजूग हैं। इन जगहों पर एक-जगह से दूसरी जगह पर जाने के लिए नाव करनी पड़ती है। यन जगहों पर आपको सड़क नहीं मिलेगी। अगर आप भी इन जगहों पर जाते हैं तो वहां पर आप नाव के जरिए इधर-उधर जा सकते हैं। आइए जानते हैं उन जगहों के बारे में...

सुझाऊ

सुझाऊ चीन का एक गांव है। इस गांव का अपना इतिहास रहा है। बता दें कि यहां के लोगों को नाव से चलना काफी पसंद है। इसलिए आपको यहां पर पेड़ों के आपसाप नहरों में ढेरों चलती हुई नाव देखने को मिलेंगी।

एनेसी

फ्रांस का एनेसी पानी पर बसा हुआ है। आपको यहां पर कुछ ही मीटर पर कई ब्रिज देखने को मिलेंगे। यहां पर नहर के किनारे काफी संख्या में रेस्तरां बने हैं। इन रेस्तरां में आप सुबह की चुस्कियां लेने के लिए पहुंच सकते हैं। बता दें कि यह जगह लार्ड एनेसी के नाम बनी हुई है।

वेनिस

वेनिस शहर की गिनती इटली के सबसे खूबसूरत शहरों में आता है। यह पूरा शहर पानी में बसा हुआ है। इस शहर को छोटे-छोटे आइसलैंड के साथ मिलकर बनाया है। अगर आप भी इटली घूमने जाएं तो एक बार गंडोला राइड का लुत्फ जरूर लें। यहां पर आपको एक भी सड़क नहीं दिखेगी।

गेनवी

अफ्रीका का छोटा गांव गेनवी अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है। गेनवी की आजादी करीब 20 हजार के आसपास है। यह गांव नोकुई झील के बीच पर बसा है। यहां पर लोग नाव पर बैठकर बिजनेस करते हैं। घूमने के लिहाज से यह बेहतरीन जगह है।

स्टॉकहोम

स्वीडन की राजधानी स्कॉटहोम भी एक खूबसूरत शहर है। यह 14 आइसलैंड पर बना है। बता दें कि स्कॉटलैंड में 50 से ज्यादा ब्रिज मौजूद हैं। झील के किनारे बना यह शहर अपनी नीली इमारतों के लिए भी जाना जाता है।

दिल्ली के आसपास मौजूद ये जगहें हैं बेहद खूबसूरत, इस वीकेंड जरूर बनाएं घूमने का प्लान

दिमाग को शांत रखने के लिए घूमने से अच्छा और कोई ऑप्शन नहीं हो सकता है। क्योंकि ट्रेवलिंग सिर्फ 2 मिनट की हो, या फिर 2 घंटे की दूरी का। लेकिन यह अक्सर हमारे मन को खुशी देने का काम करती है। ऐसे में अगर आप भी बोरियत को खत्म करने के लिए कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं और साथ ही बजट फ्रेंडली ट्रिप पर जाना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दिल्ली से घूमी जाने वाली कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें आप कम बजट में एक्सप्लोर कर सकते हैं। आइए जानते हैं इन जगहों के बारे में...

दिल्ली से आगरा

आगरा शहर दुनिया की एक ऐसी जगह है, जहां पर न सिर्फ भारतीय बल्कि विदेशी पर्टयक भी भारी संख्या में पहुंचते हैं। आगरा में दुनिया के सात अजूबों में शामिल ताजमहल के दीदार के लिए यहां पर्यटकों की भारी भीड़ लगती है। ताजमहल को प्यार का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में आप इस वीकेंड आगरा का ट्रिप प्लान कर सकते हैं। आपको बता दें कि दिल्ली से आगरा ट्रिप के लिए आपके पास 5 हजार रुपए खर्च होंगे। दिल्ली से आगरा की दूरी 233 किमी है।

दिल्ली से जिम कॉर्बेट

भारत के प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यानों में शामिल जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क वीकेंड गेटवे में से एक है। यहां पर आपको करीब 5 हजार से अधिक पक्षियों की प्रजातियां और स्तनधारियों की 50 प्रजातियों को देखने का मौका मिलेगा। इसके साथ ही अगर यहां पर खाने, रहने, ट्रांसपोर्ट, एंट्री चार्जेस आदि की बात करें, तो आपको दो दिन के लिए प्रति व्यक्ति पर 4000 रुपए खर्च करने पड़ेंगे। दिल्ली से जिम कॉर्बेट की दूरी 246 किमी है।

दिल्ली से उदयपुर

उदयपुर अपनी खूबसूरत झीलों, नजारों और आकर्षक संरचनाओं के लिए फेमस है। यहां पर आप जमकर खरीददारी भी कर सकते हैं। उदयपुर में सूर्यास्त का नजारा देखने लायक होता है। दिल्ली से उदयपुर की दूरी 633 किमी है। यहां पर आपको दो दिन के लिए प्रति व्यक्ति 5 हजार रुपए देने होंगे।

दिल्ली से मैक्लोडगंज

हिमाचल के कांगड़ा जिले में मैक्लोडगंज या लिटिल ल्हासा स्थित है। मैक्लोडगंज प्रकृति से घिरा होने के साथ ही तिब्बती रंग रूप से लदा हुआ है। बता दें कि यह दिल्ली के सबसे अच्छे वीकेंड गेटवे में से एक है। आपकी यह ट्रिप भी बजट फ्रेंडली होने वाली हैं। यहां पर आप तिब्बती कार्य पुस्तकालय, तिब्बती आर्ट कल्चर संस्थान, स्थानीय कैफे और मैक्लोडगंज का मठ में तिब्बती संस्कृति की झलक देख सकते हैं। दिल्ली से मैक्लोडगंज की दूरी 488 किमी है।

दिल्ली से ऋषिकेश

ऋषिकेश एक आध्यात्मिक और बेहद खूबसूरत शहर है। यहां पर लोग एडवेंचर का लुत्फ उठाते हैं। ऐसे में आप भी ऋषिकेष में कैंपिंग और राफ्टिंग से लेकर बंजी तक का आनंद ले सकते हैं। एडवेंचर और प्रकृति प्रेमियों के लिए यह जगह बेस्ट है। दिल्ली से ऋषिकेश तक जाने की दूरी 242 किमी है।

कम बजट में घूमना चाहते हैं कर्नाटक तो इन जगहों को करें एक्सप्लोर

सफर बनेगा यादगार

कर्नाटक में आपको मंत्रमुग्ध कर देने वाले नजारे, सांस्कृतिक विरासत, शांत समुद्र तट से लेकर शानदार भोजन तक सब कुछ मिलेगा। इसलिए अगर आप भी कर्नाटक घूमने का प्लान कर रहे हैं तो इन जगहों को जरूर एक्सप्लोर करें।

भारत के टॉप 5 पर्यटन स्थलों की लिस्ट में कर्नाटक का नाम भी शामिल है। यहां पर आप बेलगाम से लेकर बैंगलोर तक में घूमने और देखने के लिए काफी कुछ है। इस खूबसूरत राज्य में आपको कई मनमोहक नजारे देखने को मिलेंगे। अगर आप भी कर्नाटक घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आज इस आर्टिकल में आपको राज्य की कुछ बेस्ट जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। कर्नाटक जाने के बाद आपको इन जगहों को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। साथ ही आप यहां पर आने के बाद खुद को प्रकृति के और करीब पाएंगे।

कुर्ग हिल स्टेशन

घने पहाड़ों और धुंध से घिरा कूर्ग हिल स्टेशन प्रकृति प्रेमियों के लिए किसी जन्नत से कम नहीं है। कुर्ग शहर विविध वनस्पतियों और जीवों, सुगंधित मसालों और कॉफी के बागानों के लिए काफी फेमस है। यह पर आपको झरने से लेकर ट्रेकिंग, मंदिर और ऐतिहासिक किले देखने को मिलेंगे। यहां कई तिब्बती बस्तियां भी देखी जा सकती है। यहां पर आप स्वादिष्ट भोजन के अलावा यहां की संस्कृति का भरपूर आनंद उठा सकते हैं। इरुप्पु जलप्रपात, तडियांदामोल शिखर, नामद्रोलिंग मठ आदि यहां के प्रमुख आकर्षण के केंद्र हैं।

जोग फॉल्स

मेघालय के बाद भारत का दूसरा सबसे ऊंचा जलप्रपात जोग फॉल्स है। 253 मीटर की अविश्वसनीय ऊंचाई से झरना गिरता है। शिवमोग्गा में स्थित यह फेमस जलप्रपात सभी पर्यटकों को जरूर देखना चाहिए। यह स्थान पिकनिक और विश्राम के दिन के लिए एकदम परफेक्ट है। इसे लोग जेरसप्पा या जोगा फॉल के नाम से जानते हैं। जुलाई से मार्च महीने का समय यहां आने के लिए अच्छा रहता है। इन दिनों आप यहां पर बारिश में झरनो और हरियाली का सुखद अनुभव ले सकते हैं।

बीजापुर

बीजापुर कर्नाटक की सबसे बेहतरीन जगहों में से एक है। यहां पर आपको जामिया मस्जिद, बड़ा कमान, मलिक-ए-मैदान, गोल गुंबज के अलावा इब्राहिम रोजा रोड जैसे कई मुगल वास्तुकला से

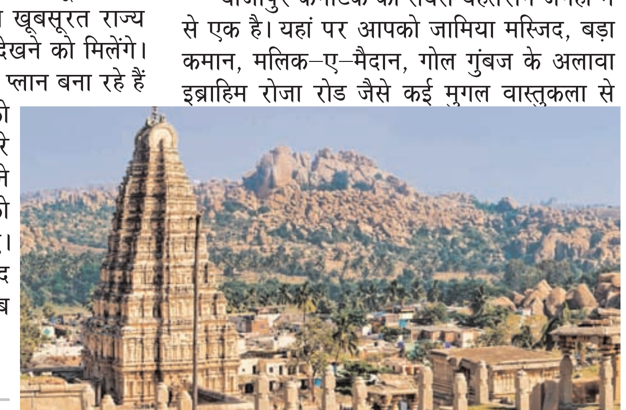

परिचित होने का मौका मिलेगा। इसके अलावा आप यहां पर शिवगिरी शिव मंदिर, गगन महल, भूतल झील, बीजापुर फोर्ट, मेहतर महल, साथ खबर के साथ काफी कुछ देख सकते हैं।

नागरहोल राष्ट्रीय उद्यान

नागरहोल राष्ट्रीय उद्यान राज्य का एक फेमस बाघ अभयारण्य है। प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों के लिए नागरहोल नेशनल पार्क एकदम सही है। यहां पर आप टाइगर रिजर्व के कई जानवरों की प्रजातियों और वनस्पतियों को देख सकते हैं। इस राष्ट्रीय उद्यान तक पहुंचने के लिए देश भर से यहां पहुंचते हैं। यहां पर आप वन्य जीवन और प्रकृति की सुंदरता का आनंद ले सकते हैं। इसके अलावा यहां पर आप सफारी का सफर भी कर सकते हैं।

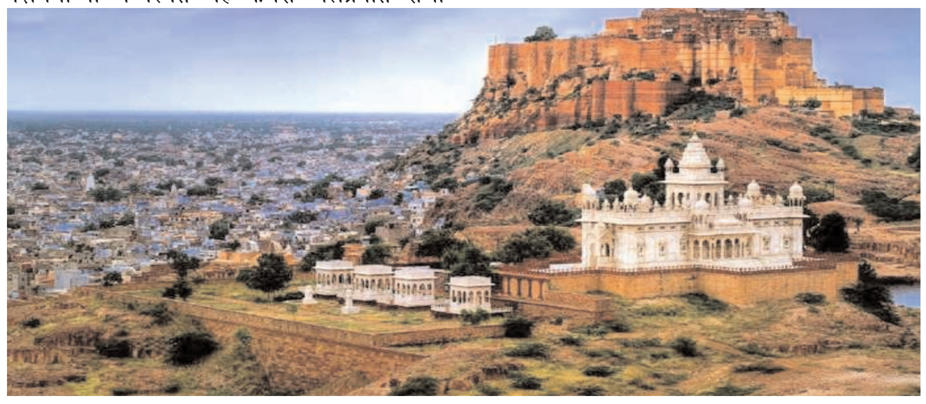

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय

प्रमुख समाचार

4 दिसंबर से शुरू हो रहा संसद का शीतकालीन सत्र

नईदिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र अगले सप्ताह से शुरू हो रहा है। सरकार की ओर से सत्र के दौरान 18 विधेयकों को सूचीबद्ध किया है, जिनमें जम्मू-कश्मीर और पुडुचेरी में महिला आरक्षण अधिनियम के प्रावधानों को बढ़ाने के लिए दो और आपराधिक कानूनों को बदलने के लिए तीन विधेयक शामिल हैं। सत्र 4 दिसंबर को शुरू होगा और 22 दिसंबर को समाप्त होगा। लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी बुलेटिन के अनुसार, सरकार कश्मीरी प्रवासियों, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के विस्थापितों और अनुसूचित जनजातियों को प्रतिनिधित्व प्रदान करने के लिए जम्मू-कश्मीर विधानसभा की सदस्यों की संख्या 107 से बढ़ाकर 114 करने के लिए एक विधेयक लाने की भी योजना बना रही है। जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 जम्मू और कश्मीर विधानसभा में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित करने का प्रावधान करता है।

कांग्रेस ने के. कविता की चुनाव आयोग से की शिकायत

हैदराबाद। तेलंगाना में गुरुवार को मतदान हुआ और राज्य में कांग्रेस, बीजेपी और बीआरएस के बीच त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल रहा है। इस बीच, कांग्रेस ने बीआरएस नेता और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। कांग्रेस का आरोप है कि के कविता ने आचार सहिंता का उल्लंघन किया है और उन्होंने मतदान के दिन अपनी पार्टी के लिए वोट मांगे। तेलंगाना कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और चुनाव आयोग समन्वय समिति के अध्यक्ष जी निरंजन ने कहा कि कविता ने लोगों से अपनी पार्टी के लिए वोट करने की अपील करके चुनाव संहिता का उल्लंघन किया है। डीएवी स्कूल, बंजारा हिल्स में मतदान केंद्र पर अपना वोट डालने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए, कविता ने मतदाताओं से बीआरएस के लिए वोट करने की अपील की जो कि कोड का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि इसे तेलंगाना के मुख्य चुनाव अधिकारी विकासराज के संज्ञान में लाया गया है।

मतदान केंद्र पर भिड़े भाजपा बीआरएस कार्यकर्ता

हैदराबाद। तेलंगाना में विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार को मतदान हुआ। बीआरएस कार्यकर्ताओं का आरोप है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी के भाई कोंडल रेड्डी कामारेड्डी इलाके में विभिन्न बूथों का दौरा कर रहे हैं, जबकि वह उन बूथों के मतदाता भी नहीं हैं। बीआरएस ने इसकी शिकायत चुनाव आयोग से करने की बात कही है। वहीं कोंडल रेड्डी का कहना है कि बीआरएस कार्यकर्ताओं ने उन पर हमले की कोशिश की। कोंडल रेड्डी ने भी पुलिस से शिकायत की है। वहीं तेलंगाना की जनगांव विधानसभा सीट पर भाजपा और बीआरएस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। हालांकि पुलिस ने किसी तरह हालात को नियंत्रित कर लिया। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को थप्पड़ मारते दिख रहा है। साथ ही उसने व्यक्ति का कॉलर भी पकड़ लिया लेकिन मौके पर मौजूद एक पुलिसकर्मी ने हालात को किसी तरह से नियंत्रित किया।

वोटिंग से पहले कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने की गाय की पूजा

हैदराबाद। तेलंगाना में विधानसभा की कुल 119 सीटों के लिए 2,290 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। राज्य के 3.26 करोड़ मतदाता इनकी किस्मत का फैसला करेंगे। सभी राजनीतिक दलों के नेता वोट डालने में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। वहीं, वोट डालने से पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी और उनकी पत्नी गीता ने कोडंगल के विकाराबाद में अपने आवास पर गौ पूजन किया। इसके बाद पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में अच्छे दिन आने वाले हैं। दुराला सरकार जाएगी और प्रजला सरकार आएगी। वहीं उनसे सवाल किया गया कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है तो क्या वह मुख्यमंत्री होंगे, इस पर कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने कहा कि क्रिकेट टीम चुनने की तरह ही सीएम चुनने की भी एक प्रक्रिया होती है। 85 विधायक हैं, हर कोई सीएम पद के लिए सक्षम है। रेवंत रेड्डी ने कहा कि 10 साल तक केसीआर सरकार के तहत राज्य के किसानों को नुकसान उठाना पड़ा।

टीएमसी के विधायक, पार्षदों के घरों पर सीबीआई के छापे

कोलकाता। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पश्चिम बंगाल में कथित स्कूल भर्ती घोटाले में संलिप्तता के आरोप में गुरुवार को एक विधायक और दो पार्षदों सहित तृणमूल कांग्रेस के कई नेताओं के आवासों पर एक साथ छापेमारी की है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार केंद्रीय एजेंसी ने मुर्शिदाबाद जिले के डोमकल के विधायक जफीकुल इस्लाम और कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के पार्षद बप्पादित्य दासगुप्ता और बिधाननगर नगर निगम के पार्षद देबराज चक्रवर्ती के आवास पर छापा मारा है। सीबीआई अधिकारी ने बताया कि यह छापेमारी शिक्षक भर्ती घोटाले की हमारी जांच के तहत की जा रही है। छापेमारी जारी है। हम उन लोगों से पूछताछ कर रहे हैं जिनके घरों और कार्यालयों पर छापेमारी की जा रही है। अधिकारी ने बताया कि जांच के सिलसिले में कोलकाता, मुर्शिदाबाद और कूचबिहार जिलों में और उसके आसपास विभिन्न स्थानों पर छापेमारी जारी है।

हम सत्ता भाव से नहीं, सेवा भाव से काम करने वाले हैं : प्रधानमंत्री

मोदी ने महिला किसान ड्रोन और जन औषधि केंद्रों की संख्या बढ़ाने की परियोजना का शुभारंभ किया

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में जन औषधि केंद्रों की संख्या 10,000 से 25,000 तक बढ़ाने की परियोजना का शुभारंभ किया। इस दौरान मोदी ने कहा कि अच्छी दवाई और सस्ती दवाई ये बहुत बड़ी सेवा है। जितने लोग मुझे सुन रहे हैं, उनसे मेरा आग्रह है कि जनऔषधि केंद्र के बारे में लोगों को बताइए। उन्होंने कहा कि दवाइयों पर जो खर्च पहले 12-13 हजार का होता था, वह जनऔषधि केंद्र की वजह से सिर्फ 2-3 हजार हो रहा है यानी 10 हजार रुपये आपकी जेब में बच रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब ड्रोन चलाने के लिए प्रशिक्षण देने की शुरुआत की गई तो इस योजना को लेकर बहुत से लोगों ने संदेह जताए थे। रमन अम्मा जी जैसी महिलाओं ने साबित कर दिया कि ड्रोन कृषि में तकनीक के दायरे से आगे बढ़कर महिला सशक्तिकरण का भी एक प्रतीक बनकर उभरेगा। आप सभी पूरे देश के लिए एक प्रेरणा हैं। विकसित भारत की इस संकल्प यात्रा में आप जैसी महिलाओं की भागीदारी बहुत ही अहम है।

पीएम ने कहा कि मैं जो ये संकल्प यात्रा लेकर निकला हूं, इसके पीछे मेरा मकसद यही है कि जिनको सरकार की योजनाओं का लाभ मिला है, उनके अनुभव जानना है और जिनको नहीं मिला उन्हें 5 साल में उन योजनाओं का लाभ देना है। इसलिए देश के हर गांव में मोदी के विकास की गारंटी की गाड़ी पहुंचने वाली है। उन्होंने कहा कि आज विकसित भारत संकल्प यात्रा के 15 दिन पूरे हो रहे हैं। हमने इस गाड़ी का नाम रखा था विकास रथ, लेकिन इन 15 दिनों में लोगों ने इसका नाम बदल कर मोदी की गारंटी वाली गाड़ी रख दिया है। मुझे ये जानकर अच्छा लगा कि आपको मोदी पर इतना विश्वास है। मैं भी आपको विश्वास दिलाता हूं कि आपको दी हुई सभी गारंटियों को मैं पूरा करूंगा।

मोदी ने कहा कि जिस तरह से लोग विकसित भारत रथों का स्वागत कर रहे हैं, रथ के साथ चल रहे हैं। जिस तरह युवा और समाज के हर वर्ग के लोग विकसित भारत यात्रा से जुड़ रहे हैं। वह प्रेरित करने वाले हैं। उन्होंने कहा

कि सभी लोग अपने गांव की कहानी सोशल मीडिया पर अपलोड कर रहे हैं। लेकिन आप लोग इन कहानियों को नमो एप पर जरूर अपलोड करें क्योंकि मैं नमो एप पर इन गतिविधियों को प्रतिदिन देखता हूं। उन्होंने कहा कि देश के लोगों ने वह दौर भी देखा है, जब पहले की सरकारें खुद को जनता का माई बाप समझती थी। इस कारण आजादी के अनेक दशकों बाद तक देश की बहुत बड़ी आबादी मूल सुविधाओं से वंचित रही।

प्रधानमंत्री ने कहा कि निराशा की स्थिति को हमारी सरकार ने बदला है। आज देश में जो सरकार है, वह जनता-जनार्दन को ईश्वर का रूप मानने वाली सरकार है। हम सत्ता भाव से नहीं, सेवा भाव से काम करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का संकल्प- 4 अमृत स्तंभों पर टिका है। ये अमृत स्तंभ हैं - हमारी नारीशक्ति, हमारी युवा शक्ति, हमारे किसान और हमारे गरीब परिवार। उन्होंने कहा कि मेरे लिए सबसे बड़ी जाति है- गरीब। मेरे लिए सबसे बड़ी जाति है- युवा। मेरे लिए सबसे बड़ी जाति है- महिलाएं। मेरे लिए सबसे बड़ी जाति है- किसान। इन चार जातियों का उत्थान ही भारत को विकसित बनाएगा। उन्होंने कहा कि मैंने लाल किले से देश की ग्रामीण बहनों को ड्रोन दीदी बनाने की घोषणा की थी। और मैंने देखा की इतने कम समय में गांव की हजारों बहनों ने ड्रोन चलाना सीख लिया है। मेरे लिए तो ये ड्रोन दीदी को नमन करने का कार्यक्रम है। इसलिए मैं इस कार्यक्रम को नाम देता हूं नमो ड्रोन दीदी।

आज शिखर सम्मेलन को संबोधित करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन को संबोधित करेंगे और शुक्रवार को दुबई में तीन उच्च स्तरीय कार्यक्रमों में भाग लेंगे। कॉप28 वर्ल्ड क्लाइमेट एक्शन समिट के लिए पीएम मोदी की यूएई यात्रा पर मीडिया ब्रीफिंग के दौरान क्वात्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री वर्ल्ड क्लाइमेट एक्शन समिट के उद्घाटन सत्र में अपना संबोधन देंगे। उन्होंने बताया कि शुक्रवार शाम को भारत लौटने से पहले वह 1 दिसंबर को शिखर सम्मेलन के कार्यक्रमों में भाग लेंगे। कॉप28 में प्रधान मंत्री की भागीदारी के संदर्भ में, वह विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में अपना संबोधन देंगे। विनय क्वात्रा ने आगे बताया कि कॉप28 में अपने संबोधन के अलावा, प्रधान मंत्री तीन उच्च स्तरीय कार्यक्रमों में भी भाग लेंगे, जिनमें से दो की सह-मेजबानी भारत द्वारा की जा रही है। भारत और संयुक्त अरब अमीरात द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाने वाला पहला उच्च-स्तरीय कार्यक्रम ग्रीन क्रेडिट्स इनिशिएटिव का शुभारंभ है। भारत और स्वीडन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित लीडआईटी 2.0 के लॉन्च पर बोलते हुए, विदेश सचिव ने कहा कि यह दूसरा साइड इवेंट 2019 में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में भारत और स्वीडन द्वारा शुरू की गई एक संयुक्त पहल थी। उन्होंने आगे कहा कि यह पहल उद्योग को शुद्ध शून्य उत्सर्जन में बदलने में तेजी लाने के उद्देश्य से निर्णय निर्माताओं के बीच सहयोग को बढ़ावा देती है।

आम चुनाव दिलचस्प और संघर्षपूर्ण साबित होगा : मायावती

लोकसभा चुनाव अपने बलबूते, पूरे दमखम से लड़कर सत्ता हासिल करेंगे

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने पार्टी कार्यकर्ताओं से आगामी लोकसभा चुनाव अपने बलबूते, पूरे दमखम से लड़कर सत्ता हासिल करने का आह्वान करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि अगला आम चुनाव दिलचस्प और संघर्षपूर्ण साबित होगा जिसमें बसपा की भी अहम भूमिका होगी।

बसपा प्रमुख ने आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों के सिलसिले में पार्टी की उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड इकाइयों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में कहा कि सभी कार्यकर्ता पूरे दमखम और ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारी निभाएं ताकि लोकसभा चुनाव में बेहतर नतीजे हासिल कर सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय की सरकार बनाई जा सके।

मायावती ने देश की सियासी स्थिति का जिक्र करते हुए कहा, केंद्र की और उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्य सरकारों की संकीर्ण, जातिवादी तथा जनविरोधी नीतियों एवं कार्यप्रणाली की वजह से राजनीतिक हालात तेज़ी से बदल रहे हैं। लोग किसी एक पार्टी का वर्चस्व नहीं चाहते बल्कि वह बहुकोणीय संघर्ष का रास्ता चुनने को आतुर नजर आ रहे हैं।''

उन्होंने कहा कि इन हालात में अगला लोकसभा चुनाव संघर्षपूर्ण, व्यापक जनहित एवं देशहित में होने की प्रबल संभावना है जिसमें बसपा की भी अहम भूमिका होगी। उन्होंने कहा ''ऐसे में पार्टी को समय-समय पर दिये जा रहे ज़रूरी दिशा-निर्देशों पर ईमानदारी व निष्ठापूर्वक मेहनत करके अच्छा नतीजा हासिल किया जा सकता है।

मायावती ने कहा कि चुनाव में अच्छे नतीजे मिलने से बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर के आत्मसम्मान व स्वाभिमानी आंदोलन को केवल उत्तर प्रदेश में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में मज़बूती मिलेगी। मायावती ने आगामी छह दिसंबर को डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस को पूरी मिशनरी भावना के अनुरूप आयोजित करने के निर्देश देते हुए कहा कि इस बार पश्चिमी उत्तर प्रदेश के छह मण्डलों... आगरा, अलीगढ़, बरेली, मुरादाबाद, मेरठ तथा सहारनपुर के लोग नोएडा में राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल ग्रीन गार्डेन में बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

उन्होंने कहा कि शेष 12 मण्डलों के लोग लखनऊ में डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल स्थित डॉक्टर आम्बेडकर स्मारक में उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। मायावती ने दावा किया कि बसपा आम्बेडकर के आत्म-सम्मान एवं स्वाभिमान के कारवाँ को आगे बढ़ाने का दृढ़संकल्प रखने वाली देश की एकमात्र पार्टी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल में जनता रोजगार, सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य समेत विभिन्न सुविधाओं के लिये तरस रही है। उन्होंने कहा ''भाजपा भी सपा व कांग्रेस की तरह अपने काम के बल पर जनता से वोट माँगने की स्थिति में नहीं है इसीलिए वह संकीर्ण, भड़काऊ एवं विभाजनकारी मुद्दों का सहारा ले रही है।'' उन्होंने आगाह किया कि इससे ख़ासकर बहुजन समाज के लोगों को बहुत सावधान रहना है और किसी तरह के बहकावे में नहीं आना है।

खेल

प्रमुख समाचार

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथे टी20 मैच आज

रायपुर। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही पांच मैचों टी-20 सीरीज का चौथा मैच 1 दिसंबर को खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच ये मुकाबला रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में होगा।

दरअसल, शुरुआती दो मैचों में जीत हासिल करने के बाद भारतीय टीम को तीसरे टी20 में करीबी हार का सामना करना पड़ा, जिसमें ग्लेन मैक्सवेल के शानदार शतक ने ऑस्ट्रेलिया की आखिरी गेंद पर जीत में अहम भूमिका निभाई।

वेदर रिपोर्ट के अनुसार, रायपुर में 1 दिसंबर की शाम धुंधली रहेगी। भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया चौथे टी20 मैच के दौरान शाम 7 बजे से भारतीय समयानुसार रात 10.30 बजे तक अधिकतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। मैच के दिन बारिश की कोई संभावना नहीं है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया ने एक दूसरे के खिलाफ 29 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले जा चुके हैं। 29 मैचों में से भारत ने 17 मौकों पर जीत दर्ज की है, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 11 मुकाबलों में जीत हासिल की है। एक मैच बिना नतीजे के समाप्त हुआ।

भारत- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़ (उपकप्तान), ईशान किशन, यशस्वी जयसवाल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा। आवेश खान, दीपक चाहर, श्रेयस अय्यर।

ऑस्ट्रेलिया- मैथ्यू वेड (कप्तान), जेसन बेहरेनडोर्फ, टिम डेविड, बेन ड्वारशुइस, नाथन एलिस, क्रिस ग्रीन, आरोन हार्डी, ट्रैविस हेड, बेन मैकडरमॉट, जोश फिलिप, तनवीर सांघा, मैट शॉर्ट, केन रिचर्डसन।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/

प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 87 अंक चढ़ा निफ्टी 20 हजार के पार

नईदिल्ली। भारतीय शेयर बाजार नवंबर के आखिरी दिन बढ़त के साथ बंद हुआ। बीएसई सेंसेक्स 86.53 अंक चढ़कर 66,988.44 और एनएसई निफ्टी 36.55 अंक की उछाल के साथ 20,133.15 अंक पर बंद हुआ। शेड्यूल्ड मंथली डेरिवेटिव एक्सपायरी और अमेरिकी बाजारों में नरम रुख के बीच अत्यधिक अस्थिर व्यापार में बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी आज मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। स्मॉलकैप, मिडकैप ने कमजोर बेंचमार्क लाभ से भारतीय बाजारों ने बेहतर प्रदर्शन किया। निफ्टी बैंक, पीएसबी इंडेक्स में गिरावट आई तो वहीं फार्मा, और रियल्टी सेक्टर में बढ़ोतरी देखने को मिली। गंधार ऑइल पहले ही दिन इश्यू प्राइस से 79 फीसदी ज्यादा चढ़ गया। वहीं दूसरी तरफ, करीब 2 दशक के बाद टाटा ग्रुप की कोई कंपनी आईपीओ लेकर आई और आज यानी शेयर मार्केट में दमदार एंट्री मार दी।

'ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया फाउंडेशन' को अनुदान देगा वॉलमार्ट फाउंडेशन

नई दिल्ली। वॉलमार्ट फाउंडेशन ने 'ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया फाउंडेशन' को 12 लाख अमेरिकी डॉलर (करीब 10 करोड़ रुपये) का अनुदान देने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। उत्तर प्रदेश में 15,000 महिला ग्रामीण किसानों की औसत आधार आय बढ़ाने व उनकी आजीविका में सुधार करने के लिए इस अनुदान का इस्तेमाल किया जाएगा। फाउंडेशन की ओर से जारी बयान के अनुसार, अनुदान का इस्तेमाल दो साल की परियोजना के लिए किया जाएगा। मुख्य रूप से 10 आत्मनिर्भर महिला नेतृत्व वाले एफपीओ (किसान उत्पादक संगठन) बनाने। महिला किसानों की आजीविका बढ़ाने तथा विविधता लाने के लिए एक मंच तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

वॉइट ऑयल कंपनी ने की शेयर बाजार में शानदार एंट्री

नईदिल्ली। वॉइट ऑयल कंपनी गांधार ऑयल रिफाइनरी की आज शेयर बाजार में शानदार एंट्री हुई। कंपनी के आईपीओ को निवेशकों की तरफ से जबरदस्त रिस्पांस मिला। आईपीओ के तहत कंपनी का इश्यू प्राइस 169 रुपये था। शेयर बाजार में तगड़ी एंट्री के बाद इसके निवेशकों को 74.79 फीसदी का लिस्टिंग गेन मिला और इसके शेयर एनएसई पर 298 रुपये और बीएसई पर 295.40 रुपये पर लिस्ट हुए। गुरुवार को नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर लिस्टेड शेयरों के साथ मजबूत शेयर बाजार की शुरुआत की है। लिस्टिंग के बाद, बीएसई पर कंपनी का शेयर प्राइस दोगुना से ज्यादा या 104 प्रतिशत बढ़कर 344.60 रुपये हो गया। सुबह 10.02 बजे; यह 328.85 रुपये पर ट्रेड कर रहा था, जो इसके इश्यू प्राइस से 95 प्रतिशत ज्यादा है। 11.39 बजे बीएसई पर गांधार ऑयल रिफाइनरी के शेयरों में 4.50 फीसदी की बढ़त देखने को मिली।

फेडबैंक फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर ने सपाट शुरुआत के बाद की वापसी

नईदिल्ली। फेडबैंक फाइनेंशियल सर्विसेज (फेडफिना) के शेयर ने बृहस्पतिवार को बाजार में सपाट शुरुआत की, हालांकि जल्द ही वापसी कर ली। शेयर 140 रुपये के निर्गम मूल्य से करीब दो प्रतिशत की गिरावट के साथ बाजार में सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 1.60 प्रतिशत की गिरावट के साथ 137.75 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। हालांकि बाद में 5.35 प्रतिशत के उछाल के साथ 147.50 रुपये पर पहुंच गए। एनएसई पर शेयर ने 1.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ 138 रुपये पर शुरुआत की। बाद में वापसी करते हुए यह 147.50 रुपये पर पहुंच गए। कंपनी का शुरुआती कारोबार में बाजार मूल्यांकन 5,377.55 करोड़ रुपये रहा। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 133-140 रुपये प्रति शेयर रखा गया था।

अर्थतंत्र : लोक लुभावन नीतियों का दौर

राजेश कुमार

भारत में लोक लुभावन नीतियों पर व्यय कोई नई बात नहीं है। विश्व बैंक के हाल के एक अध्ययन में विकसित एवं विकासशील देशों में राजनीतिक बजट के पहलुओं पर विचार किया गया है। अध्ययन के अनुसार दक्षिण एशिया में चुनावों के दौरान औसतन प्राथमिक घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 0.5 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। सत्ताधारी दल मतदाताओं को सीधा लाभ देने या तेज आर्थिक वृद्धि दिखाने के लिए राजकोष के द्वार खोल देते हैं। इसका एकमात्र उद्देश्य सत्ता में वापसी होता है।

भारत के संदर्भ में मौजूदा आंकड़े बताते हैं कि 1960 के दशक से लेकर 2000 के मध्य तक प्रांतीय स्तर पर हुए चुनावों में राज्यों के व्यय में भारी इजाफा देखा गया। लोक लुभावन नीतियों के बढ़ते चलन के बीच यह समझना उपयोगी होगा कि चुनाव के बाद सरकार के व्यय एवं इनकी संरचना किस तरह बदल जाते हैं।

कर्नाटक के एक वरिष्ठ मंत्री को यह कहते हुए उद्धृत किया गया है कि चुनाव के समय के किए गए वादे पूरे करने के चक्कर में विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

ऐसे वादे केवल राज्यों तक ही सीमित नहीं रहते हैं। केंद्र सरकार ने लगभग 81 करोड़ लोगों को निःशुल्क खाद्यान्न वितरण करने की योजना अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ा दी है।

सरकार ने कोविड महामारी के दौरान राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के लाभार्थियों को निःशुल्क खाद्यान्न वितरण करने की शुरुआत की थी। यह एक सराहनीय कदम था और इससे देश की एक बड़ी आबादी को खासी राहत मिली थी। निःशुल्क खाद्यान्न देने की योजना की

अवधि कई बार बढ़ाई गई और बाद में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम में इसका एक साल के लिए विलय हो गया। यह एक वर्ष की अवधि इस साल के अंत में समाप्त होनी थी।

सरकार चुनाव के दौरान जो वादे करती है और जो निर्णय लेती है उसका असर केवल राजकोषीय स्तर पर ही नहीं होता है। कुछ राज्य तो पुरानी पेंशन प्रणाली फिर लागू करने की तरफ कदम बढ़ा रहे हैं। पुरानी पेंशन प्रणाली खत्म करने को महत्त्वपूर्ण सुधार माना गया था।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अर्थशास्त्रियों द्वारा किए गए एक नवीनतम अध्ययन के दौरान पुरानी पेंशन प्रणाली लागू होने से राज्यों पर राजकोषीय दबाव राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली की तुलना में 4.5 गुना तक बढ़ सकता है। पुरानी पेंशन प्रणाली फिर से शुरू करने का सीधा तात्पर्य यह होगा कि राज्य खास लोगों को पेंशन का लाभ देने के लिए अपने सभी नागरिकों पर कर लगाएगा।

यह स्पष्ट है कि इस तरह के सभी निर्णय लोगों की वास्तविक जरूरत पर आधारित नहीं होते हैं या समाज के सर्वाधिक जरूरतमंद लोगों के हितों को ध्यान में रखकर नहीं लिए जाते हैं। इससे सरकार आवश्यकता के अनुसार विकास कार्यों पर व्यय नहीं कर पाती है।

लोक लुभावन योजनाओं पर अत्यधिक खर्च से पूंजीगत व्यय बढ़ाने की क्षमता कमजोर हो जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि सरकार सड़क, विद्यालयों और अस्पतालों पर काफी कम रकम खर्च कर पाती है। यह विषय वर्तमान समय में इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है कि भारत के सार्वजनिक और सामान्य सरकारी बजट घाटे ऊंचे स्तरों पर हैं और लोक लुभावन योजनाओं पर अगर इसी तरह व्यय होते रहे तो राजकोषीय समेकन की राह लंबी हो सकती है।

इससे देश की वित्तीय स्थिरता और आर्थिक विकास दर दोनों ही प्रभावित होंगी। यह समझने में किसी को कोई परेशानी नहीं होती कि राजनीतिक दल क्यों इस तरह की लोक लुभावन योजनाएं लेकर आते हैं मगर परेशान करने वाली बात यह है कि मतदाता इन वादों को स्वीकार करने में हिचकिचाहट नहीं दिखाते हैं।

यह सच है कि मत डालने का फैसला कई बातों पर निर्भर करता है और यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं है कि लोक लुभावन वादे किस तरह लोगों के मत को प्रभावित करते हैं।

90 विधानसभा सीटों पर मतगणना की तैयारियां पूरी

90 प्रेक्षकों की निगरानी में होगी वोटों की गिनती

रायपुर। छत्तीसगढ़ में दो चरणों में सात और 17 नवंबर हुई वोटिंग के बाद अब रिजल्ट के लिए तीन दिसंबर का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. निर्वाचन आयोग ने इसके लिए 33 जिला मुख्यालयों में 90 सीटों की काउंटिंग के लिए पूरी तैयारी पूरी कर ली है. इसी कड़ी में निर्वाचन आयोग ने सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों में प्रेक्षकों की कि नियुक्ति की है जो कि मतगणना के दौरान मतगणना प्रक्रिया का अवलोकन करेंगे.

जानकरी के मुताबिक निर्वाचन आयोग ने कड़ी सुरक्षा के बीच काउंटिंग कराने का दावा किया है. वोटों की गिनती के दौरान बिना प्राधिकार पत्र के किसी भी व्यक्ति को मतगणना कक्ष में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी. वोटों की गिनती सुबह सुबह 8 बजे से शुरू हो जाएगी.

इस दौरान निर्वाचन आयोग की द्वारा नियुक्त इन प्रेक्षकों की उपस्तिथि में ही मतगणना परिणाम प्रत्येक चरण के बाद आयोग के सॉफ्टवेयर से अपडेट किए जायेंगे.

क्यूआर कोड की होगी स्कैनिंग – मतगणना के दौरान सबसे पहले ईटीपीबीएस (इलेक्ट्रानिकली ट्रांसमिटेड पोस्टल बैलैट सिस्टम) से प्राप्त मतों के क्यूआर कोड की स्कैनिंग होगी, जो प्रेक्षकों की निगरानी में की जाएगी. मतगणना के दौरान प्रेक्षक किसी भी टेबल पर जाकर मतगणना का निरीक्षण कर सकेंगे. प्रेक्षकों के साथ निर्वाचन के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक भी मतगणना प्रक्रिया पर नजर रखेंगे.

हर राउंड की समाप्ति पर दो कंट्रोल यूनिट की जांच– प्रेक्षक की उपस्थिति में हर राउंड की समाप्ति पर प्रत्याशी अथवा उनके अभिकर्ता के समक्ष रेंडम आधार पर किसी दो कंट्रोल यूनिट की जांच की जाएगी. इसके अलावा सभी चक्रों (राउंड) के पूर्ण होने पर पांच वोटर वेरिफाएबल पेपर आडिट ट्रेल (व्हीव्हीपेट) का ड्रॉ के माध्यम से चयन कर मतों का सत्यापन किया जाएगा.

कांग्रेस के मतगणना अभिकर्ता कार्यक्रम का अंतिम दिन –निर्वाचन आयोग के अलावा राजनीतिक पार्टियां भी 3 दिसंबर को होने वाली मतगणना लिए अपने कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित कर रही है.

आज कांग्रेस के मतगणना अभिकर्ता कार्यक्रम का अंतिम दिन है. कांग्रेस राज्य के सभी 33 जिला मुख्यालयों में मतगणना अभिकर्ताओं को प्रशिक्षण दे रही है, इसके लिए बकायदा प्रदेश के मास्टर ट्रेनरों को जिम्मेदारी सौंपी गई है.

भूपेश ने कहा कांग्रेस की ही सरकार बनेगी, रमन ने कहा बीजेपी की

रायपुर। एग्जिट पोल पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि एग्जिट पोल के आंकड़ों में समानता नहीं है लेकिन 2 दिन बाद तो सभी आंकड़े एक समान होंगे, एग्जिट पोल चलने दीजिए, सरकार हमारी बनेगी, भारी बहुमत से बनेगी

एग्जिट पोल पर प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की प्रतिक्रिया सामने आई है। 7 सर्वे एजेंसी के इस एग्जिट पोल रिपोर्ट पर सीएम ने कहा कि जो आंकड़े आज कांग्रेस के लिए नजर आ रहे है वह आने वाले 3 तारीख को एक समान होंगे, एग्जिट पोल चलते रहने दीजिये। सीएम ने दावा किया कि पूर्ण बहुमत से इस बार फिर से उनकी सरकार प्रदेश में बन रही है।

एग्जिट पोल आने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह का बयान सामने आया है, रमन सिंह ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ विधानसभा के एग्जिट पोल सामने आए, बीजेपी ने चुनाव अभियान में मुद्दों को इंगित किया था, 15 से 46 पहुंचने की कल्पना एग्जिट पोल में दिख रही है, लेकिन बीजेपी 48 और 40 पर नहीं रुकेगी, 52 से 55 सीटें बीजेपी जीत कर आएगी। 52 से 55 सीटों पर बढ़त लेकर बीजेपी बहुमत के साथ सरकार बनाएगी।

इसी के साथ पूर्व सीएम ने कांग्रेस के 75 पार के नारे पर तंज भी कसा और कहा कि 75 पार करने वाले 40 पर आकर रुके हुए हैं, मतगणना के दिन कांग्रेस 35 से नीचे जाने वाली है।

प्रदेश में भी चक्रवाती तूफान मिचौंग का दिखेगा असर

रायपुर। बंगाल की खाड़ी में बन रहे चक्रवाती तूफ़ान मिचौंग का असर छत्तीसगढ़ में भी देखने को मिल सकता है. मौसम विभाग ने मिचौंग तूफान के कारण छत्तीसगढ़ ओडिशा महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी दी है. छत्तीसगढ़ में बस्तर, रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर संभाग पर भी इसका असर दिखेगा. मौसम केंद्र ने गुरुवार को आकाश में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना जताई है.

मौसम विशेषज्ञ एचपी चंद्रा के मुताबिक दक्षिण पूर्व बंगाल की खाड़ी और उससे लगे अंडमान सागर के ऊपर एक निम्न दाब का क्षेत्र स्थित है. 30 नवंबर को इसके अवदाब के रूप में परिवर्तित होने की संभावना है. चक्रवात तूफान मिचौंग 2 दिसंबर को दक्षिण पश्चिम बंगाल की खाड़ी में पहुंचेगा. चक्रवात का असर 3 दिसंबर को बस्तर संभाग में दिखेगा. 4 दिसंबर को दुर्ग, रायपुर और बिलासपुर संभाग यानी मध्य छत्तीसगढ़ में इसका असर दिखने की संभावना है. प्रदेश में इन दिनों बंगाल की खाड़ी से निम्न स्तर पर नमी आ रही है, जिसके कारण 30 नवंबर को एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा या चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है.

राज्य के प्रमुख शहरों में मौसम का हाल– राज्य के कई इलाकों में गुरुवार को न्यूनतम तापमान में मामूली गिरावट दर्ज की गई. रायपुर का न्यूनतम तापमान 17.5 डिग्री सेल्सियस था. बुधवार को अधिकतम तापमान रायपुर में 29.2, माना में 29.4, बिलासपुर में 27.4, पेण्ड्रारोड में 25.5, अंबिकापुर में 27.9, जगदलपुर में 30.8, दुर्ग में 27.4 और राजनांदगांव में 27 डिग्री सेल्सियस था. रात को हल्की ठंड थी.

हार के बहाने तलाशने भाजपा चुनाव आयोग जा रही: कांग्रेस

रायपुर। भाजपा के द्वारा बार-बार चुनाव आयोग जाना इस बात का प्रमाण है कि भाजपा चुनाव हार रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि भाजपा अपने तय हार के लिये अभी से बहाना तलाश कर रही है। इसीलिये भाजपा के नेता रोज-रोज नये बहाने तलाशने चुनाव आयोग पहुंच कर आरोप लगाते है। भाजपा कभी निर्वाचन आयोग पर आरोप लगाती है, तो कभी जिलों के अधिकारियों को धमकाती है, तो कभी स्ट्रांग रूम में गड़बड़ी के मनगढ़त आरोप लगाती है। भाजपा की यह बौखलाहट बताती है कि भाजपा चुनाव में बुरी तरह से पराजित हो रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि भाजपा द्वारा लगातार बयानों और चुनाव आयोग में गलत शिकायत करके अधिकारियों को धमका रही है। चुनाव में तय हार की खीझ से भाजपाई अधिकारियों को धमकाने और डरवाने पर उतर आये हैं। चुनाव परिणाम आने के बाद भाजपा दहाई के अंक तक भी नहीं पहुंच पायेगी। भाजपा के नेता सरकार बनाने के मुंगेरी लाल के हसीन सपने देख रहे है। राज्य में कांग्रेस की सरकार दो तिहाई बहुमत के साथ वापस आएगी। छत्तीसगढ़ में भाजपा मुद्दाविहीन थी चुनाव में भाजपा ने केंद्रीय एजेंसियों का जम कर दुरूपयोग किया। जनता ने भाजपा के सारे षड़यंत्रों को नकार कर उसके खिलाफ मतदान किया है।

कांग्रेस अपने जीतने वाले प्रत्याशियों को एकजुट करने में अभी से जुटी

प्रत्याशियों को जीत के बाद सर्टिफिकेट लेकर सीधे रायपुर आने को कहा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सियासी रण में अब परिणाम की बारी है। एक ओर जहां राजनैतिक पार्टियां अपने जीत का दम भरती नज़र आ रही हैं तो वहीं दूसरी ओर उन्हें हॉर्स ट्रेडिंग का डर भी सताने लगा है। ज्यादा खतरा कांग्रेस को है यही वजह है कि कांग्रेस पार्टी अभी से अपने प्रत्याशियों को एक जुट करने और परिणाम के बाद की तैयारियों में जुटी हुई है। पार्टी सूत्रों की माने तो कांग्रेस पार्टी ने 72 सीटों वाली एक चार्टर प्लेन की बुकिंग है। जिसमें जीते हुए प्रत्याशियों के साथ पार्टी के नेता भी होंगे। काउंटिंग के तुरंत बाद इन सभी प्रत्यशियों को बेंगलुरु ले जाने की तैयारी है। कांग्रेस के लिहाज से कर्नाटक उनके लिए सबसे सुरक्षित राज्य है।

कांग्रेस सूत्रों की माने तो सभी प्रत्याशियों को जीत के बाद सर्टिफिकेट लेकर सीधे रायपुर आने को कहा गया है। चर्चा है की वीआईपी रोड पर एक निजी होटल में प्रत्याशियों के रुकने की व्यवस्था की जा रही है। सभी प्रत्याशी रात भर एक साथ यही रुकेंगे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दावा किया है कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस तीन-चौथाई बहुमत के साथ सत्ता में लौटेगी। सीएम ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हमने सभी गारंटी पूरी कीं। इसलिए, कांग्रेस एक बार फिर तीन-चौथाई बहुमत के साथ छत्तीसगढ़ में सत्ता में लौटेगी। छत्तीसगढ़ में विधानसभा के चुनाव दो चरणों में हुए हैं। पहले फेज में 20 सीटों के लिए 7 नवंबर को वोटिंग हुई थी। वहीं, दूसरे फेज के लिए 70 सीटों पर 17 नवंबर को मतदान हुआ था। रिजल्ट 3 दिसंबर को घोषित होंगे।

छत्तीसगढ़ में विधानसभा की 90 सीटें हैं। यहां किसी भी पार्टी को बहुमत के लिए 46 सीटों की जरूरत होती है।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

बारनवापारा अभयारण्य से कोरिया शिफ्ट किए जाएंगे बायसन

पिथौरा। बलौदाबाजार स्थित बारनवापारा अभयारण्य से बायसन को कोरिया स्थित गुरु घासीदास नेशनल पार्क में शिफ्ट करने की तैयारी में वन विभाग जुटा है. इस काम को अंजाम देने के लिए अंबिकापुर से 2 कुमकी हाथियों को बारनवापारा अभयारण्य लाया गया है. जंगल की परिस्थितिकी को संतुलित बनाए रखने के लिए जानवरों को एक अभयारण्य से दूसरे अभयारण्य शिफ्ट किया जाता रहता है. इस कड़ी में सालों पहले दिल्ली और कानन पेंडारी, बिलासपुर से काले हिरणों को बारनवापारा अभयारण्य में शिफ्ट किया गया था. अब बारनवापारा अभयारण्य से बायसन को कोरिया स्थित गुरू घासीदास नेशनल पार्क मे छोड़ने की तैयारी चल रही है. बलौदाबाजार डीएफओ मंयक अग्रवाल ने लल्लूराम डॉट कॉम को बताया कि बारनवापारा अभयारण्य से 40 से 45 बायसन को कोरिया स्थित गुरु घासीदास नेशनल पार्क में छोड़ने की तैयारी चल रही है. दो कुमकी हाथी पहुंच चुके हैं. इन हाथियों के जरिए बायसन को रेसक्यू कर कोरिया के नेशनल पार्क में छोड़ा जाएगा. अभी दोनों कुमकी हाथियों को जंगल में घुमाकर क्षेत्र से अवगत कराया जा रहा है.

एक्जिट पोल पर कांग्रेस का दावा, भाजपा नहीं छुएगी दहाई का आंकड़ा

रायपुर। एक्जिट पोल सामने आने के बाद कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला का बयान सामने आया है. सुशील आनंद शुक्ला ने नतीजों को लेकर कहा, छत्तीसगढ़ के चुनाव परिणाम कांग्रेस के पक्ष में आएंगे. राज्य में कांग्रेस अबकी बार तीन चौथाई बहुमत से सरकार बनाएगी. कांग्रेस के 75 से अधिक विधायक चुनाव जीतकर आएंगे. भाजपा चुनावों में दहाई के अंक तक भी नहीं पहुंच पाएगी. आगे सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, जनता ने कांग्रेस सरकार के 5 साल के कामों और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के चेहरे को देखकर कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया है. कांग्रेस की सरकार ने 5 सालों में राज्य की जनता का भरोसा जीता है. 2018 में 68 सीटों के साथ सरकार बनाने के बाद कांग्रेस ने 5 उपचुनाव, नगरीय निकाय, पंचायतों का चुनाव जीता. 5 सालों में कांग्रेस कभी कोई चुनाव नहीं हारी. इस बार भी हम रिकार्ड बरकरार रखेंगे. आगे सुशील आनंद शुक्ला ने यह भी कहा कि, भाजपा छत्तीसगढ़ में ईडी के अगुवाई में चुनाव लड़ी. ईडी ने आपने संवैधानिक मर्यादाओं को ताक में रखकर कांग्रेस की राजनैतिक गतिविधियों मे बाधा पहुंचाने के लिए चुनाव के दौरान तमाम हथकंडे अपनाया. मुख्यमंत्री की छवि खराब करने के लिए एक व्यक्ति के फर्जी बयान के आधार पर प्रेस नोट जारी करके झूठे आरोप लगाया गया. उसी के आधार पर प्रधानमंत्री से लेकर छोटे-बड़े भाजपा नेताओं नें ईडी की झूठी कहानी को जनता के सामने रखा.

पुलिस को मिली बड़ी सफलता, 2 करोड़ 76 लाख का गांजा जब्त

महासमुंद। छत्तीसगढ़ पुलिस ने महासमुंद जिले में नशे के विरुद्ध एक बार फिर बड़ी कार्रवाई है. पिथौरा पुलिस और सायबर सेल ने नेशनल हाईवे 53 पर भारी मात्रा में गांजे से भरे ट्रक को जब्त किया है. पुलिस ने ट्रक से 517 किलो गांजा बरामद किया है जिसकी कीमत 2 करोड़ 76 लाख रुपये आंकी गई है. जानकारी के मुताबिक पिथौरा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली की ट्रक क्रमांक CG 04 JC 2783 में भारी मात्रा में गांजे की तस्करी की जा रही है, जिसके बाद मुखबिर की निशानदेही पर पुलिस ने तस्करों को पकड़ने के लिए नेशनल हाइवे 53 टप्पा सेवईया के पास घेराबंदी की थी, इसी दौरान तस्करों को पुलिस की घेराबंदी के बारे में भनक लग गयी. जिसके बाद ट्रक का ड्राइवर और उसका साथी ट्रक हाइवे पर मौजूद एक ढाबे के पास छोड़कर फरार हो गए. पुलिस के मुताबिक तस्कर ट्रक में खंडा चावल के नीचे गांजा छुपाकर ले रहे थे, जब पुलिस कर्मियों ने ट्रक की तलाशी ली तो उनके होश उड़ गए. मामले में पिथौरा पुलिस अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ नारकोटिक एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुट गई है. गौरतलब है कि महासमुंद में पुलिस नशे के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है, इससे पहले पुलिस ने दो अलग-अलग कार्रवाई में ओडिशा से छत्तीसगढ़ के रास्ते गांजा तस्करी करते तीन तस्करों को गिरफ्तार किया था.

रायपुर रेल मंडल के 12 सदस्य हुए सेवानिवृत्त

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल के विभिन्न विभागों में कार्यरत 12 रेल परिवार के सदस्य (06 सामान्य एवं 06 असामान्य) नवम्बर 2023 में अपनी गौरवशाली रेल सेवा पूर्ण करने के पश्चात् सेवानिवृत हुए। इस समारोह में सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी (श्रीमतीनिकिता अग्रवाल), सहायक मंडल वित्त प्रबंधक (श्री निरंजन गुनीराम बडगे), सेवानिवृत्त कर्मी एवंउनके परिजन, कल्याण निरीक्षक तथा बंदोबस्त अनुभाग के कर्मचारी उपस्थित थे7मंडल के सेवानिवृत्त होने वाले 12 रेलकर्मी में यांत्रिकी विभाग से 03, विद्युत विभाग से 02, इंजीनियरिंग विभाग से 03, वाणिज्य विभाग से 01,परिचालन विभाग से 02 एवंसुरक्षा विभाग 01कर्मचारी शामिल है। सामुदायिक भवन में आयोजित समारोह में समस्त सेवानिवृत्त कर्मियों को विदाई दी गई7इस अवसर पर सहायक मंडल वित्त प्रबंधक द्वारा सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति का समस्त भुगतान प्रमाण-पत्रदिया गया7 (ई-पेमेंट के माध्यम से सामान्य सेवानिवृत्त कर्मचारियों की कुल राशि रुपये3,92,73,547/- का भुगतान किया गया)7पेंशन भुगतान आदेश, सेवानिवृत्त कर्मचारी का पहचान एवं पास पत्र, सेवा मेडल आदि दिनांक 30/11/2023 को प्रदान किया गया।

डॉ. भावना सिरोही लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित

रायपुर। बालको मेडिकल सेंटर की चिकित्सा निदेशक डॉ. भावना सिरोही को इंडियन सोसाइटी ऑफ मेडिकल एंड पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी द्वारा प्रतिष्ठित लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार भारत में मेडिकल ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में डॉ. सिरोही के उल्लेखनीय योगदान और रोगियों के कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को मान्यता देता है। उन्हें 2 से 5 नवंबर को मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित आईएसएमपीओ वार्षिक सम्मेलन में पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. भावना सिरोही एक एक विश्व विख्यात ऑनकोलॉजिस्ट है, जो स्तन और पेट के कैंसर में विशेषज्ञता रखती हैं। टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई से योग्यता और रॉयल मार्सडेन एनएचएस फाउंडेशन ट्रस्ट, यूनाइटेड किंगडम में अतिरिक्त प्रशिक्षण के साथ, वह अपनी भूमिका में दो दशकों से अधिक का अमूल्य अनुभव लेकर आती हैं।उन्होंने राष्टीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 170 से अधिक पत्र प्रकाशित किए हैं और दुनिया भर में व्याख्यान दिए हैं।

रविवि की महिला एवं पुरूष टीम का चयन

अंतर महाविद्यालयीन स्क्वैश प्रतियोगिता शुरु

रायपुर। पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के तत्वावधान में प्रगति महाविद्यालय द्वारा आयोजित अंर्तमहाविद्यालयीन स्क्वैश प्रतियोगिता का उद्धाटन आज प्राचार्य डॉ. सौम्या नैयर द्वारा किया गया। प्राचार्य डॉ. सौम्या नैयर ने उद्धाटन अवसर में खेल एवं खेल का मानव जीवन में महत्व को प्रतिपादित करते हुए कहा कि स्पर्धा मानव जीवन का एक आवश्यक अंग है बिना स्पर्धा के मानव जीवन नीरस है अत: स्पर्धा का होना अति आवश्यक है, किसी भी स्पर्धा में पूरे मन व जोश से उतरना चाहिए चाहे परिणाम कुछ भी रहे। खेल में भाग लेना ज्यादा महत्वपूर्ण है, खेल में जीतने या हारने से।

अंतर महाविद्यालय स्क्वैश प्रतियोगिता का आयोजन प्रगति कॉलेज के द्वारा इण्डोर स्टेडियम बुढापारा स्थित स्क्वैश हॉल में किया गया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों के खिलाडी छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता के द्वारा ऑलइण्डिया यूनिर्वसिटी स्क्वैश प्रतियोगिता के लिए पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के लिये महिला एवं पुरूष स्क्वैश टीम का गठन किया जाना है। पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की महिला एवं पुरूष स्क्वैश टीम आगामी माह सोमैया यूटिर्वसिटी मुम्बंई (महाराष्ट्र) में आयोजित होने वाले ऑलइण्डिया यूनिर्वसिटी स्क्वैश प्रतियोगिता में भाग लेगी। इस प्रतियोगिता में हरि शंकर कॉलेज के बप्पाश्री साहू और शासकीय दू.ब. महिला कॉलेज की ज्योति साहू ने अपने शानदार खेल से पुरूष वर्ग और महिला वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता से पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के लिये चयनित महिला और पुरूष स्क्वैश टीम निम्न है।

पुरूष टीम : – बप्पाश्री साहू (हरिशंकर कॉलेज), प्रभात मिन्ज (विप्र कॉलेज), कनिष्क मिश्रा (प्रगति कॉलेज), हर्ष यादव (प्रगति कॉलेज), अनिकेत (सेठ फूल चंद कॉलेज राजिम), जय नारायण रात्रे (सेठ फूल चंद कॉलेज राजिम)

महिला टीम : – ज्योति साहू (शासकीय दू.ब.महिला महाविद्यालय), जान्हवी साहू (शासकीय दू.ब.महिला महाविद्यालय), अदिती शुक्ला (गुरूकुल महिला महाविद्यालय), निधि डोंगरे (शासकीय दू.ब.महिला महाविद्यालय), अनुग्या लकरा (प्रगति महाविद्यालय), ममता भारती (प्रगति महाविद्यालय)।

इस प्रतियोगिता के निर्णायक राहुल साहू, सुनिधि पाण्डे और केशव जलक्षत्रिय थे। इस आयोजन में विभिन्न महाविद्यालयों के क्रीड़ाधिकारी डॉ. रामानंद यदु, डॉ. प्रमोद मेने, डॉ. कर्मिष्ठ शंभरकर, श्री शिव पाण्डे आदि उपस्थित थे। उपरोक्त जानकारी डॉ. आदर्श मिश्रा ने दिया।

कांग्रेस प्रत्याशियों के साथ मैच देखने पहुंचेगे सीएम भूपेश

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 1 दिसंबर को होने जा रहे भारत-ऑस्ट्रेलिया के टी-20 मैच के लिए तैयारियां पूरी कर ली गई है. इस मैच को लेकर छत्तीसगढ़ के लोगों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है.

इसी बीच यह खबर सामने आई है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कांग्रेस के सभी 90 प्रत्याशियों के साथ मैच का आनंद लेने के लिए स्टेडियम पहुंचेंगे. बता दें कि यह मैच शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 1 दिसंबर की शाम पहली बार टी-20 इंटरनेशनल मैच भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जाएगा.

जानकारी के अनुसार भारत-ऑस्ट्रेलिया के मैच को देखने के लिए उपमुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव, मंत्री रविन्द्र चौबे, मो. अकबर समेत सभी मंत्री होंगे. इनके अलावा कई वरिष्ठ नेता भी इसे पहुचेंगे. इनमें सत्यनारायण शर्मा, राजेंद्र तिवारी जैसे नाम शामिल हैं. इसके लिए सभी प्रत्याशियों और नेताओं को जानकारी दे दी गई है.

स्टेडियम में डॉक्टरों की टीम रहेगी मौजूद– मैच के दौरान क्रिकेट स्टेडियम में पहुंचने वाले दर्शकों के लिए पैरामेडिकल स्टॉफ और आवश्यक दवाओं के साथ पांच डॉक्टर मौजूद रहेंगे. जो किसी भी आपात स्थिति में लोगो की मदद के लिए तैयार रहेंगे. ये डॉक्टर पार्किंग के साथ स्टेडियम के अलग अलग हिस्सों में मौजूद रहेंगे.

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.